असम में हिंसा, मौके पर आरएएफ तैनात और इंटरनेट बंद - 12

बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर चार माह के उच्चतम स्तर 3.7 प्रतिशत पर - 12

ग्रीनलैंड पर शुल्क की धमकी से ट्रंप की विश्वसनीयता पर उठे सवाल - 13

न्यूजीलैंड से वनडे का हिसाब चुकता करने उतरेगा भारत - 14

आज का मौसम
22.0° अधिकतम तापमान
8.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.05
सूर्यास्त 05.43

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष तृतीया 02:47 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

| बरेली |

बुधवार, 21 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 58, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

मेरे भी बॉस : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह और जेपी नड्डा की मौजूदगी में नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन ने पदभार ग्रहण किया। मोदी ने इस मौके पर कहा– अब नितिन नबीन मेरे भी बॉस हैं। ● एजेंसी

पार्टी को नई ऊर्जा मिलेगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को नई दिल्ली में नितिन नबीन से मिलकर उन्हें बधाई और उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। योगी ने कहा, नितिन नबीन का कुशल नेतृत्व, गहरा संगठनात्मक अनुभव और दूरदर्शी सोच पार्टी को नई ऊर्जा और स्पष्ट दिशा प्रदान करेगी।

ट्रंप की धमकियों से सहमे बाजार में 9.86 लाख करोड़ डूबे

नई दिल्ली/मुंबई, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ को आक्रामक हथियार बनाने और लगातार धमकियां देने का बड़ा असर मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार पर पड़ा। सेंसेक्स 1,065.71 अंकों की भारी गिरावट के साथ धड़ाम हो गया और निफ्टी भी 353 अंक टूट गया। इस भारी गिरावट से निवेशकों के 9.86 लाख करोड़ रुपये डूब गए।

ट्रंप की धमकियों से वैश्विक स्तर पर लगातार तनाव बढ़ने के कारण मंगलवार को शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली हुई। इससे सेंसेक्स में भारी गिरावट आई और

- चौतरफा बिकवाली से सेंसेक्स 1,066 अंक लुढ़का, निफ्टी में भी 353 अंकों की भारी गिरावट

"अमेरिकी प्रशासन की ओर से टैरिफ को विदेश नीति के एक उपकरण के रूप में आक्रामक और अप्रत्याशित तरीके से इस्तेमाल किए जाने से वैश्विक बाजारों में बेचैनी बढ़ी है जो वित्तीय बाजारों में तेज उतार-चढ़ाव पैदा कर रही है। – **पोनमुडी आर,** सीईओ एनरिच मनी

वह 1.28 प्रतिशत फिसलकर 82,180.47 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 353 अंक यानी 1.38 प्रतिशत गिरकर 25,232.50 अंक पर बंद हुआ। कारोबारियों ने इस भारी गिरावट का कारण

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में लगातार गिरावट जारी रहने को भी बताया। विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने इस संकट को और गहरा कर दिया। बाजार में छोटी कंपनियों का बीएसई स्मालकैप सूचकांक 2.74 प्रतिशत और मझोली कंपनियों के मिडकैप सूचकांक में 2.52 प्रतिशत लुढ़क गया। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार मूल्यांकन 9,86,093.96 करोड़ रुपये घटकर 4,55,82,683.29 करोड़ रुपये यानी 5.01 लाख करोड़ डॉलर रह गया। बीएसई पर सूचीबद्ध कुल 3,503 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई जबकि 780 शेयर चढ़कर बंद हुए और 119 अपरिवर्तित रहे।

चीन, जापान, कोरिया में भी भारी गिरावट यूरोप के बाजारों में भी मचा हाहाकार

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजारों में कारोबार के दौरान एक प्रतिशत से अधिक की कमजोरी देखी गई। अमेरिकी बाजार सोमवार को अवकाश के कारण बंद रहे।

- शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को 3,262 .82 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 4,234 .30 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

ब्रीफ न्यूज

दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप- 4 के प्रतिबंध हटे

नई दिल्ली। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने मंगलवार को दिल्ली-एनसीआर की वायु गुणवत्ता में सुधार होने के बाद चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रैप) के चौथे चरण के तहत लागू पाबंदियां हटा लीं। सीएक्यूएम ने एक आदेश में कहा कि पहले, दूसरे और तीसरे चरण की पाबंदियां लागू रहेंगी। आदेश में कहा गया, ग्रैप के चौथे चरण की पाबंदियां हटा ली गई हैं। लोगों से अनुरोध है कि वे ग्रैप के पहले, दूसरे और चौथे चरण के तहत लागू पाबंदियों का सख्ती से पालन करें ताकि एक्यूआई और खराब न हो।

बेंगलुरु में 5.15 करोड़ के मादक पदार्थ जब्त

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु में मंगलवार को अपराध नियंत्रण ब्यूरो (सीसीबी) की स्वापक रोधी शाखा ने 2 .5 किलोग्राम एमडीएमए और 300 एक्स्टसी टैबलेट जब्त की। जब्त किए गए मादक पदार्थ की कीमत लगभग 5 .15 करोड़ रुपये है। पुलिस के मुताबिक, मराठाहल्ली थाना क्षेत्र के मुन्नेकोलाला इलाके में किराए के एक मकान से एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया। पूछताछ में पता चला कि वह इस मकान से ही मादक पदार्थों का व्यापार कर रहा था। आरोपी के खिलाफ हेन्नूर और कडुगोडी थानों में पहले से ही मादक पदार्थों की तस्करी के दो मामले दर्ज हैं।

चुनाव से ऐन पहले केरल-तमिलनाडु में राज्यपाल और सरकारों में बढ़ा टकराव

तमिलनाडु में अभिभाषण पढ़े बगैर चले गए रवि, केरल में राज्यपाल ने छोड़े कई अंश

चेन्नई/तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि मंगलवार को यह कहकर राज्य विधानसभा के इस साल के पहले सत्र में सदन में अभिभाषण पढ़े बिना बाहर चले गए कि द्रमुक सरकार द्वारा तैयार अभिभाषण में बहुत सी गलतियां हैं। उधर, केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने भी आरोप लगाया कि राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने राज्य मंत्रिमंडल की ओर से अनुमोदित भाषण के कई हिस्सों को नहीं पढ़ा। दोनों राज्यों में इसी साल होने जा रहे विधानसभा चुनाव से पहले राजनीति एक बार फिर गरमा गई है।

राज्यपाल के सदन से जाने के बाद मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने उनकी कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि वह नियमों, परंपराओं का उल्लंघन करते हुए एक बार फिर सदन से बाहर चले गए हैं। उनका व्यवहार उनके उच्च पद के अनुकूल नहीं है और सदन और उसकी गरिमा का भी अपमान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 176 के अनुसार परंपरागत संबोधन राज्य सरकार तैयार करती है और इसे राज्यपाल द्वारा पूरी तरह से पढ़ा जाना चाहिए।

चेन्नई में राज्यपाल के सदन से जाने के बाद एआईएडीएमके के विधायकों ने भी वाकआउट कर गए।

मेरा माइक बंद किया, राष्ट्रगान का हुआ अपमान: रवि

चेन्नई। विधानसभा में हुए घटनाक्रम के बाद लोकभवन ने बयान जारी कर दावा किया कि राज्यपाल आरएन रवि ने परंपरागत अभिभाषण पढ़ने से इसलिए इन्कार कर दिया, क्योंकि उसमें कई अप्रमाणित दावे और भ्रामक बयान शामिल थे। लोकभवन ने आरोप लगाया कि राष्ट्रगान का एक बार फिर अपमान किया गया। साथ ही, जनता को परेशान करने वाले कई मुद्दों को अनदेखा किया गया। राज्यपाल रवि परंपरागत अभिभाषण की शुरुआत में राष्ट्रगान बजाने की मांग कर रहे थे, जबकि राज्य सरकार का कहना है कि परंपरा के अनुसार शुरुआत में तमिल थाई वाज़्थु और अंत में राष्ट्रगान बजाया जाता है। लोकभवन की ओर से जारी 13 बिंदुओं वाले एक विवरण में यह भी आरोप लगाया गया कि राज्यपाल का माइक बार-बार बंद किया गया और उन्हें बोलने नहीं दिया गया।

अभिभाषण की अनिवार्यता हटे : मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि उनकी पार्टी संविधान में संशोधन के माध्यम से उन प्रावधानों को हटाने का प्रयास करेगी, जिनमें वर्ष की शुरुआत में राज्यपाल के अभिभाषण को अनिवार्य बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने एक प्रस्ताव भी पेश किया जिसमें कहा गया कि सदन राज्यपाल के परंपरागत संबोधन न पढ़ने के व्यवहार को स्वीकार नहीं करता है।

राज्यपाल ने केंद्र की आलोचना वाले अहम हिस्से नहीं पढ़े: विजयन

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा में मंगलवार को तब अभूतपूर्व स्थिति उत्पन्न हो गई जब मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने सदन में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के संबोधन के तुरंत बाद आरोप लगाया कि उन्होंने राज्य मंत्रिमंडल की ओर से अनुमोदित नीतिगत भाषण को पूरी तरह नहीं पढ़ा। विजयन ने कहा कि छोड़े गए अंशों में भाजपा-शासित केंद्र सरकार की राजकोषीय नीति की आलोचना करने वाले हिस्से और राजभवन में लंबित विधेयकों से संबंधित संदर्भ शामिल थे। विजयन के अनुसार, राज्यपाल ने दस्तावेज के 12वें पैरा का शुरुआती हिस्सा और 15वें पैरा के अंतिम हिस्से को नहीं पढ़ा। इसके अलावा, 157 पैरा और 72 पृष्ठों वाले नीतिगत भाषण के 16वें पैरा में राज्यपाल ने एक पंक्ति जोड़ी। विजयन ने विधानसभा अध्यक्ष से आग्रह किया कि राज्य मंत्रिमंडल द्वारा मंजूर नीतिगत संबोधन को ही आधिकारिक संस्करण के तौर पर स्वीकार किया जाए।

अश्लील वीडियो वायरल होने के बाद कर्नाटक डीजीपी निलंबित

बेंगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक सरकार ने डीजीपी के. रामचंद्र राव के महिलाओं के साथ अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। सोमवार को कई समाचार चैनलों ने भी यह वीडियो प्रसारित किया जिसमें राव महिलाओं के साथ आपत्तिजनक स्थिति में दिखाई दे रहे थे। सरकार ने राव की कहीं आवाजाही पर भी रोक लगा दी है और बिना अनुमति मुख्यालय न छोड़ने का आदेश दिया है।

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग (डीपीएआर) की ओर से जारी एक आधिकारिक आदेश में सरकार ने कहा कि टेलीविजन चैनल और डिजिटल मीडिया मंचों पर प्रसारित वीडियो और समाचार में वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी को अश्लील तरीके स व्यवहार करते हुए दिखाया गया है। इस कारण उन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई का निर्णय लिया गया है।

आदेश में कहा गया कि राज्य सरकार ने मामले की जांच की, जिसमें पाया गया कि अधिकारी का आचरण अखिल भारतीय सेवा (आचरण) नियम, 1968 के नियम-3 का उल्लंघन है। सरकार प्रथमदृष्टया इससे संतुष्ट है कि जांच होने तक राव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया जाए। उधर, राव ने वीडियो को मनगढ़ंत और झूठा बताया है।

- सरकार ने जांच पूरी होने तक मुख्यालय छोड़ने पर भी लगाई रोक

सोने की तस्करी में पकड़ी गई रान्या के सौतेले पिता हैं राव

राव कन्नड़ अभिनेत्री हर्षवर्धिनी रान्या उर्फ रान्या राव के सौतेले पिता हैं, जिस पर व्यवसायी तरुण राजू और आभूषण व्यापारी साहिल जैन से मिलकर 12 .56 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का सोना अवैध तरीके से दुबई से भारत लाने की साजिश रचने का आरोप है। रान्या को तीन मार्च 2025 को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पकड़ा गया था और उसके पास से 14 .8 किलोग्राम सोना बरामद किया गया था जो दुबई से तस्करी करके लाया गया था। रान्या फिलहाल न्यायिक हिरासत में जेल में है।

जांच में आरोपों की पुष्टि हुई तो बर्खास्त करेगी सरकार

कर्नाटक के गृह मंत्री जी . परमेश्वर ने कहा है कि महिलाओं के साथ आपत्तिजनक स्थिति में वीडियो वायरल होने के मामले की जांच के बाद डीजीपी के . रामचंद्र राव को बर्खास्त भी किया जा सकता है। गृह मंत्री ने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए निलंबन एक तात्कालिक कदम था। अब जांच होगी और जांच के बाद अन्य पहलुओं का भी पता चलेगा और उसके अनुसार अगली कार्रवाई की जाएगी।

जनवरी के लिए पंचायतों को 900 करोड़ की सौगात

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : योगी सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाने के लिए बड़ा निर्णय लेते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनवरी के लिए 900 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। यह राशि पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों के अंतर्गत जनरल ग्रांट के रूप में जिला पंचायतों, ब्लॉक पंचायतों और ग्राम पंचायतों को दी जाएगी। इसका शासनादेश जारी कर दिया गया है।

विशेष सचिव आलोक दीक्षित की ओर से पंचायती राज निदेशक को भेजे गए शासनादेश के अनुसार यह धनराशि स्थानीय निकायों एवं पंचायती राज संस्थाओं को क्षतिपूर्ति एवं समनुदेशन से जारी की जाएगी। कुल 10,800 करोड़ रुपये की वार्षिक व्यवस्था में से जनवरी माह के लिए यह किस्त स्वीकृत की गई है। धनराशि निदेशक, पंचायती राज के निवर्तन पर रखी जाएगी, जिसे तय शर्तों के अनुसार संबंधित पंचायतों के खातों में सीधे अंतरित किया जाएगा। यह वितरण पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर राज्य सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों के अनुसार किया जाएगा। इस निर्णय से प्रदेश की पंचायतों को विकास कार्यों, बुनियादी सुविधाओं और जरूरतों के पूरा होने की उम्मीद है। पंचायतें इस धनराशि का उपयोग स्वच्छता, रखरखाव, स्थानीय अधोसंरचना और अन्य जनहित कार्यों में कर सकेंगी।

- पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुति पर जिला, ब्लॉक व ग्राम पंचायतों को धनावंटन
- कुल 10,800 करोड़ रुपये की वार्षिक व्यवस्था में से जनवरी के लिए किस्त स्वीकृत

पंचायतों में वितरण

● जिला परिषद/जिला स्तरीय पंचायतें : 135 करोड़ रुपये ● ब्लॉक पंचायत/मध्यवर्ती स्तरीय पंचायतें : 135 करोड़ रुपये ● ग्राम पंचायतें : 630 करोड़ रुपये

पारदर्शिता व सख्त शर्तें

शासन ने निर्देश दिए हैं कि स्वीकृत धनराशि को निदेशक पंचायती राज किसी भी दशा में बैंक खाते में नहीं रखेंगे। कोषागार से धन आहरित कर सीधे पंचायती राज संस्थाओं के खातों में भेजी जाएगी। उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि सभी खातों के आईएफएससी कोड सही हों। आहरण के एक सप्ताह के भीतर उससे संबंधित पूरी सूचना, बाउचर संख्या और तिथि सहित ब्योरा उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। यह भी कहा गया है कि धन का उपयोग केवल उसी उद्देश्य के लिए किया जाएगा, जिसके लिए अनुदान स्वीकृत किया गया है।

घर में एक ही परिवार के 5 सदस्यों के शव मिले

सहारनपुर, एजेंसी

सहारनपुर जिले के सरसावा थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी से मंगलवार सुबह एक दंपती समेत परिवार के पांच लोगों के शव पुलिस ने बरामद किए हैं।

सहारनपुर के एसएसपी आशीष तिवारी के मुताबिक सुबह पुलिस को जानकारी मिली कि सरसावा की कौशिक विहार कॉलोनी में एक अमीन समेत परिवार के पांच सदस्यों के शव उन्हीं के मकान के एक कमरे में मिले हैं। मृतकों में अमीन के पद पर

- सभी के सिर पर लगी थी गोली, मौके पर 3 लोडेड पिस्टल भी बरामद

कार्यरत अशोक राठी (40), उसकी पत्नी अजिंता (37), मां विद्यावती (70), पुत्र कार्तिक (16) और देव (13) शामिल हैं। पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां अशोक राठी के शव की बगल में तीन लोडेड पिस्टल भी मिलीं। अशोक राठी सहित सभी के सिर पर गोली लगी थी जो बहुत पास से मारी गई थी। एसएसपी के मुताबिक पूरे क्षेत्र की सीसीटीवी फुटेज की जांच के साथ मामले की छानबीन की जा रही है। मौके से बरामद तीनों पिस्टल देसी हैं। वह लाइसेंसी हैं या नहीं, इसकी जांच कराई जा रही है।

एसएसपी ने बताया कि अशोक राठी को पिता की मौत के बाद मृतक आश्रित कोटे में अमीन की नौकरी मिली थी और वह नकुड़ तहसील में कार्यरत था। उसके दोनों बेटे दसवीं और 11वीं कक्षा में पढ़ रहे थे। पुलिस ने अशोक राठी के घर को सील कर दिया है ताकि किसी भी स्तर पर जांच प्रभावित न हो पाए।

इजराइल ने पूर्वी यरुशलम में संयुक्त राष्ट्र कार्यालय पर चलाया बुलडोजर

यरुशलम, एजेंसी

इजराइल के अधिकारियों ने पूर्वी यरुशलम में संयुक्त राष्ट्र के कार्यालय को बुलडोजर से गिराना शुरू कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी ने कहा कि इजराइली सेना ने कार्यालय के कर्मचारियों के उपकरण जब्त कर लिए और उन्हें शेख जर्राह इलाके में स्थित इमारत से जबरन बाहर निकाल दिया।

- कर्मचारियों के उपकरण जब्त कर इमारत से जबरन बाहर निकाला
- संरा ने बताया अभूतपूर्व हमला अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन

संयुक्त राष्ट्र ने 'एक्स' पर कहा, यह न केवल यूएनआरडब्ल्यूए और उसके परिसर पर अभूतपूर्व हमला है, अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र के विशेषाधिकारों का गंभीर उल्लंघन भी है। इजराइल लंबे समय से यह कहकर यूएनआरडब्ल्यूए पर निशाना साधता रहा है कि वह फिलिस्तीन समर्थक है। उस पर हमास से संबंध रखने का भी आरोप लगाया है जिसे संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने पूरी तरह नकार दिया है। इजराइल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह कार्रवाई उस नए कानून के तहत की गई है जिसके तहत आतंकवादी समूहों और हमास से संबंध रखने के आरोप में संगठन पर प्रतिबंध लगाया गया है।

अविमुक्तेश्वरानंद से प्रशासन ने शंकराचार्य होने का प्रमाण मांगा

प्रयागराज। प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने सुप्रीम कोर्ट के नोटिस का हवाला देते हुए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को नोटिस जारी कर 24 घंटे में ज्योतिष पीठ का शंकराचार्य होने का प्रमाण मांगा है। जवाब में उन्होंने कहा है कि शंकराचार्य वह है जिसे बाकी तीन पीठों के शंकराचार्य मान्यता देते हैं।

उन्होंने दावा किया है कि बाकी दो पीठ द्वारका पीठ और श्रृंगेरी पीठ के शंकराचार्य उन्हें शंकराचार्य कहते हैं। पिछले माघ मेले में उनके साथ स्नान भी कर चुके हैं। जब दोनों शंकराचार्य यह कह रहे हैं कि वह शंकराचार्य हैं तो और किस प्रमाण की आवश्यकता है कि वह शंकराचार्य हैं कि नहीं। उन्होंने कहा, क्या अब प्रशासन तय करेगा कि वह शंकराचार्य हैं कि नहीं।

फैसला | सुप्रीम कोर्ट ने कहा– केस दर्ज कर आरोपपत्र भी कर सकती है दाखिल, सीबीआई की पूर्वानुमति की भी जरूरत नहीं

केंद्रीय कर्मियों के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच कर सकती है राज्य पुलिस

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में व्यवस्था दी कि रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के अपराधों के मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत राज्य पुलिस के अधिकारी केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ जांच कर आरोप पत्र दाखिल कर सकते हैं। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि राज्य पुलिस को केंद्र सरकार के किसी कर्मचारी के खिलाफ मामला दर्ज करने से पहले सीबीआई की पूर्व अनुमति की भी आवश्यकता नहीं है।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अपराधों की जांच राज्य

एजेंसी, केंद्रीय एजेंसी या कोई भी पुलिस एजेंसी इस शर्त के साथ कर सकती है कि पुलिस अधिकारी विशेष रैंक का हो। पीठ ने अधिनियम की धारा 17 का उल्लेख करते हुए कहा कि यह धारा राज्य पुलिस या राज्य की किसी विशेष एजेंसी को केंद्रीय कर्मचारियों के खिलाफ रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचार और कदाचार से संबंधी मामलों को दर्ज करने या जांच करने से नहीं रोकती है। पीठ ने कहा, सुविधा और काम के दोहराव से बचने के लिए सीबीआई को केंद्र के कर्मचारियों के खिलाफ जांच का जिम्मा सौंपा गया है। इसी तरह राज्य के भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो पर राज्य सरकार के कर्मचारियों के खिलाफ जांच करने जिम्मेदारी है।

आवारा कुत्तों के मामले में मेनका गांधी का बयान अवमानना

सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी की आवारा कुत्तों के मुद्दे पर अपने आदेशों की आलोचना करने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्होंने अदालत की अवमानना की है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि उदारता के कारण वह पूर्व मंत्री के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू नहीं कर रही है। न्यायमूर्ति मेहता ने मेनका के वकील से पूछा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री के रूप में मेनका गांधी ने आवारा कुत्तों की समस्या को खत्म करने के लिए बजट में आवंटन कराने में क्या मदद की। पीठ ने कहा कि कुत्तों को खाना देने वालों को जवाबदेह ठहराने के संबंध में उसकी टिप्पणी व्यंग्य नहीं, बल्कि गंभीर थी। अदालत ने 13 जनवरी को कहा था कि वह राज्यों को कुत्ते के काटने की घटनाओं के लिए भारी मुआवजा देने को कहेगी और ऐसे मामलों के लिए कुत्तों को खाना देने वालों को जवाबदेह ठहराएगी।

समाचारपत्रों को नहीं रोक सकते निर्बाध चलेंगी पंजाब केसरी की प्रेस

सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए कि ''समाचारपत्रों को रोका नहीं जा सकता'' पंजाब सरकार को निर्देश दिया कि वह पंजाब केसरी अखबार के प्रकाशन के खिलाफ कोई कदम न उठाए। कोर्ट ने मौखिक उल्लेख के बाद समाचारपत्र समूह की याचिका पर तत्काल सुनवाई करते हुए आदेश दिया कि हिंदी दैनिक के प्रिंटिंग प्रेस निर्बाध रूप से काम करते रहेंगे। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने कहा कि समाचार पत्र समूह की याचिका पर पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के फैसला सुनाए जाने के बाद भी उसका अंतरिम आदेश एक सप्ताह तक प्रभावी रहेगा। इससे पहले समाचार पत्र समूह की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने इसे असाधारण मामला बताते हुए आरोप लगाया कि पंजाब सरकार के खिलाफ समाचारों के बाद राज्य ने उत्पीड़न का अभियान शुरू कर दिया।

न्यूज ब्रीफ

पुलिस ने वारंटियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

सेहरामऊ दक्षिणी, अमृत विचार : न्यायालय में विचाराधीन मुकदमों में गैरहाजिर चल रहे दो वारंटियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थाना प्रभारी उमेश कुमार मिश्र के अनुसार गांव भरगवां निवासी संतराम पुत्र जगत को दरोगा सौरव कुमार ने तथा गांव डींगरपुर निवासी सुखपाल पुत्र राम खिलावन को दरोगा मोहित कुमार ने हमराही बिंदेश कुमार के साथ गिरफ्तार किया।

परचून की दुकान जलकर राख

बंडा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के बृजपाल नगर में नई बाजार के पास रामनाथ की परचून की दुकान में बीती रात अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग की लपटों को देखकर स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन देरी से आने के कारण पूरा सामान जलकर राख हो गया। पीड़ित रामनाथ ने थाने में तहरीर दी है।

एससी-एसटी एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

तिलहर, अमृत विचार : कोतवाली पुलिस ने एससी–एसटी एक्ट के दर्ज मुकदमे के आरोपी को गिरफ्तार कर कार्रवाई की है। पुलिस ने दोदराजपुर निवासी आरोपी रामबाबू को एसआई प्रमोद कुमार और उनकी टीम ने क्षेत्र से गिरफ्तार कर कोतवाली लाकर कार्रवाई की।

युवती को किया बरामद, आरोपी फरार

सेहरामऊ दक्षिणी, अमृत विचार : सरौरी पश्चिमी गांव निवासी युवक प्रेम प्रसंग के चलते दूसरे समुदाय की युवती को 6 जनवरी को अपने साथ ले गया था। पुलिस के अनुसार लड़की को सोमवार देर शाम चांदापुर से नेशनल हाईवे को जोड़ने वाले मार्ग के पास से युवती को पकड़ लिया। युवती और आरोपी दूसरे प्रांत जाने की फिराक में थे। थाना प्रभारी ने बताया कि युवक की तलाश जारी है।

लखनऊ-हरिद्वार ट्रेन का शीघ्र संचालन

शाहजहांपुर, अमृत विचार : मुरादाबाद मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए हरिद्वार–लखनऊ स्पेशल ट्रेन का संचालन होने जा रहा है। हरिद्वार से संचालन 22 जनवरी और लखनऊ से 23 जनवरी को होगा। ट्रेन में एसी कोच, स्लीपर और जनरल कोच होंगे। डाउन में यह ट्रेन 06 बजकर 57 मिनट आएगी और अप में रात में 02 बजकर 59 मिनट पर आएगी। इस ट्रेन का ठहराव लक्सर, नजीबाबाद, नगीना, धामपुर, स्योहारा, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, शाहाबाद, हरदोई, बालामऊ ठहराव है। इससे यहां के यात्रियों को काफी राहत मिलेगी। वहीं हरिद्वार का सफर भी सुगम होगा।

जलभराव से परेशान व्यापारी नगर निगम पहुंचे

सीवर और जल निगम की लाइन से बह रहा था पानी, सड़क पर पानी भरने से दुकानों पर नहीं पहुंच रहे ग्राहक, हुई दिक्कत

संवाददाता, शाहजहांपुर

सड़क पर जल भराव दिखाते व्यापारी। ● अमृत विचार

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारी नगर अध्यक्ष सुनील गुप्ता के नेतृत्व में निशात टॉकीज क्षेत्र में दुकानों के सामने सीवर लाइन और जल निगम की लाइन से निकल रहे पानी की गंभीर समस्या को लेकर जल निगम के एई रवि कुमार से मिले। नगर आयुक्त और अपर नगर आयुक्त के उपलब्ध न होने के कारण व्यापारियों ने जल निगम अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्या रखी। समाधान न होने पर व्यापारियों ने आंदोलन की चेतावनी दी। हालांकि बाद में निगम ने पानी निकलवा दिया।

नगर निगम पहुंचे शिष्टमंडल ने बताया कि लगातार जलभराव और कीचड़ के कारण बाजार की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है। दुकानदारों को दुकानें बंद करनी पड़ रही हैं। कई बार संबंधित अधिकारियों से वार्ता के बावजूद अब तक समस्या का समाधान नहीं हो सका है। इस पर एई रवि कुमार ने मौके पर मौजूद व्यापारियों को आश्वस्त किया कि समस्या का समाधान तत्काल प्रभाव से कराया जाएगा।

● **तत्काल समाधान और टैंकर लगवाने का आश्वासन मिलने पर गए व्यापारी**

उन्होंने कर्मचारियों को फोन कर जल्द कार्यवाही के निर्देश दिए और अस्थायी राहत के लिए टैंकर लगवाकर पानी खिंचवाने की बात कही। जिलाध्यक्ष कुलदीप सिंह दुआ के बाहर होने के कारण वह बैठक में शामिल नहीं हो सके, लेकिन फोन पर उन्होंने कहा कि यदि नगर पालिका जल्द सड़कों की मरम्मत और समस्या का समाधान नहीं कराती है तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। वरिष्ठ उपाध्यक्ष चंद्रप्रकाश गुलाटी ने भी कहा कि समाधान न होने पर व्यापारी धरना प्रदर्शन के लिए मजबूर होंगे। नगर अध्यक्ष सुनील गुप्ता ने कहा कि शहर के कई इलाकों में सीवर और पानी की लाइनों में लिकेज हो रही है। बिना बरसात के जगह-जगह कीचड़ फैल रहा है, जिससे बाजार में ग्राहक नहीं आ पा रहे हैं और व्यापार लगातार प्रभावित हो रहा है। शिष्टमंडल ने प्रशासन से मांग की कि इन समस्याओं का शीघ्र और स्थायी समाधान कराया जाए। प्रतिनिधिमंडल में सतनाम चावला, चंद्रप्रकाश गुलाटी, गौरव मेहता, दीपू राठौर, लियाकत, सर्वेश राठौर, नरेश मेहता, शिवम राठौड़, मोहित सहित अन्य व्यापारी मौजूद रहे।

व्यापारियों ने की चाइनीज मांझे पर सख्ती की मांग

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

बहादुरगंज पचराहा में शपथ लेते व्यापारी। ● अमृत विचार

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल की बैठक बहादुरगंज पचराहा में युवा जिला अध्यक्ष अनवार खान के प्रतिष्ठान पर हुई। बैठक की अध्यक्षता युवा जिला अध्यक्ष अनवार खान ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री अनीस खान ने किया। बैठक में उपस्थित व्यापारियों ने चाइनीस मांझे की खुलेआम बिक्री पर गंभीर चिंता जताई।

व्यापारियों ने कहा कि जब चाइनीस मांझा प्रतिबंधित है तो फिर यह बाजार में कैसे पहुंच रहा है। इस खतरनाक मांझे से हर वर्ष सैकड़ों लोग घायल होते हैं और कई लोगों की जान भी चली जाती है, लेकिन इसकी बिक्री रोकने में सिस्टम नाकाम साबित हो रहा है। सभी व्यापारियों ने एक सुर में मांग की कि प्रतिबंधित मांझा बेचने वालों के साथ-साथ खरीदने वालों पर भी सबसे सख्त कार्रवाई की जाए।

बैठक में कहा गया कि आगामी 23 जनवरी को बसंत पंचमी का

● **प्रतिबंधित मांझे की बिक्री को लेकर सिस्टम पर उठाए सवाल**

● **मांझा बिक्रेताओं से चाइनीज मांझा न बेचने की अपील की**

त्योहार है, ऐसे में किसी भी तरह की अनहोनी को रोकने के लिए प्रशासन को समय रहते ठोस कदम उठाने चाहिए। व्यापारियों ने आम लोगों से अपील की कि कोई भी व्यक्ति इस खतरनाक मांझे की खरीदारी न करें। साथ ही सभी व्यापारियों ने शपथ ली कि वे कभी भी चाइनीस मांझे का इस्तेमाल नहीं करेंगे। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल ने प्रशासन से मांग की कि यदि बसंत पंचमी से पहले प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन आंदोलन करने को बाध्य होगा, जिसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। बैठक में इलियास कुरैशी, वालीउल्लाह, फरमान खान, अरमान खान, मोहम्मद आलम, रेहान खान, मुदित, तनवीर खान, मोहित वर्मा, विक्की, नोमान खान, दीपक कश्यप, जीशान खान, जफर खान सहित अन्य व्यापारी मौजूद रहे।

अवधेश दीक्षित पुनः कैंट बोर्ड के नामित सदस्य नियुक्त

शाहजहांपुर, अमृत विचारः भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी राजपत्र के तहत देश की समस्त छावनी परिषदों का पुनर्गठन किया गया है। शाहजहांपुर छावनी परिषद के लिए अध्यक्ष के रूप में ब्रिगेड कमांडर, अधिशासी अधिकारी के साथ नागरिक संबंधी मामलों के लिए अवधेश दीक्षित को पुनः नामित सदस्य नियुक्त किया गया है। अवधेश दीक्षित पिछले 33 वर्षों से कैंट बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्य कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने बोर्ड के उपाध्यक्ष पद पर रहते हुए भी अपनी सेवाएं दी हैं। उनके अनुभव और कार्यशैली को देखते हुए उन्हें एक बार फिर यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अवधेश दीक्षित।

उनके मनोनयन पर उत्तर प्रदेश के संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, भारत सरकार के मंत्री जितिन प्रसाद, सांसद अरुण सागर, कैंट म्यूजियम कम्युनिटी के संयोजक डॉ. विकास खुराना, भाजपा जिलाध्यक्ष केसी मिश्रा और महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता ने हर्ष व्यक्त किया है।

स्कूल रेडिनेस फेस-1 के संचालन के लिए दिया प्रशिक्षण

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

स्कूल रेडिनेस फेस–1 के संचालन के लिए जनपदीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करतीं बीएसए दिव्या गुप्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार : पूर्व प्राथमिक शिक्षा के अंतर्गत 5 से 6 साल तक के बालक-बालिकाओं के लिए स्कूल रेडिनेस फेस 1 के संचालन हेतु जनपदीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दिव्या गुप्ता किया।

मंगलवार को जीआईसी में आयोजित प्रशिक्षण में जनपद की 123 न्याय पंचायत से एक-एक नोडल शिक्षक संकुल तथा बाल विकास विभाग से सुपरवाइजर को शामिल रहे। जनपद में कुल 1519 को-लोकेटेड आंगनवाड़ी में यह कार्यक्रम 5-6 वर्ष आयु के बालक-बालिकाओं के लिए संचालित किया जाएगा। प्रशिक्षण में उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बीएसए दिव्या गुप्ता ने कहा कि पूर्व प्राथमिक शिक्षा सीखने की आधारशिला है। उन्होंने प्रतिभागियों का आह्वान करते हुए कहा कि वह

● **जनपद में कुल 1519 को-लोकेटेड आंगनवाड़ी में होगा संचालित कार्यक्रम**

स्कूल रेडिनेस कार्यक्रम के लिए प्राप्त सामग्री का प्रभावी उपयोग करते हुए बच्चों के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य अनिल कुमार ने कहा कि अधिकारी प्रेरणा और उत्साहवर्धन करने का कार्य करते है, लेकिन वास्तविक कार्य कक्षाओं में शिक्षकों ही करते है। पूर्व प्राथमिक शिक्षा की नोडल एसआरजी तथा मास्टर ट्रेनर ममता शुक्ला ने प्रतिभागियों को पांच विकास के क्षेत्रों तथा आकलन टूल के बारे में बताया। मास्टर ट्रेनर अश्वनी कुमार अवस्थी ने नई शिक्षा नीति में पूर्व प्राथमिक शिक्षा के महत्व और भाषा और साक्षरता के विकास के लिए प्रयोग की जाने वाली युक्तियों के बारे में बताया। एसआरजी अरुण कुमार गुप्ता ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वयन करते हुए प्रतिभागियों को सामग्री के बेहतर उपयोग तथा सीखने के चार कोनों की चर्चा की। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला समन्वयक रोहित सिंह के अलावा शिवकिशोर मिश्रा, संजय मिश्रा, हरीश गंगवार, विमलेश त्रिपाठी, राकेश गुप्ता, छोटेलाल, प्रेमचंद वर्मा, अंबुज गुप्ता, रामकृष्ण वर्मा, बाल विकास विभाग से सर्वजीत कौर, कुसुम लता, आकांक्षा, चांदनी वर्मा, शुभि, सुमन पाठक, आरती तिवारी आदि उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस की तैयारियों ने पकड़ा जोर

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

कार्यक्रमों को लेकर आयोजित बैठक बात करतीं सीडीओ। ● अमृत विचार

अमृत विचारः मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अपराजिता सिंह की अध्यक्षता में विकसित उत्तर प्रदेश विकसित भारत थीम के अंतर्गत उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को लेकर विकास भवन में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिले में प्रस्तावित कार्यक्रमों की तैयारियों और व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में बताया गया कि उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस का मुख्य आयोजन 24 जनवरी को अटल बिहारी वाजपेयी प्रेक्षागृह में किया जाएगा। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के गौरवशाली इतिहास और जिले के समग्र विकास को प्रदर्शित करने के लिए डिस्ट्रिक्ट गैलरी का आयोजन होगा, जिसमें विकास कार्यों, उपलब्धियों और नवाचारों

● **24 जनवरी को होगा अटल बिहारी वाजपेयी प्रेक्षागृह में आयोजन**

● **लाभार्थी योजनाओं का पात्रों को लाभ दिलाने के दिए निर्देश**

को प्रदर्शित किया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी लाभार्थीपरक योजनाओं से जुड़े विभाग आयोजन में प्रतिभाग करते हुए अपने-अपने स्टाल लगाना सुनिश्चित करें। साथ ही स्टैंडी, बैनर और अन्य प्रचार सामग्री में जिले के विकास को दर्शाने वाले उच्च गुणवत्ता के चित्रों का प्रदर्शन किया जाए, ताकि आमजन में सकारात्मक संदेश पहुंचे। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती, 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश दिवस, 25 जनवरी को राष्ट्रीय पर्यटन दिवस और मतदाता जागरूकता दिवस तथा 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह जिले में भव्यता के साथ आयोजित किए जाएंगे।

एनसीसी कैडेट्स का नेवी व अर्धसैनिक बल में चयन

कैडेट्स को मिठाई खिलाते इस्लामिया इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य। ● अमृत विचार

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : इस्लामिया इंटर कॉलेज के दो एनसीसी कैडेट्स का चयन अर्द्धसैनिक बल एवं भारतीय नौसेना में हुआ है। 25 उप्र बटालियन एनसीसी, शाहजहांपुर से प्रशिक्षित कैडेट नसीम शेख का चयन सीआरपीएफ में तथा सुनील गुर्जर का चयन भारतीय नौसेना में हुआ है। कॉलेज के प्रधानाचार्य लेफ्टिनेंट मोहम्मद अयूब ने बताया कि कॉलेज के दो एनसीसी कैडेट्स का चयन अर्द्धसैनिक बल एवं भारतीय नौसेना होना हमारे लिए गर्व की बात है। हमारे संस्थान के कैडेट देश की सेवा में अग्रसर हुए हैं। चयनित कैडेट्स को कॉलेज में प्रधानाचार्य ने मिठाई खिलाकर बधाई व शुभकामनाएं दीं।

अभियान में मामलों का निस्तारण कराएं

बैठक में न्यायिक अधिकारियों को संबोधित करते जिला जज विष्णु कुमार शर्मा। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : जनपद न्यायाधीश विष्णु कुमार शर्मा की अध्यक्षता में उनके विश्राम कक्ष में बैठक हुई। जिसमें जिला जज ने समस्त न्यायिक अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने न्यायालयों में लंबित मामलों को अधिक से अधिक संख्या में मीडिएशन सेंटर के लिए संदर्भित करना सुनिश्चित करें।

● **बैठक में न्यायिक अधिकारियों को दिए निर्देश**

ताकि अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण सुलह समझौता के आधार पर किया जा सके। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा मीडिएशन एवं कंसीलियेशन प्रोजेक्ट कमेटी सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में 01 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 2.0 चलाये जाने के लिए निर्देशित किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य मध्यस्थता के माध्यम से न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का अधिकाधिक संख्या में निस्तारण किया जाना है। बैठक में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ओमप्रकाश मिश्र व सभी न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे।

आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं को दिया प्रशिक्षण

कलान, अमृत विचारः ब्लॉक के डबाकारा भवन में मंगलवार को डब्लू एच ओ और स्वास्थ्य विभाग की ओर से फाइलेरिया जैसे अभिशाप को समाप्त करने के उद्देश्य से आंगनवाड़ी, आशा और संगिनियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विभागीय अधिकारियों ने फाइलेरिया रोग की रोकथाम और दवा सेवन के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी।

प्रशिक्षण में बताया गया कि यदि कोई व्यक्ति फाइलेरिया की दवा नहीं लेता है तो उसे इस रोग से होने वाले लक्षणों की जानकारी होना जरूरी है, ताकि वह बीमारी की गंभीरता को समझ सके और समय से दवा का सेवन करे। अधिकारियों ने कहा कि नियमित और समयबद्ध दवा सेवन से इस गंभीर रोग पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है।

सुखचैनपुर गांव में दिखा अजगर, मचा हड़कंप

संवाददाता, खुटार

अमृत विचारः क्षेत्र के गांव सुखचैनपुर में मंगलवार दोपहर के समय गांव के समीप संजय गिरी के बाग में खड़ी बांसी में अजगर सांप झूलता हुआ बच्चों को दिखाई दिया। जिस पर बाग में खेल रहे बच्चे चीख पुकार मचाते हुए गांव में पहुंचे। जहां पर दर्जनों की संख्या में एकत्र होकर ग्रामीण बाग के अंदर पहुंचे। जहां पर देखा कि बाग में खड़ी बांसी के ऊपर अजगर सांप झूल रहा था। गांव से लगे बाग में अजगर सांप की दहशत से गांव में हो हल्ला मचने लगा। जिस पर ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलने पर वन दरोगा रोहित पांडे अपने वन कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। जहां पर ग्रामीण व वन विभाग की टीम ने करीब 2 घंटे रेस्क्यू करने के बाद वन दरोगा रोहित पांडे ने अजगर सांप को पकड़ लिया। अजगर

● **दो घंटे रेस्क्यू के बाद अजगर को पकड़ा, फतेहपुर बीट के जंगल में छोड़ा, लोगों ने राहत की सांस**

सांप को पकड़ने के बाद वन दरोगा ने उसे एक बोरे में बंद कर खुटार वन क्षेत्र के फतेहपुर बीट के जंगल में छोड़ दिया। वन दरोगा रोहित पांडे ने बताया कि पकड़े गए अजगर सांप का वजन लगभग 35 से 40 किलोग्राम था। जिसे रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ दिया गया है। उधर अजगर सांप के पकड़े जाने पर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। अजगर सांप पकड़ने वाली वन विभाग की टीम में वन दरोगा के साथ दाताराम, सुभाष, कामता, सहदेव मौजूद रहे। रेंजर मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि सुखचैनपुर में अजगर सांप होने की सूचना मिली थी। वन विभाग की टीम को मौके जाकर अजगर सांप को पकड़ लिया गया है और जंगल में छुड़वा दिया गया है।

रस्म अदायगी भर रह गया जन सुनवाई कार्यक्रम

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

समस्याएं सुनते नगर आयुक्त डॉ बिपिन कुमार मिश्र व अन्य अधिकारी।

अमृत विचार : नगर निगम कार्यालय में सम्भव के अन्तर्गत नगर आयुक्त डॉ बिपिन कुमार मिश्र की अध्यक्षता में प्रत्येक मंगलवार को होने वाला जन सुनवाई कार्यक्रम रस्म अदायगी बनकर रह गया है। जन सुनवाई दिवस में साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल की आपूर्ति, प्रकाश बिन्दु, नाली निर्माण एवं कर विभाग से सम्बन्धित समस्याएं एवं शिकायतें तो सुनी जाती हैं, मगर निस्तारण को लेकर अधिकारी गंभीर नहीं दिखाई देते हैं। मंगलवार को जनसुनवाई दिवस में 4 शिकायतें प्राप्त होने और मौके पर ही 2 समस्याओं के निस्तारण का दावा किया गया। मगर अधिकारी यह नहीं बताते कि समस्याएं क्या थीं। कौन सी समस्याएं हल की गईं। जो समस्याएं पिछले सप्ताह निस्तारण से रह गई थीं, उनका क्या रहा। महानगर में कई स्थानों पर लीकेज के कारण सड़क पर पानी बहने, नाली टूटी होने, खंभों पर लाइट खराब होने जैसी गंभीर समस्याएं बनी हुई हैं। कई बार शिकायत के बाद भी इनका निस्तारण अब तक नहीं हुआ है। हालांकि जन सुनवाई दिवस में अपर

● **समाधान दिवस में आने वाली शिकायतों पर विचार नहीं करते नगर निगम के अधिकारी**

● **शिकायत मिलने के कई दिनों तक जस की तस बनी रहतीं हैं समस्याएं, लोग होते हैं परेशान**

नगर आयुक्त एसके सिंह, अपर नगर आयुक्त अजय कुमार त्रिपाठी, संयुक्त नगर आयुक्त संगीता कुमारी, सहायक नगर आयुक्त राजकुमार गुप्ता, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक जल विजय नारायण मौर्य, मुख्य अभियंता सिविल आशीष त्रिवेदी आदि अधिकारियों की टीम मौजूद रहती है।

क्राउन वॉरियर ने मांडले आर्मी को 61 रन से हराया

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जीएफ कॉलेज मैदान पर चल रहे सूरज कांति मेमोरियल क्रिकेट लीग में मंगलवार को खेले गए मैच में क्राउन वारियर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 30 ओवरों में पांच विकेट खोकर 239 रन बनाए। इरफान खान ने 110 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए माडले आर्मी की टीम 178 रन बनाकर आउट हो गई। क्राउन वारियर की ओर से विपिन और सुमित ने दो-दो विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच इरफान रहे। मैच के अंपायर अभय सिंह गुर्जर तथा फरीद खान रहे। स्कोरिंग सनी ने की तथा कमेंटेटर पंकज तिवारी रहे।

निर्माणाधीन अन्नपूर्णा भवन को लेकर विवाद

संवाददाता, सिंधौली

अमृत विचार : विकासखण्ड की ग्राम पंचायत मूड़ा हारिस में निर्माणाधीन अन्नपूर्णा भवन को लेकर विवाद सामने आया है। दर्जनों ग्रामीणों ने भवन का निर्माण विवादित भूमि पर कराए जाने का आरोप लगाते हुए खंड विकास अधिकारी को पत्र सौंपकर कार्रवाई की मांग की है।

बीडीओ कार्यालय पहुंचे धर्मवीर, अवधेश कुमार, सुखपाल, शिवकुमार, संतोष त्रिवेदी सहित अन्य ग्रामीणों ने दिए गए पत्र में बताया कि जिस भूमि पर अन्नपूर्णा भवन का निर्माण कराया जा रहा है, उस पर

● **विवादित भूमि पर निर्माण का आरोप, कार्रवाई की मांग**

पहले से स्वामित्व को लेकर विवाद चल रहा है। आरोप लगाया गया कि संबंधित विभाग ने बिना समुचित जांच पड़ताल और विवाद के निस्तारण के ही निर्माण कार्य शुरू करा दिया। ग्रामीणों ने बताया कि मंगलवार सुबह डायल 112 पर सूचना देकर निर्माण कार्य बंद कराने की मांग की गई। इसके बाद ग्रामीण ब्लॉक कार्यालय पहुंचे और बीडीओ से मांग की कि जब तक भूमि संबंधी विवाद का निस्तारण न हो जाए, तब तक निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाई जाए।

चुनाव में अब मतदान की तैयारी

तिलहर, अमृत विचारः बार एसोसिएशन के चुनाव में अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, महासचिव और कोषाध्यक्ष पद के लिए 24 जनवरी को मतदान होगा। अधिवक्ताओं में हलचल तेज हो गई है। महासचिव राजीव सिंह चौहान ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए जितेंद्र प्रताप सिंह और राजेश्वर सिंह के बीच मुकाबला तय हो गया है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए अरुण कुमार सिंह और उदय प्रताप सिंह मैदान में हैं। महासचिव पद के लिए राहुल देव सागर, धर्मेंद्र पाल सिंह, महेंद्र कनौजिया, श्याम पाल राठौर और ज्ञानेंद्र प्रकाश शर्मा चुनाव लड़ेंगे। कोषाध्यक्ष पद के लिए महेश कुमार, शिवकुमार सिंह और विनीश कुमार के बीच मुकाबला होगा।

न्यूज ब्रीफ

बुजुर्ग से मारपीट के मामले में रिपोर्ट दर्ज

सिंधौली, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव बवरा निवासी सद्दाम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 14 जनवरी को उसके बुजुर्ग पिता मेहंदी हसन घर के सामने बैठे थे। तभी गांव के किशन पाल और विजय उर्फ चिंटू वहां पहुंचे और गालियां देने लगे। विरोध करने पर दोनों ने लात-घूंसों से मारपीट की। आरोप है कि आरोपी लाइसेंसी बंदूक निकालकर जान से मारने की धमकी देने लगे, जिससे बुजुर्ग किसी तरह जान बचाकर भागे। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

शोरूम के बरामदे से मिले शव की शिनाख्त

तिलहर, अमृत विचार : नेशनल हाईवे के सर्विस रोड पर स्थित होंडा शोरूम के बरामदे से मिले अज्ञात शव की शिनाख्त हो गई है। सोमवार को करीब 35 वर्षीय युवक का शव बरामद हुआ था। मृतक की शिनाख्त रजनीश मिश्रा पुत्र स्वर्गीय चंद्रप्रकाश मिश्रा निवासी नई बस्ती हाल निवासी लोधीपुर शाहजहांपुर के रूप में हुई। कोतवाली प्रभारी जुगल किशोर पाल ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

स्कूटी को ट्रैक्टर-ट्रॉली ने मारी टक्कर

तिलहर, अमृत विचार : विद्यालय से छुट्टी के बाद घर लौट रहे प्रधानाध्यापक की स्कूटी को तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने टक्कर मार दी। पंजाबी कॉलोनी निवासी और गांव नौगाईं स्थित सरकारी विद्यालय के प्रधानाचार्य जितेंद्र गंगवार मंगलवार को स्कूटी से लौट रहे थे। गांव हरभानपुर मोड़ पर ट्रैक्टर ट्रॉली ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। चालक ट्रैक्टर ट्रॉली लेकर फरार हो गया।

तिलहर में आज छह घंटे बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

तिलहर, अमृत विचार : विद्युत उपखंड अधिकारी कैलाश यादव ने बताया कि 33/11 केवी विद्युत वितरण उपकेंद्र तिलहर टाउन के अंतर्गत 21 जनवरी बुधवार को पैनलों की टेस्टिंग का कार्य किया जाएगा। इसके चलते सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि यह कार्य बेहतर आपूर्ति के लिए किया जा रहा है और असुविधा के लिए विभाग खेद व्यक्त करता है।

निर्विरोध निर्वाचन के बाद समर्थकों से घिरे अश्वनी प्रताप सिंह। ● अमृत विचार

बंडा में नामांकन न होने पर धरने पर बैठे समर्थक और किसान यूनियन के कार्यकर्ता।

समर्थकों के साथ प्रत्याशी सत्यपाल सिंह चौहान। ● अमृत विचार

भूमि विकास बैंक चुनाव: भाजपा प्रत्याशी निर्विरोध, लगे आरोप

जैतीपुर में निर्दलीय प्रत्याशी ने पर्चा फाड़ने और जाति सूचक गालियां देने का लगाया आरोप, बंडा में नहीं पहुंचे अधिकारी, प्रत्याशी व समर्थकों ने दिया धरना

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष पद के चुनाव में भाजपा को जीत भले ही हासिल हो गई हो, लेकिन जीत पर आरोप प्रत्यारोप लगने लगे हैं। बंडा में अधिकारियों पर मिली भगत के चलते नामांकन कराने के लिए न पहुंचने का आरोप लगा है। अधिकारियों के न पहुंचने पर जमकर नारेबाजी की गई। वहीं किसान यूनियन के लोग धरने पर बैठ गए। करीब साढ़े तीन बजे तक इंतजार किया, लेकिन कोई अधिकारी नामांकन कराने नहीं पहुंचा। लोगों का कहना है कि सत्ता के दबाव में अधिकारी भी दुबक कर बैठ गए। वहीं जैतीपुर में निर्दलीय प्रत्याशी सूरजपाल ने भाजपा प्रत्याशी अश्वनी कुमार सिंह के समर्थकों पर पर्चा फाड़ने और जाति सूचक गालियां देने का आरोप लगाया है।

भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष पद के लिए नामांकन करने विपक्षी टीम के प्रत्याशी रिशु कुमार सिंह भारी संख्या में समर्थकों के साथ ब्लॉक सभागार पहुंचे, लेकिन निर्वाचन अधिकारी मौके पर नहीं मिले। रिशु सिंह के समर्थक इंतजार करते रहे, लेकिन निर्वाचन अधिकारी नहीं पहुंचे। उन्होंने किसी का फोन भी नहीं उठाया। ऐसे में बिना लड़े ही रिशु सिंह चुनाव से वंचित हो गए। इस दौरान समर्थकों ने सरकार और प्रशासन के प्रति नाराजगी जाहिर की। भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष पद के लिए 27 जनवरी को चुनाव निर्धारित है, जबकि मंगलवार को नामांकन होना था। नामांकन के लिए विपक्षी टीम के प्रत्याशी रिशु कुमार सिंह, शिवसरन सिंह, सूर्यपाल सिंह और महीप सिंह सैकड़ों समर्थकों के साथ करीब 11 बजे ब्लॉक परिसर पहुंचे। निर्वाचन अधिकारी के न आने पर समर्थकों ने दरी बिछाकर धरना शुरू कर दिया। मौके पर भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक गुट के कार्यकर्ता भी पहुंच गए और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। स्थिति को देखते हुए थाना प्रभारी प्रदीप कुमार राय ने पुवायां और बंडा थाने का पुलिस बल मौके पर तैनात कराया। विपक्षी टीम शाम करीब 3:30 बजे तक निर्वाचन अधिकारी के आने का इंतजार करती रही, लेकिन न तो फोन उठाया गया और न ही अधिकारी पहुंचे। अंततः विपक्षी प्रत्याशी मायूस होकर वापस लौट आए।

श्याम बाबू दीक्षित का स्वागत करते समर्थक। ● अमृत विचार

निर्विरोध निर्वाचन के बाद समर्थकों के साथ विनोद गुप्ता। ● अमृत विचार

समर्थकों से घिरे हेतराम गंगवार।

- बंडा में नहीं पहुंचे अधिकारी, कई घंटे नामांकन दाखिल करने का इंतजार करते रहे प्रत्याशी
- जैतीपुर में भाजपा समर्थित प्रत्याशी अश्वनी कुमार पर लगाया पर्चा फाड़ने का आरोप

अश्वनी प्रताप सिंह निर्विरोध निर्वाचित सूरजपाल ने लगाया पर्चा फाड़ने का आरोप

जैतीपुर भूमि विकास बैंक से अश्वनी प्रताप सिंह निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित हो गए हैं। लेकिन उनकी जीत पर निर्दलीय प्रत्याशी सूरजपाल ने प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। सूरजपाल ने बताया कि वह पर्चा दाखिल करने के लिए पहुंचे थे, लेकिन अश्वनी प्रताप सिंह के समर्थकों ने पर्चा छीन लिया और उनके साथ गाली गलौज किया। इसके बाद पर्चा फाड़ दिया गया। आरोप है कि इस दौरान इंस्पेक्टर जैतीपुर प्रिंस शर्मा ऐसे खड़े रहे जैसे भाजपा समर्थक हों। वहीं निर्वाचन की घोषणा होते ही मौके पर पहुंचे विधायक डॉ. वीर विक्रम सिंह प्रिंस सहित सैकड़ों समर्थकों ने विजयी प्रत्याशी को फूल-मालाएं पहनाकर स्वागत किया और बधाई दी। मरेना निवासी अश्वनी प्रताप सिंह पूर्व ब्लॉक प्रमुख राजकुमार सिंह के पुत्र हैं। निर्विरोध निर्वाचन के बाद समर्थकों ने उनके नेतृत्व पर भरोसा जताया। इस अवसर पर जगवीर सिंह चौहान, प्रमोद सिंह चौहान, सगीर खान, शैलेंद्र सिंह शीलू, संजीव मिश्रा, लालू प्रसाद, विजेंद्र सिंह, सादेश सिंह, जसवीर सिंह, बलराम सिंह सहित बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहे।

कौन कहां से निर्विरोध निर्वाचित

भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष पद कि लिए कलान से भाजपा के विनोद कुमार गुप्ता निर्विरोध निर्वाचित हुए। उनकी जीत पर समर्थकों ने जमकर नारेबाजी की। इस दौरान भाजपा नेता विनय शर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता संजीव गुप्ता, पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय सिंह, जिला महामंत्री अनिल गुप्ता, मंडल अध्यक्ष मिर्जापुर दिनेश मिश्रा, अनिल गुप्ता उर्फ कल्लू, नगर पंचायत अध्यक्ष हरि नारायण गुप्ता, पूर्व ब्लॉक प्रमुख गेंदन लाल गुप्ता सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। पूरी निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। वहीं सिंधौली से भाजपा समर्थित प्रत्याशी सत्यपाल सिंह चौहान निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। निर्विरोध निर्वाचित होने पर भाजपा जिलाध्यक्ष केसी मिश्र, मुनेश्वर सिंह और गन्ना समिति चेयरमैन महेन्द्र पाल जिला पंचायत सदस्य सुरेन्द्र पाल, मंडल अध्यक्ष सतेन्द्र सक्सेना, अशोक गुप्ता, अवनीश प्रताप सिंह, मनीष गुप्ता, जगदीश चौहान, सुदेश चौहान जमकर खुशी मनाई। उधर रौसर कोठी भूमि विकास बैंक से भाजपा समर्थित प्रत्याशी श्याम बाबू दीक्षित निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। उनकी जीत पर महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता, केंद्रीय उपभोक्ता भंडार अध्यक्ष मुकेश राठौर, ददरौल विधायक अरविंद सिंह, विमल सिंह, पूर्व महानगर अध्यक्ष अरुण गुप्ता, ब्लॉक प्रमुख राजाराम, पार्षद डीवाईएस चौहान, अजित सिंह, सर्वेश मिश्रा, करुणाकांत, रामबहादुर शर्मा, जयवीर सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने शुभकामाएं दीं। तिलहर से भाजपा प्रत्याशी होतराम गंगवार निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। उनकी जीत पर देवेंद्र गुप्ता एडवोकेट, सुशील बाबू गुप्ता बबलू, अरुण यादव चैनू, संजय पाठक, रोहित साहू, आशीष शर्मा, राजकुमार सिंह, अनिरुद्ध यादव, ऋषि द्विवेदी, बलदेव सिंह सहित अन्य ने खुशी जताई। पुवायां से भाजपा जिला उपाध्यक्ष (पिछड़ा वर्ग मोर्चा) सर्वेश कुमार शर्मा निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। उनकी निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित होने पर भाजपा जिला महामंत्री और सहकारी गन्ना विकास समिति के अध्यक्ष महेन्द्र पाल कोरी, पूर्व विधायक शकुंतला देवी, भाजपा ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष सिद्धार्थ कश्यप, सहकारी चीनी मिल पुवायां के अध्यक्ष देवेंद्र अवस्थी, भाजपा मंडल अध्यक्ष क्रमशः राजेश राजपूत, अमिताभ सिंह, महेश शर्मा, जयप्रकाश पांडेय, सहित तमाम भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई है। उधर खुटार भूमि विकास बैंक से भाजपा समर्थित प्रत्याशी तरूण दीक्षित दूसरी बार निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। उनकी जीत पर भाजपा मंडल अध्यक्ष खुटार इंद्र देव पटेल, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय शंकर अवस्थी सोनू आदि ने खुशी जताई है।

रोजा में बहू को पेट्रोल डालकर जलाने का प्रयास

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- आठ माह के बच्चे को घर के बाहर फेंक दिया, पति समेत आठ पर रिपोर्ट

अमृत विचारः ससुराल वालों ने दहेज की मांग को लेकर बहु को पेट्रोल डालकर जलाने का प्रयास किया। उसके आठ माह के बेटे को घर के बाहर फेंक दिया। ससुराल वालों ने उसे धमकी दी कि दोबारा आई तो जान से मार डालेंगे। पुलिस पति समेत आठ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

रोजा थाना क्षेत्र के गांव वाजिदपुर निवासी जैनव ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि उसकी शादी मोबीन निवासी ऊनकला थाना निगोही के साथ हुई थी। उसके माता-पिता ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार दहेज दिया था। ससुराल वाले दहेज से संतुष्ट नहीं थे। ससुराल वाले कम दहेज को लेकर उसे प्रताड़ित करने लगे। ससुराल वालों ने उससे कहा कि मायके से बुलेट मोटर साइकिल मायके से मंगाकर दो। पीड़िता ने कहा कि मायके वाले बुलेट मोटरसाइकिल नहीं दे पाएगे। इस बात से ससुराल वाले जैनव को प्रताड़ित करने लगे। आरोप है कि ससुराल वाले आए दिन उसे मारा पीटा करते थे और खाना नहीं देते थे। उसका एक आठ माह का पुत्र है। पीड़िता लोक लज्जा को लेकर अत्याचार सहन करती रही। आरोप है कि तीन माह पूर्व ससुराल वालों उसके ससुर की बाइक से पेट्रोल निकालकर उसके ऊपर डाल दिया और जलाने का प्रयास किया। पीड़िता ने शोर मचाया तो पड़ोसी लोग आ गए और उसको बचाया। आरोप है कि उसके आठ माह के बेटे को घर से बाहर फेंक दिया और पीड़िता को घर से निकाल दिया। वह मायके में रह रही है। ससुराल वालों ने धमकी दी थी कि दोबारा घर पर आ गयी तो जिंदा जला दूंगा। रोजा प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर पति मोबीन समेत आठ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है।

बोले इंस्पेक्टर, फौरन आ जाओ नहीं तो गोली मार दूंगा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे दो ऑडियो, पुलिस अधिकारियों के संज्ञान में नहीं मामला
- एसपी बोले शिकायत मिलने पर होगी जांच, बरेली में भी इंस्पेक्टर के थे बिगड़े बोल

अमृत विचार : चौक कोतवाली में तैनात इंस्पेक्टर अश्वनी कुमार सिंह पुलिस कर्मियों से गाली गलौज करने के मामले में विवादित रह चुके हैं। इस बार उन्होंने कोतवाली में तैनात दो सिपाहियों से गाली गलौज किया है। बोले कहां रह गया है, एक मिनट में यहां आ जा अभी वरना पीआरवी भेज दूंगा, मोहल्ले में ड्रामा करवाऊं अभी, दोनो सिपाही एक मिनट में आ जाओ वरना गोली मार दूंगा आकर। सिपाही बोला सर आ रहा हूं। चौक कोतवाली के दो ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। हालांकि अधिकारियों ने इस ऑडियो की जानकारी होने से मना किया है।

चौक कोतवाली के दो ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे है। इन आडियो में एक इस्पेक्टर दो सिपाहियों से अभद्र भाषा में बात करते सुनायी दे रहा है। एक आडियो में इंस्पेक्टर सिपाही को गोली मारने की धमकी भी दे रहा है। बताते है कि अजीजगंज पुलिस चौकी के दो सिपाही पिछले कुछ समय से अवैध वसूली के आरोप लग रहे थे। लोग सोशल मीडिया पर लगातार नाराजगी जता रहे थे। चौक कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार सिंह के पास अजीजगंज के दोनों सिपाहियों की शिकायत पहुंची थी। प्रभारी निरीक्षक ने दोनों सिपाहियों को फोन करके थाना पर बुलाया था। दोनों सिपाही समय से थाना पर नहीं पहुंचे। इस बात से निरीक्षक नाराज हो गए और दोनों सिपाहियों के प्रति भड़क गए। निरीक्षक का सिपाहियों से बातचीत का आडियों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पहला आडियो 48 सेकेंड का है, जिसमें निरीक्षक बोल रहे है कि क्या रह गया वे, सिपाही कहता है बेटा रो-रहा है।

इंस्पेक्टर कह रहे है कि एक मिनट में यहां आ जाओ अभी, वरना गाड़ी घर पर ले जाकर खड़ी कर दूंगा, समझा कि नहीं समझा। सिपाही कहता है कि सर, बेटा रो रहा है, क्या करें, निरीक्षक ने कहा कि एक मिनट में यहां आ जा, वरना पीआरवी भेज कर ड्रामा करवाऊं, दोनों सिपाही एक मिनट में यहां आ जाओ। दूसरे ऑडियो में सिपाही कह रहा है कि सर जय हिन्द, निरीक्षक कह रहे है कि कहां रह गए हो, सिपाही बोला सर, फ्रेश हो रहा था। निरीक्षक ने अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए कहा कि यहां आ जा वरना आकर गोली मार दूं आकर। सिपाही बोला आ रहा हुआ सर। दोनों ऑडियो सोशल मीडिया पर जमकर धमाल मचा रहे हैं। लोग पुलिस पर चुटकियां ले रहे हैं।

> सिपाही गौरव और संजीव के खिलाफ अवैध वसूली की शिकायत बराबर मिल रही थी। इसी शिकायत के संबंध में दोनों सिपाहियों को थाना पर बुलाया गया था। दोनों सिपाही थाना पर नहीं आ रहे थे। आडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने की उनकों कोई जानकारी नहीं है।
> –**अश्वनी कुमार सिंह**, प्रभारी निरीक्षक चौक कोतवाली

> इस मामले में कोई लिखित शिकायत नहीं आई है, न ही आडियो वायरल होने की जानकारी है। यदि कोई लिखित शिकायत आती है तो पूरे प्रकरण की जांच करायी जाएगी।
> –**राजेश द्विवेदी** एसपी

बरेली में भी विवादित रह चुके हैं इंस्पेक्टर

बरेली के बिथरी चैनपुर थाने में तैनात रह चुके इंस्पेक्टर अश्वनी कुमार का एक ऑडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था। उसमें वह थाने के सिपाही को धमकी दे रहे हैं। कहते हैं, "कहां है तू, तेरा दिमाग खराब हो गया है, अभी तो तेरा हल्का बदला है, एक रिपोर्ट में तेरा जिला बदलवा दूंगा। उस वक्त भी इंस्पेक्टर अश्वनी कुमार की चर्चा हुई थी। तत्कालीन एसएसपी प्रभाकर चौधरी ने उन्हें उस वक्त जमकर लताड़ लगाई थी। तब इंस्पेक्टर ने अपनी गलती मानी थी।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती करके ब्लैकमेल करने का आरोप

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- आरोप प्राइवेट पिक्चर डालने की धमकी, गुजरात का रहने वाला है आरोपी, जांच शुरू

अमृत विचारः अहमदाबाद के एक युवक ने महिला से इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर ली है। आरोपी ने पीड़िता के प्राइवेट पिक्चर वीडियो का स्क्रीनशॉट बना लिया। कुछ दिन बाद आरोपी सोशल मीडिया पर पिक्चर वायरल करने की धमकी देता हुआ ब्लैकमेल करने लगा। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र के एक कालोनी की महिला ने बताया कि मार्च 2025 में उसके इंस्ट्राग्राम अकाउंट पर एक फ्रेंड रिक्वेस्ट आयी और महिला ने एक्सेप्ट कर लिया था। आरोपी उससे दोस्त की तरह बाते करने लगी। कुछ दिन बात करने के बाद एक-दूसरे को मोबाइल नंबरों का आदान-प्रदान हो गया। दोनों लोगों को व्हाटसएप से वीडियो काल के माध्यम से बातचीत होने लगी। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने उसका प्राइवेट पिक्चर वीडियो का स्क्रीनशॉट लेकर अपने पास रख लिया। आरोपी उसके पति और पीड़िता को ब्लैकमेल करने लगा। पीड़िता ने हस्तक्षेप के बाद मोबाइल आईडी को बंद कर दिया। कुछ दिन तक मामला शांत रहा। 14 जनवरी को पीड़िता के रिश्तेदार के मोबाइल नंबर पर उसकी कुछ प्राइवेट पिक्चर भेजकर कहा कि पीड़िता से मोबाइल पर बात कराओ।

आरोपी ने धमकी दी कि उससे बात नहीं करायी तो उसकी सारी पिक्चर सोशल मीडिया पर वायरल कर दूंगा। आरोपी पीड़िता के मोबाइल पर व्हाटसएप काल करता है। पीड़िता और उसका परिवार डरा हुआ महसूस कर रहा है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि आरोपी भावीन परमार निवासी अहमदाबाद के खिलाफ विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सड़क सुरक्षा को और प्रभावी बनाया जाए

शाहजहांपुर, अमृत विचार : एएसपी सिटी देवेंद्र कुमार ने सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए समीक्षा बैठक ली। 1 जनवरी से 18 जनवरी तक सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा की। जिले में चिहिंत ब्लैक स्पाट्स, संवदेशन शील मार्गों और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए चर्चा की गई। एएसपी सिटी ने सभी थाना प्रभारी और सीसीटी टीम के सदस्यों को निर्देशित किया है कि सड़क सुरक्षा के प्रति चल रहे प्रयासों और अधिक प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने कहा कि ब्लैक स्पाट्स पर संकेत बोर्ड और वाहनों में रिफेल्क्टर और प्रकाश व्यवस्था सुचारु रुप से होनी चाहिए। बैठक में सीओ ट्रैफिक, ट्रैफिक निरीक्षक, थाना प्रभारी आदि स्टाफ मौजूद रहा।

अवसादग्रस्त युवक ने फंदे पर लटक कर दी जान

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- मां के साथ रहता था भोलेनाथ कई दिनों से अवसाद में था

अमृत विचारः देवरास गांव में एक युवक ने कमरे में पंखे के कुंडे से रस्सी का फंदा गले में डालकर आत्महत्या कर ली। परिवालों ने रात ही में उसका शव कमरे में लटका हुआ देख लिया। मृतक अवसाद में था। पुलिस ने मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतार कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

रोजा थाना क्षेत्र के गांव देवरास निवासी 30 वर्षीय भोलेनाथ शुक्ला ने खाना खाया और एक कमरे में सोने के लिए चला गया। उसने मकान के कुंडे में रस्सी का फंदा गले में डालकर आत्महत्या कर ली। परिवार वालों ने रात 10.30 बजे उसका शव फंदे से लटका हुआ देखा।

सूचना पहुंचे प्रभारी निरीक्षक ने शव को नीचे उतारा। परिवार वालों ने बताया कि उसकी शादी नहीं हुई थी। इस दौरान पुलिस लाइन से फोरेसिंक टीम पर पहुंची और जांच करके नमूना लिया। वह मानसिक अवसाद में था। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि इस संबंध में कोई तहरीर नहीं आयी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बिना जांच ऑपरेशन के बाद महिला की मौत का आरोप

जैतीपुर, अमृत विचारः तिलहर थाना क्षेत्र के हरनोखा निवासी मंजू ने शिकायत में बताया कि नवंबर माह में उसकी मां ब्रजरानी के पेट में दर्द होने पर कटरा के अल्ट्रासाउंड सेंटर से जांच कराई। रिपोर्ट देखने के बाद जैतीपुर के अस्पताल में डॉक्टरों ने पित्त की थैली में पथरी बताकर 9 तारीख को ऑपरेशन कर दिया। आरोप है कि ऑपरेशन के बाद संक्रमण फैल गया और बरेली के एक अस्पताल में भर्ती कराने पर पता चला कि पित्त की थैली में कैंसर है। आरोप है कि बिना जांच के ऑपरेशन किया गया। जिससे मंगलवार शाम को महिला की मौत हो गई। थाना प्रभारी प्रिंस शर्मा ने बताया कि तहरीर मिली है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

सनातन संस्कृति के संरक्षण को आयोजित होगा विशाल हिंदू सम्मेलन

संवाददाता, बंडा

- सुन्दरकाण्ड पाठ के साथ हिन्दू जागरण का संदेश
- 25 जनवरी को सुनासीर नाथ इंटर कॉलेज में होगा कार्यक्रम

अमृत विचारः सनातन संस्कृति के संरक्षण और समाज में एकता का संदेश देने के उद्देश्य से बंडा नगर में 25 जनवरी को विशाल हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन श्री बाला जी हिन्दू सम्मेलन समिति की ओर से सुनासीर नाथ इंटर कॉलेज के प्रांगण में किया जाएगा।

आयोजन समिति के पदाधिकारियों के अनुसार कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 11 बजे सुन्दरकाण्ड पाठ और हिन्दू जागरण के साथ होगी, जो दोपहर 2 बजे तक निरंतर चलेगा। सम्मेलन के मुख्य वक्ता अम्बिका प्रसाद, प्रांत संयोजक कुटुम्ब प्रबोधन बृज प्रांत होंगे। वे हिन्दू जागरण, सामाजिक समरसता और सनातन धर्म की रक्षा जैसे विषयों पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करेंगे।

कार्यक्रम में स्थानीय संत महात्माओं का सानिध्य और आशीर्वाद भी प्राप्त होगा। आयोजकों ने बताया कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य समाज को एकजुट करना और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का संदेश देना है। निमंत्रण पत्र के माध्यम से सभी सनातनी भाई बहनों से सपरिवार इस आयोजन में सम्मिलित होने की अपील की गई है। आयोजन समिति ने मम दीक्षा हिन्दू रक्षा, मम मंत्र समानता के संकल्प के साथ हिन्दू समाज के सभी वर्गों से इस पुनीत कार्य में सहभागी बनने का आह्वान किया है। कार्यक्रम में डॉ. महेश योगी, आदेश शुक्ला, सुधीर सिंह, सूरज श्रीवास्तव, राजनरायन अग्निहोत्री, केशव पांडेय, विनय और हर्षित सहित कई आयोजनकर्ता सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उन्होंने लोगों से कार्यक्रम में सहभाग करने की अपील की है।

महिला पर किया हमला, घायल

खुटार, अमृत विचारः क्षेत्र के गांव महुआ पिमई गांव निवासी लालाराम की पत्नी मीना देवी ने थाने में तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि विगत 13 जनवरी को वह दोपहर के समय खेत पर जा रही थी। जहां पर पहले से ही घात लगाए बैठे गांव के ही धर्मेंद्र व क्रांति ने उसे देखकर उसके साथ गाली गलौज करने लगे। जिस पर उसने गाली गलौज का विरोध किया। विरोध करने पर उसके साथ दोनों आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी। पत्नी के साथ मारपीट होती देख खेत पर मौजूद उसका पति लालाराम बचाने के लिए दौड़ा। जिस पर धर्मेंद्र क्रांति व छेद लाल ने मिलकर लालाराम को जमकर मारा पीटा। पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ दर्ज कर ली है।

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर
डा. मोहित गुप्ता
M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक
अब डॉ. मोहित गुप्ता रविवार को भी मिलेंगे प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक
सुविधायें
ब्रेन हैमरेज
स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर
मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन
Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

शिक्षक संगठनों का समायोजन के खिलाफ आंदोलन

खिरनी बाग रामलीला मैदान में शिक्षकों का क्रमिक अनशन जारी, कई दौर की वार्ता हुई विफल, मांग पूरी न होने तक होगा संघर्ष

- शिक्षकों ने की जमकर नारेबाजी कहा अन्याय के खिलाफ जारी रहेगा संघर्ष

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

रामलीला मैदान में अनशन पर बैठे शिक्षक। • अमृत विचार

बीएसए दिव्या गुप्ता से वार्ता करते शिक्षक नेता। • अमृत विचार

अमृत विचार : शिक्षक समायोजन में अनियमितताओं के विरोध में संयुक्त शिक्षक संघर्ष समिति द्वारा चलाया जा रहा आंदोलन तेज हो गया है। बीएसए कार्यालय पर सांकेतिक धरना प्रदर्शन के बाद बुधवार को जीआईसी खेल मैदान, खिरनीबाग में शिक्षकों ने प्रातःकाल से क्रमिक अनशन की शुरू कर दिया। अनशन में भावलखेड़ा, सिंधौली, कांट एवं जैतीपुर विकास खंडों सहित जनपद के विभिन्न ब्लॉकों से आए सैकड़ों शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सहभागिता की। शिक्षकों ने समायोजन प्रक्रिया में हुई अनियमितताओं को उजागर करते हुए जोरदार नारेबाजी की और प्रशासन के विरुद्ध प्रदर्शन किया। आंदोलनकारी शिक्षक पूरी रात अनशन स्थल पर अपनी मांगों को लेकर डटे रहे। इस दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दिव्या गुप्ता ने खंड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय सुरेन्द्र मौर्या एवं खंड शिक्षा अधिकारी नागेन्द्र सिंह को अनशन स्थल पर भेजकर आंदोलन समाप्त करने की अपील की, लेकिन शिक्षक नेता स्पष्ट रूप से पूरी समायोजन प्रक्रिया को निरस्त करने की मांग पर अड़े रहे। संयुक्त शिक्षक संघर्ष समिति ने चेतावनी दी कि यदि समायोजन निरस्त कर न्यायसंगत एवं पारदर्शी प्रक्रिया नहीं अपनाई गई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

बीएसए ने वार्ता के लिए आमंत्रित किया

इसके पश्चात बीएसए दिव्या गुप्ता ने शिक्षक प्रतिनिधिमंडल को बीएसए सभागार में वार्ता के लिए आमंत्रित किया। वार्ता के दौरान शिक्षक प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि जनपद में किया गया समायोजन न्यायालय के आदेशों, शासनादेशों एवं विभागीय निर्देशों की खुली अवहेलना करते हुए किया गया है। प्रतिनिधि मंडल ने मांग रखी कि संपूर्ण समायोजन आदेश निरस्त किया जाए तथा शासनादेशों के अनुपालन में खंड शिक्षा अधिकारी, शिक्षक संघ प्रतिनिधियों की सहभागिता से न्याय पंचायत स्तर से पारदर्शी ढंग से समायोजन प्रक्रिया पुनः प्रारंभ की जाए। इसके साथ ही वरिष्ठता सूची एवं विद्यालयों की सूची सार्वजनिक किए जाने की भी मांग की गई।

पूरी रात अनशन पर बैठे शिक्षक

रात्रि में अनशन पर बैठे शिक्षकों में विनीत कुमार गंगवार, अंकुर त्रिपाठी, श्रेयस चंद्र सक्सेना, हिमांशु दीक्षित, उपेन्द्र गुप्ता, सुनील सिंह, प्रदीप जायसवाल, कर्मवीर, धन सिंह, अनिरुद्ध शरण वर्मा, सरताज अली सहित अन्य शिक्षक शामिल रहे। इसके अतिरिक्त बड़ी संख्या में शिक्षक पूरी रात आंदोलन स्थल पर मौजूद रहकर समर्थन देते रहे। धरना प्रदर्शन में प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष मुनीश मिश्र जिला मंत्री देवेश बाजपेई, शैक्षिक महासंघ के जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा, जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष अनीस अहमद, कौमी उर्दू शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष मोहम्मद नफीस खां, उर्दू शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष परवेज आलम, रवीन्द्रपाल प्रजापति, नवेन्दु मिश्रा, अश्विनी अवस्थी, सचिन अवस्थी, शैक्षिक महासंघ के महामंत्री अंकुर त्रिपाठी, अवधेश कुमार मैथिल, श्रेयस सक्सेना, दीपेंद्र सिंह, अमित गुप्ता, उपेंद्र गुप्ता, देवेश शुक्ला, वीरपाल, रामदयाल तिवारी, यूटा से हरिशंकर, अवनीश कुमार सिंह, पृथ्वी राज, देवेंद्र कुमार, राघवेंद्र, मसरूफ, शिव सिंह, कौमी उर्दू शिक्षक संघ के इरफान महमूद, जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ से संदीप कुमार मिश्रा, प्रेमलता शुक्ला, गीता शुक्ला, सुषमा गुप्ता, प्रभाषनी शुक्ला, रेखा रस्तोगी, नेहा सक्सेना, अंबिका, कुसुम, नीलू शाहू, गुलशन जहां, शालिनी, शैली चौधरी आदि शामिल रहे।

गन्ना किस्मों की पहचान को विशेष प्रशिक्षण शुरू

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- बजाज हिन्दुस्थान चीनी मिल में गन्ना प्रजाति प्रशिक्षण का आयोजन

अमृत विचार : गन्ना आयुक्त लखनऊ के निर्देश पर मकसूदापुर स्थित बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड चीनी मिल की ओर से पुवायां समिति के ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक मनीष शुक्ला, सचिव विनोद कुमार यादव, यूनिट हेड भूपेन्द्र सिंह एवं विभागाध्यक्ष (गन्ना) सुग्रीव पाठक के नेतृत्व में गन्ना किस्मों की वैज्ञानिक पहचान को लेकर विशेष प्रशिक्षण अभियान शुरू किया गया।

चीनी मिल के सभागार में आयोजित प्रशिक्षण में ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक मनीष शुक्ला ने कहा कि गन्ना किसानों के भविष्य को सुरक्षित और समृद्ध बनाने की दिशा में ऐतिहासिक पहल की गई है। जिसका उद्देश्य गन्ना सर्वे, आपूर्ति और भुगतान प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी और किसान हितैषी बनाना है। विभागाध्यक्ष (गन्ना) सुग्रीव पाठक ने प्रशिक्षण दिया। यूनिट हेड भूपेन्द्र सिंह ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में क्षेत्र के प्रगतिशील कृषकों सहित चीनी मिल के अधिकारी और चीनी मिल एवं गन्ना विकास परिषद पुवायां के गन्ना पर्यवेक्षक शामिल हुए। सहायक महाप्रबंधक (गन्ना) सतीश कुमार सिंह ने आभार व्यक्त किया।

नो-मैपिंग मतदाताओं की सुनवाई के लिए दिया प्रशिक्षण

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के तहत 170 एआरओ और 81 स्थल तय

अमृत विचारः विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के अंतर्गत नो-मैपिंग मतदाताओं की सुनवाई को लेकर अटल बिहारी बाजपेयी ऑडिटोरियम में अधिकारियों का गहन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण की अध्यक्षता जिला निर्वाचन अधिकारी और जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की ओर से की गई, जिसमें सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और सुपरवाइजर्स शामिल हुए।

प्रशिक्षण में बताया गया कि विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के अंतर्गत उन मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए हैं, जिनकी मैपिंग वर्ष 2003 की मतदाता सूची से नहीं हो सकी है। इन नो-मैपिंग मतदाताओं की सुनवाई के लिए जिला की सभी छह विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 170 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इसके लिए 81 सुनवाई स्थल निर्धारित किए गए हैं। मंगलवार आयोजित प्रशिक्षण में उप जिलाधिकारी जलालाबाद प्रभात कुमार राय की ओर से पीपीटी के माध्यम से विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की अवधारणा, उद्देश्य और प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि नो-मैपिंग ऐसे मतदाता को माना गया है, जो न तो वर्ष 2003 की मतदाता सूची में दर्ज है और न ही उस सूची में दर्ज किसी मतदाता की संतान है। प्रशिक्षण में यह भी स्पष्ट किया गया कि वर्ष 2003 की मतदाता सूची अंतिम विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का आधार होने के कारण उसमें दर्ज मतदाता और उनकी संतानों को प्रमाणिक माना गया है, इसलिए उनकी जांच की आवश्यकता नहीं है। घोषणा के समर्थन में मतदाता की ओर से स्वयं, पिता और मां के स्व-प्रमाणित दस्तावेज प्रस्तुत किए जाएंगे, जिनमें पहचान पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, परिवार रजिस्टर की नकल, भूमि या आवास आवंटन प्रमाण पत्र सहित भारत निर्वाचन आयोग की ओर से निर्धारित अन्य वैध दस्तावेज शामिल हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि दस्तावेजों की संख्या मतदाता की जन्म तिथि के अनुसार तय की गई है। 30 जून 1987 तक जन्मे मतदाताओं को स्वयं का एक मान्य दस्तावेज, 01 जुलाई 1987 से 02 दिसंबर 2004 के बीच जन्मे मतदाताओं को स्वयं का एक दस्तावेज और माता-पिता में से किसी एक का एक दस्तावेज, जबकि 03 दिसंबर 2004 या उसके बाद जन्मे मतदाताओं को स्वयं का एक दस्तावेज और माता-पिता दोनों के दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा।

अदब के साथ की मुए मुबारक की जियारत

मीरानपुर कटरा, अमृत विचार : कस्बा मीरानपुर कटरा में कलीमी नगर स्थित खानकाह-ए-कलीमिया में 139 वां उर्स-ए-कलीमी के चौथे दिन मुए मुबारक की जियारत कराई। मंगलवार को सुबह कुरआन ख्वानी व फातिहा ख्वानी की नूरानी महफ़िल हुई। इस दौरान सज्जादानशीन सैय्यद आदिल महमूद कलीमी चिश्ती ने जायरीन को उर्स के अदब से वाकिफ कराया। इसके बाद सज्जादानशीन मुए मुबारक को लेकर जब समाखाना में दाखिल हुए तो अकीदतमंद व जायरीन रसूले अकरम पर दुरुदो सलाम का नजराना पेश करते हुए बड़े अदब के साथ मूए मुबारक की जियारत की। सैय्यद सरवर महमूद कलीमी उर्फ एहशाम मिया, ख़ानक़ाह ए आलिया क़ादरिया बदायूं शरीफ के सज्जादानशीन अल्लामा शेख अब्दुल ग़नी आदि रहे।

एसएस कॉलेज के शिक्षकों ने प्राप्त किया 'ए' प्लस ग्रेड

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

डॉ प्रांजल शाही।

शिशिर शुक्ला।

राजनंदन सिंह।

- कॉलेज प्रबंधन ने दी सभी शिक्षकों को बधाई

अमृत विचार : स्वामी शुकदेवानंद कॉलेज के तीन शिक्षकों ने दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करके इसमें ''ए'' प्लस ग्रेड हासिल किया है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से स्पॉन्सर्ड यह पाठ्यक्रम गोरखपुर विश्वविद्यालय के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र के द्वारा आयोजित किया गया था। पाठ्यक्रम में देश के लगभग 20 राज्यों से तकरीबन 260 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। कॉलेज के भौतिकी विभागाध्यक्ष शिशिर शुक्ला, राजनंदन सिंह राजपूत एवं शारीरिक शिक्षा विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ प्रांजल शाही ने पाठ्यक्रम को पूरा करके ''ए'' प्लस ग्रेड प्राप्त किया। तीनों प्रतिभागियों का कहना है कि इस पाठ्यक्रम के माध्यम से उन्हें भारतीय ज्ञान परंपरा एवं विभिन्न विषयों जैसे साहित्य, दर्शन, गणित, ज्योतिष, चित्रकला, विज्ञान आदि के साथ उसके अंतर्संबंधों का अध्ययन करने का एक सुनहरा अवसर मिला। सफलता पर मुमुक्षु शिक्षा संकुल के मुख्य अधिष्ठाता स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती, सचिव प्रो अवनीश मिश्र, प्राचार्य प्रो आरके आजाद, उपप्राचार्य प्रो अनुराग अग्रवाल, प्रो प्रभात शुक्ला, प्रो आदित्य कुमार सिंह, प्रो आलोक मिश्र, प्रो अजीत सिंह चारग, प्रो शालीन कुमार सिंह, प्रो कमलेश गौतम, डॉ आलोक कुमार सिंह ने शुभकामनाएं दी हैं।

माया देवी हत्याकांड का आरोपी पुत्र भी गिरफ्तार

तिलहर, अमृत विचारः कोतवाली पुलिस ने माया देवी हत्याकांड में फरार चल रहे आरोपी पुत्र को भी गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले पुलिस आरोपी पति को जेल भेज चुकी है। कोतवाली क्षेत्र के गांव जोधपुर नगरिया में बीती 16 जनवरी की देर शाम भैंस को रास्ते से निकालने के विवाद में माया देवी की डंडों से पीट-पीट कर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में मृतका के भाई महताब सिंह यादव ने माया देवी के पति महाराज सिंह यादव और पुत्र हरिसुमरन यादव के खिलाफ कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने 18 जनवरी को मुख्य आरोपी महाराज सिंह यादव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वहीं मंगलवार देर शाम कोतवाली पुलिस ने क्षेत्र के सरयू पुलिया के पास से हत्यारोपी पुत्र हरिसुमरन यादव को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

आधुनिक युग में बढ़ रहा हर्बल औषधियों का महत्व

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ फार्मेसी में अतिथि व्याख्यान के दौरान उपस्थित विद्यार्थी और शिक्षक। • अमृत विचार

- वरुण-अर्जुन कॉलेज ऑफ फार्मेसी में छात्रों को मिली व्यावसायिक दिशा
- हर्बल औषधियों में बढ़ती संभावनाओं पर डॉ. मोहम्मद आरिफ ने डाला प्रकाश

अमृत विचारः वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ फार्मेसी, बंथरा में विद्यार्थियों के शैक्षणिक और व्यावसायिक विकास को ध्यान में रखते हुए हर्बल ड्रग्स में उद्यमिता विषय पर विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में इंटीग्रल यूनिवर्सिटी लखनऊ से आए डॉ. मोहम्मद आरिफ मुख्य वक्ता रहे।

डॉ. मोहम्मद आरिफ ने अपने व्याख्यान में हर्बल औषधियों के बढ़ते महत्व, उनके औद्योगिक उपयोग और इस क्षेत्र में उपलब्ध उद्यमिता की संभावनाओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक और आयुर्वेदिक उत्पादों की बढ़ती मांग के चलते फार्मेसी विद्यार्थियों के लिए हर्बल ड्रग्स के क्षेत्र में स्वरोजगार और स्टार्टअप स्थापित करने के कई अवसर हैं। साथ ही गुणवत्ता नियंत्रण, मानकीकरण और सरकारी नियमों की जानकारी भी दी। व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों को नवाचार, अनुसंधान और व्यावसायिक सोच विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया। वक्ता ने कहा कि सही दिशा, तकनीकी ज्ञान और उद्यमी दृष्टिकोण अपनाकर फार्मेसी के छात्र हर्बल उद्योग में सफल करियर बना सकते हैं। कार्यक्रम को विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक बताया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. प्रदीप सिंह ने अतिथि वक्ता का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे शैक्षणिक आयोजन विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान और करियर की नई दिशा प्रदान करते हैं। इस अवसर पर डॉ. मानसी अग्रवाल, मो. जुनेद, राजेन्द्र गुप्ता, प्रिया उपाध्याय, निशा राजपूत, आयुषी सक्सेना, आकांक्षा राठौर, नागेन्द्र सिंह, रूबी गंगवार, प्रतिभा सिंह, सुष्मिता सिंह, सुधाकर चौहान, गौरव सिंह, शोभित शर्मा, समर सिंह, श्रद्धा सक्सेना सहित शिक्षकगण और विद्यार्थी मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया, जिसमें अतिथि वक्ता को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
• 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
• बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
• आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
• कैशलेस ईलाज

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा।
TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 बजे से 5 बजे तक
निःशुल्क परामर्श
डॉ. दीपक माहेश्वरी
M.B.B.S., M.D.
Consultant Physician & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल
• CARE FOR SURE •
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली 9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
• प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) • गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) • गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) • पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

न्यूज ब्रीफ

मारपीट में घायल की इलाज के दौरान मौत

बदायूं, अमृत विचार : थाना जरीफनगर क्षेत्र के गांव मदारपुर में जमीन के विवाद में हुई मारपीट में रामरतन 23 दिसंबर 2025 को गंभीर रूप से घायल हो गए थे। परिजन उन्हें राजकीय मेडिकल कॉलेज ले गए थे। हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने रेफर किया तो घायल को सैफई के राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया था। जहां इलाज के दौरान घायल की मौत हो गई। परिजनों में कोहराम मच गया। सुरक्षा के मद्देनजर गांव में पुलिसकर्मी तैनात की गई है।

आज होगा किसान दिवस का आयोजन

बदायूं, अमृत विचार : उप कृषि निदेशक मनोज कुमार बताया कि किसान दिवस का आयोजन 21 जनवरी को होगा। विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किसान दिवस आयोजित किया जायेगा। जिसमें सम्बन्धित अधिकारी किसानों की समस्याओं का निराकरण करेंगे।

सिरासौल में आज लगेगा नेत्र परीक्षण शिविर

बिल्सी, अमृत विचार : बरेली के शहीद भगत सिंह नेत्र चिकित्सालय के सहयोग से सिरासौल के पंचायत घर पर 21 जनवरी को एक नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक रहेगा। पूर्व प्रधान अर्जुन सिंह चौहान ने बताया कि शिविर में नेत्र रोगियों की जांच की जाएगी। मोतियाबिंद के चयनित मरीजों का उसी दिन ऑपरेशन के लिए बरेली रेफर किया जाएगा। ऑपरेशन के लिए आधार कार्ड की फोटो प्रति, मरीज और परिजन का मोबाइल नंबर होना अनिवार्य है।

खंती में गिरी बाइक, बरेली के दो युवक घायल

ओरछी, अमृत विचार : फैजगंज बेहटा से सिसरका मार्ग पर स्टेशन चौराहे पर तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर खंती में जा गिरी। बाइक सवार दो युवक लहूलुहान हो गए। सूचना पर पुलिस पहुंची और घायलों को एंबुलेंस से आसफपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। चिकित्सक ने दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। थानाध्यक्ष राजकुमार सिंह ने बताया घायल युवक बरेली के आंवला क्षेत्र के गांव मतलबपुर निवासी महिपाल पुत्र लालू और राहुल पुत्र धीरेंद्र हैं।

बिसौली में 5000 रुपये की रिश्वत लेते लेखपाल गिरफ्तार

किसान से मांगे थे जमीन पर कब्जा दिलाने के लिए रुपये

संवाददाता, ओरछी

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी लेखपाल।

- शिकायत करने पर बरेली की एंटी करप्शन टीम ने बिछाया था जाल
- रुपये लेते ही रंगे हाथ पकड़ा गया राजस्व लेखपाल

अमृत विचार : एंटी करप्शन टीम के लगातार कार्रवाई के बाद भी भ्रष्टाचार पर लगाम नहीं लग पा रही है। टीम आए दिन किसी न किसी को पकड़ने की कार्रवाई कर रही है। मंगलवार को बरेली की एंटी करप्शन टीम ने राजस्व लेखपाल को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। लेखपाल ने एक व्यक्ति से आवंटित आबादी के प्लाट पर कब्जा दिलाने के नाम पर पांच हजार रुपये लिए थे। लेखपाल के खिलाफ कोतवाली सिविल लाइन में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र के गांव जखोरा जौहरपुर निवासी ओमप्रकाश पुत्र राम स्वरूप ने उन्हें साल 2005 में आबादी में आवंटित प्लाट पर कब्जा दिलाने के लिए तहसील बिसौली के राजस्व लेखपाल सतीश चंद्र शर्मा से मांग की थी। आरोप है कि लेखपाल ने उनसे रुपये मांगे थे। ओमप्रकाश के असमर्थता जताने पर लेखपाल ने काम न करने की धमकी दी। जिसके चलते उन्होंने बरेली जाकर एंटी करप्शन टीम से शिकायत की थी। ट्रैप टीम प्रभारी निरीक्षक इश्तियाक वारसी ने टीम के साथ मिलकर जाल बिछाया। ओमप्रकाश के माध्यम से लेखपाल से संपर्क कराया।

लेखपाल ने उन्हें गांव फैजगंज बेहटा के बाहर नवनिर्मित गौशाला के पास बुलाया। ओमप्रकाश ने लेखपाल को पांच हजार रुपये दिए। जैसे ही टीम ने लेखपाल को रुपये लेते रंगे हाथ पकड़ लिया और सिविल लाइन कोतवाली ले आई।

जहां इस्लामनगर थाना क्षेत्र के गांव नूरपुर पिनौनी निवासी लेखपाल सतीश चंद्र शर्मा पुत्र कोका राम शर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

एंटी करप्शन टीम के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि बरेली मंडल का कोई भी पीड़ित व्यक्ति क्षेत्राधिकारी एंटी करप्शन के मोबाइल नंबर 9454405475 या प्रभारी निरीक्षक के मोबाइल नंबर 9454401653 पर संपर्क कर सकता है। आरोपी के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

यदु शुगर मिल को तत्काल भुगतान करने के निर्देश

विजय नगला, अमृत विचार : यदु शुगर मिल सुजानपुर को गन्ना पेराई सत्र 2025-26 के गन्ना मूल्य भुगतान के सख्त निर्देश दिये हैं। जिला अधिकारी अवनीश राय ने पत्र जारी करते हुए शुगर मिल को निर्देशित किया है कि शासन के नियमानुसार गन्ना खरीद के 14 दिन के अंदर गन्ने का भुगतान सुनिश्चित करें। विलंब होने पर गन्ना भुगतान पर ब्याज देय होगा ।

क्षेत्र के गांव बेला, मचलई, किसरूआ, कुनार, सिलहरी, मोंगर समेत कई गन्ना क्रय केंद्र संचालित हो रहे हैं जिन पर यदु शुगर मिल द्वारा किसानों के गन्ने की खरीद की जा रही है। शुगर मिल ने पिछले वर्ष का बकाया भुगतान भी नहीं किया है। सत्र 2025-26 के गन्ना खरीद के भुगतान में भी विलंब हो रहा है। जिसकी जानकारी होने पर जिला अधिकारी अवनीश राय ने यदु शुगर मिल को तत्काल गन्ना अधिनियम के अंतर्गत गन्ना खरीद का 14 दिन में पूरा भुगतान करने का निर्देश दिये है यदि तय समय सीमा में गन्ने का भुगतान नहीं किया तो कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

चीनी का परता बेहतर, मिल को राहत

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

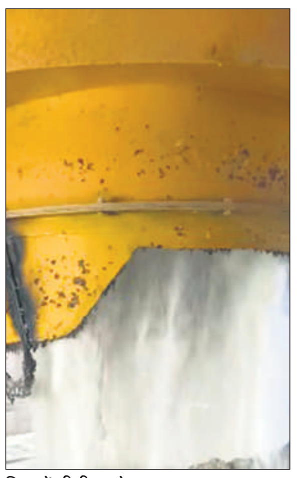

मिल में चीनी बनते हुए।

- अब तक बनाई छह हजार 60 क्विंटल चीनी
- शेखूपुर चीनी मिल पर नहीं खरीदा गया सूखा गन्ना

अमृत विचार : चीनी परता बेहतर आने से शेखूपुर सहकारी चीनी मिल प्रबंधन ने राहत की सांस ली है। मिल ने अब तक छह हजार क्विंटल गन्ना खरीद कर 52 हजार 800 क्विंटल चीनी का उत्पादन किया है जो पिछले साल से 20 प्रतिशत अधिक है।

सहकारी चीनी मिल शेखूपुर अपने क्षेत्र के किसानों का लगातार गन्ना तौल कर खरीद रही है। दो दिन पूर्व 24 घंटे तक मिल बंद रही जिससे किसानों ने हंगामा किया। उसके बाद मिल में गन्ना पेराई शुरू हो गयी। मिल प्रशासन की ओर से अवगत कराया गया कि इस साल अब तक करीब 6 हजार क्विंटल गन्ने की खरीद की है। जिससे अब तक 52 हजार 800 क्विंटल चीनी तैयार हुई है। मिल प्रशासन ने चीनी परता बेहतर होने की बात कही है। इस समय बेहतर गन्ना आ रहा है जिससे चीनी परता 10-06 प्रतिशत आ रहा है जो पिछले साल से 20 प्रतिशत अधिक है। चीनी परता बेहतर आने से मिल प्रशासन ने राहत की सांस ली है साथ ही गन्ना किसानों से अच्छा निरोगी गन्ना लाने को कहा है।

चीनी मिल के सीसीओ अनिल कुमार ने बताया कि इस बार गन्ने में कोई बीमारी नहीं है इसलिए अच्छा निरोगी गन्ना आ रहा है ऐसे गन्ने से चीनी परता बेहतर रहता है। उन्होने बताया कि अब पेड़ी गन्ना किसान ला रहे हैं। सैयर गन्ना खत्म हो चुका है। इस गन्ने में दस प्रतिशत से अधिक का परता आता है।

चीनी मिल की महाप्रबंधक मणि अरोड़ा ने बताया कि मिल प्रशासन गांव गांव घूम कर गन्ना किसानों से संपर्क कर रहा है जिससे मिल गेट पर गन्ने की कमी न रहे। मिल के अधिकारियों ने अब तक बीस से अधिक गांवों में भ्रमण किया है। मिल परिसर में इस समय करीब सौ से अधिक गन्ना लदे वाहन खड़े हैं जिनकी तौल दिन रात की जा रही है।

मिल ने किया अब तक छह करोड़ का भुगतान

शेखूपुर चीनी मिल के किसानों को इस साल का गन्ना मूल्य भुगतान लगातार किया जा रहा है जिससे मिल के किसान गन्ना पहुंचा रहे हैं। मिल प्रशासन ने अब तक तीन किस्तों में छह करोड़ से अधिक भुगतान किया है। जल्द ही कुछ और भुगतान जारी होने की बात कही कई है। मिल प्रशासन की ओर से गन्ना किसानों को बताया गया है कि शासन के निर्देशानुसार किसानों को भुगतान किया जा रहा है।

जिला बार के 20 पदों के लिए 33 प्रत्याशी मैदान में

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- आज सुबह 9 बजे से अपरान्ह 4 बजे तक होगा मतदान

अमृत विचार : जिला बार एसोसिएशन के 20 पदों के लिए 21 जनवरी को चुनाव कराया जाएगा। सुबह 9 बजे से दोपहर 4 बजे तक मतदान होगा। चुनाव में 33 प्रत्याशी हैं। अध्यक्ष पद पर चार प्रत्याशी गेंदन लाल बघेल, दिनेश चंद, देवपाल सिंह और देवेंद्र गुप्ता हैं।

वहीं महासचिव पद के लिए कृष्ण गोपाल पाठक और संदीप मिश्रा के बीच टक्कर होगी। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए अनिल जौहरी और दिनेश कुमार ने नामांकन कराया है तो कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए मरगूब अहमद खान ने ही नामांकन कराया है। उनकी जीत निश्चित है। संयुक्त सचिव प्रशासन पर छह प्रत्याशी नीलम रानी, विनोद बाबू सक्सेना, जसवीर सिंह, अमित कुमार सोलंकी, याकूब अली खान और भानु प्रताप सिंह ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। संयुक्त सचिव प्रकाशन पर अनिल कुमार यादव और आशू मियां के बीच सीधा मुकाबला होगा। संयुक्त सचिव पुस्तकालय पद पर मुकेश कुमार वैश्य, नीलू मिश्रा और मनोज कुमार के बीच चुनाव होगा। कोषाध्यक्ष पद पर अवधेश कुमार और कौशल मिश्र के बीच मुकाबला है। सबसे ज्यादा नौ प्रत्याशी कनिष्ठ कार्यकारिणी में है। जिसमें सुमन कश्यप, नीरज सक्सेना, आनंद सिंह, किरण रानी, राष्ट्र गौरव, पवन कुमार गौतम, फरमान अली, सतीश पाल और कुमारेश कुलश्रेष्ठ हैं। वरिष्ठ कार्यकारिणी के लिए आदित्य कुमार सिंह, सुरेंद्र पाल शर्मा ने नामांकन किया था।

मणिकर्णिका घाट के मंदिर तोड़ने पर आप ने किया प्रदर्शन

बदायूं, अमृत विचार : काशी के मणिकर्णिका घाट पर प्राचीन मंदिरों को तोड़े जाने के विरोध में मंगलवार को आम आदमी पार्टी ने विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी ने इसे हिंदू आस्था, परंपरा और सनातन संस्कृति पर भाजपा सरकार का सीधा हमला बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र में पौराणिक मंदिरों का ध्वस्तीकरण सरकार की असली मानसिकता उजागर करता है। पार्टी ने राष्ट्रपति को ज्ञापन देकर हस्तक्षेप की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान राष्ट्रपति के नाम सौंपे गए ज्ञापन में मांग की कि मणिकर्णिका घाट पर तोड़े गए सभी प्राचीन मंदिरों का तत्काल पुनर्निर्माण कराया जाए। इस दौरान दिनेश सिंह राठौर, एड कृष्णा देवी, एड. संजीव पाल, एड. सुमित मिश्रा, ओमपाल सिंह, सलमान खान,राकेश, रवि राजपूत, लाला राम, आदित्य गुप्ता, राकेश सोलंकी आदि मौजूद रहे ।

हरे कृष्ण से गूंजा शहर, नगर कीर्तन में उमड़े श्रद्धालु

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

नगर कीर्तन में शामिल झांकी।

शहर में निकले नगर कीर्तन में शामिल लोग। • अमृत विचार

- श्री श्री गौर-निताई की 39वीं वर्षगांठ पर शहर में निकाला गया नगर कीर्तन
- नगरवासियों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा करके किया संकीर्तन का स्वागत

अमृत विचार : श्री श्री गौर-निताई की 39वीं वर्षगांठ के अवसर पर शहर में निकाला गया भव्य नगर कीर्तन आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम बना रहा। बिरुआबाड़ी मंदिर से शुरू हुए नगर कीर्तन में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा। हरे कृष्ण हरे राम के जयघोष, ढोल-मंजीरों की गूंज और भक्तों के उत्साहपूर्ण नृत्य से पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। नगर संकीर्तन पथिक चौक, टिकटगंज, हलवाई चौक, मढ़ई चौक और काली सड़क आदि मार्गों से होकर गुजरा। नगरवासियों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर संकीर्तन का स्वागत किया।

नगर कीर्तन में महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों की बड़ी भागीदारी ने आयोजन की भव्यता को और बढ़ा दिया। मार्ग में श्रद्धालुओं द्वारा प्रसाद वितरण भी किया गया। आयोजकों के अनुसार नगर संकीर्तन का उद्देश्य समाज में प्रेम, सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना का प्रसार करना है। कार्यक्रम के दौरान ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा व्यवस्था बनाए रखी गई। संकीर्तन के समापन पर मंदिर परिसर में आरती और प्रसाद वितरण किया गया। नगर संकीर्तन ने शहर को भक्ति, उल्लास और आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। जिसकी लोगों ने सराहना की। पंकज, अरुण, श्याम, ऋषिराम, संजीव, अतुल, कृष्णा, अग्र, अक्षत, राकेश, ललित, अभिषेक, नरेंद्र, गौरांग आदि मौजूद रहे।

कब्रिस्तान में मिला पांच माह की बच्ची का भ्रूण

भ्रूण मिलने पर मौके पर जानकारी करते पुलिसकर्मी। • अमृत विचार

संवाददाता, कुंवरगांव

अमृत विचार : थाना कुंवरगांव क्षेत्र में गांव बनेई से बल्लिया जाने वाले मार्ग स्थित कब्रिस्तान में मंगलवार सुबह एक भ्रूण कपड़े में लिपटा पड़ा मिला। वह लड़की थी। कुछ बच्चे बकरी के बच्चे की मौत होने पर उसे दफनाने कब्रिस्तान गए थे। जहां उन्होंने कपड़ा देखा। जिसमें भ्रूण था। वह लगभग पांच महीने का बताया जा रहा है। बच्चे घबरा गए और ग्रामीणों को सूचना दी। ग्रामीण कब्रिस्तान पहुंचे। ग्राम प्रधान जमशेद ने पुलिस को सूचना दी। उपनिरीक्षक विनोद कुमार शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने भ्रूण को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने जांच शुरू की है।

खूंटा उखाड़ने की शिकायत करने पर पीटा, रिपोर्ट दर्ज

विजय नगला, अमृत विचार : थाना मूसाझाग क्षेत्र के गांव मौजमपुर निवासी किसान हवलदार ने अपने खेत में फसल को छुट्टा पशुओं से बचाने के लिए सभी तरफ से रस्सी बांध दी थी। आरोप है कि पड़ोस के गांव कमालपुर के सत्यवीर रोज उनके रस्सी बंधे खूंटे को उखाड़ देते हैं। जिससे पशु खेत में घुस जाते हैं। सोमवार को सत्यवीर ने खूंटे उखाड़ दिए। हवलदार ने उन्हें पकड़ लिया। सत्यवीर के घर जाकर उनके परिजनों से शिकायत की। आरोप है कि सत्यवीर के भाई विजयवीर, निर्भान, पृथ्वीपाल ने गाली-गलौज की। विरोध करने पर उन्होंने पीट दिया। सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस पहुंची। आरोपी मौके से भाग गए। पीड़ित की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

अस्पताल गेट पर जाम में फंसी एम्बुलेंस, तड़पती रही गर्भवती

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

जिला अस्पताल गेट पर जाम में फंसी एम्बुलेंस • अमृत विचार

- जिला अस्पताल गेट पर लगा जाम, परेशान रहे मरीज
- मुख्य गेट पर नहीं रहते सुरक्षा गार्ड, रहती है अव्यवस्था

अमृत विचार : शहर में जगह जगह जाम लगना आम बात है। लोगों को जाम से जूझने की आदत पड़ गयी है। मंगलवार को जिला अस्पताल के मुख्य गेट के सामने रोड पर जाम में फंसी एक एम्बुलेंस में गर्भवती महिला दर्द से तड़पती रही। जाम के कारण महिला की हालत बिगड़ गयी। दुकानदारों ने किसी तरह जाम खुलवा कर महिला को अस्पताल में भर्ती कराया।

शहर के प्रत्येक सड़क चौराहे पर ऑटो ई रिक्शा और अन्य वाहनों के बेतरतीब खड़े होने से आए दिन जाम लगता है। सोमवार को पूरा दिन सड़कों पर जाम के चलते बाहर रेंगते रहे। उसी तरह मंगलवार को भी जाम ने परेशान कर दिया। कलेक्ट्रेट से परशुराम चौक तक जाने वाली सड़क पर जिला अस्पताल है। जिला अस्पताल के ठीक सामने रोड पर दोपहर 11-30 बजे जाम लग गया। जाम में एम एंबुलेंस भी फंसी थी। एम्बुलेंस में एक गर्भवती महिला को जिला महिला अस्पताल ले जाया जा रहा था। जाम में फंसी एम्बुलेंस को रास्ता नहीं मिला जिससे एम्बुलेंस वहीं पर रुक गयी। काफी देर तक एम्बुलेंस जाम में फंसी रहने से गर्भवती महिला को दर्द शुरू हो गया। असहनीय दर्द से परेशान महिला एम्बुलेंस में तड़पती रही। चालक ने प्रयास किया लेकिन जाम नहीं खुला। महिला की आवाज सुनकर आस पास के दुकानदारों ने मोर्चा संभाला और किसी तरह एम्बुलेंस को बाहर निकलने का रास्ता बनाया तब तक महिला की हालत और बिगड़ गयी।

महिला को उसके बाद जिला महिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। गर्भवती महिला के परिजनों ने बताया कि शहर में जाम के कारण महिला की हालत बिगड़ गई जिस पर डॉक्टरों ने भी नाराजगी व्यक्त की।

कचहरी रोड पर सुबह से शाम तक जाम लगता है। इस रोड पर जिला व महिला अस्पताल हैं इसलिए मरीजों के बाहन हर मिनट पर आते जाते हैं मगर सुरक्षा का कहीं पर कोई इंतजाम नहीं है।

मुख्य गेट पर नहीं हैं सुरक्षा गार्ड

जिला महिला अस्पताल में करीब दो दर्जन सुरक्षा गार्ड हैं जो अस्पताल के अंदर सुरक्षा व्यवस्था संभालते हैं लेकिन अस्पताल के मुय गेट पर सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं है जिससे ऑटो और ई रिक्शा मुख्य गेट पर ही खड़े होते हैं। गेट के अंदर आने जाने में मरीजों को काफी दिक्कत होती है। सुरक्षा गार्डों का कहना है कि उनकी जिम्मेदारी अस्पताल के अंदर की है। बाहर गेट पर अस्पताल प्रशासन को पुलिस की मदद लेनी चाहिए।

"जिला अस्पताल के अंदर सुरक्षा गार्ड हैं अस्पताल के बाहर की जिम्मेदारी अस्पताल प्रशासन की नहीं है। मुख्य गेट पर वाहन खड़े रहते हैं इससे दिक्कत तो होती है लेकिन अतिरिक्त पुलिस नहीं होने के कारण मुख्य गेट पर सुरक्षाकर्मी नहीं रखते हैं। हालांकि मुख्य गेट पर वाहन नहीं खड़े करने दिए जाते हैं फिर भी भीड़ भाड़ में ऑटो चालक वहीं पर रहते हैं।

डा. अमित वार्ष्णेय- सीएमएस

अनदेखी — आयुर्वेद की दवाओं को भटक रहे मरीज, सभी अस्पताल खाली

इंडेंट भेजने के बाद भी नहीं मिलीं सरकारी दवाएं

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल।

- स्थानीय स्तर पर खरीदी गयी दवाएं भी हो चुकी हैं समाप्त

अमृत विचार : राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल द्वारा इंडेंट भेजने के बाद भी दवाएं नहीं मिली हैं। जिससे मरीजों को वापस लौटना पड़ रहा है। आयुर्वेद के सभी अस्पतालों में दवाओं का अभाव होने से विभाग को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जिला अस्पताल स्थित आयुर्वेदिक अस्पताल है। आयुर्वेद अस्पताल में हर दिन सैकड़ों मरीज आते हैं यहां पर गंभीर बीमारियों की जड़ी बूटी की दवाएं मिलती हैं जिससे मरीजों की लाइन लगी रहती है। लेकिन पिछले चार माह से गंभीर बीमारियों की दवाएं नहीं हैं। महिलाओं से सम्बन्धित बीमारियों की दवाएं बाहर से खरीदने को लिखी जाती हैं। जोड़ों के दर्द में काम आने वाली दवा चार महीने से नहीं है। सर्द मौसम में बुखार और जोड़ों के दर्द के मरीजों की संख्या हर दिन बढ़ रही है लेकिन अस्पताल में दवा नहीं होने से मरीजों को वापस लौटना पड़ रहा है। आयुर्वेद चिकित्सक ने बताया कि दवाओं की मांग नवम्बर में की गयी थी। लेकिन दवाएं नहीं मिलीं उसके बाद जनवरी में भी इंडेंट भेजा गया है। अभी तक दवा नहीं पहुंचीं हैं।

क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डा. योगेन्द्र सिंह ने बताया कि दवाओं की मांग लगातार की जा रही है। अभी तक दवाएं नहीं मिली हैं। पिछले दिनों पीलीभीत से कुछ दवाएं मंगायी गयी थीं जो अब खत्म हो चुकी हैं। अब मरीजों को गंभीर बीमारियों की दवाएं नहीं मिल पा रही हैं। उन्होंने बताया कि इस समय खांसी बुखार जुकाम की दवाएं हैं जो मरीजों को दी जा रहीं हैं। अन्य दवाएं नहीं हैं। उम्मीद है फरवरी में दवाएं मिल जाएं।

जिले में आयुर्वेद के हैं 26 अस्पताल

आयुर्वेद के जनपद में 26 अस्पताल हैं। इन अस्पतालों में भी दवाएं नहीं हैं जिससे मरीज जिला अस्पताल स्थित आयुर्वेद अस्पताल आ रहे हैं। मरीजों कुछ बीमारियों की दवाएं बाजार की लिखी जा रहीं है लेकिन महंगी दवाएं मरीज नहीं खरीद पाते हैं इसलिए आयुर्वेदिक अस्पताल में मरीजों की लाइन लगी रहती है। सभी अस्पतालों में जल्द दवाएं पहुंचने की उम्मीद है।

निर्माणाधीन अस्पतालों को नहीं मिली दूसरी किस्त

आयुर्वेद के निर्माणाधीन चारों अस्पतालों का निर्माण कार्य अधर में लटका है। शासन से स्वीकृत धनराशि की दूसरी किस्त नहीं मिलने से ठेकेदारों ने काम बंद कर दिया है। चारों अस्पतालों में करीब 60 से 80 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है जबकि अन्य कार्य अभी कराया जाना है। विभाग का कहना है कि दूसरी किस्त जल्द भेजने को एक पत्र भी भेजा गया है जिसके बाद जल्द धन मिलने का आश्वासन दिया गया है।

नौ फरवरी से शुरू होंगी मदरसा बोर्ड की परीक्षाएं

बदायूं, अमृत विचार: यूपी मदरसा बोर्ड की वार्षिक परीक्षाएं नौ फरवरी से शुरू हो रही हैं। यह परीक्षाएं 14 फरवरी को समाप्त होंगी। मदरसा छात्रों की परीक्षा के लिए केंद्रों की सूची जारी कर दी गई है। दो पालियों में होने वाली परीक्षा के लिए जिले में छह केंद्र बनाए गए हैं।

जिला अल्पसंख्यक अधिकारी प्रणव कुमार पाठक ने बताया कि मुंशी, मौलवी, आलिम की परीक्षा में 1096 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। दो पालियों में होने वाली परीक्षा के दौरान प्रथम पाली में 832 मुंशी मौलवी और दूसरी पाली में आलिम की परीक्षा होगी। जिसमें 264 परीक्षार्थी परीक्षा में बैठेंगे। परीक्षा की समय सारिणी आने के बाद अल्पसंख्यक विभाग तैयारियों में जुट गया है। परीक्षा सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में कराई जाएगी। साथ ही पर्यवेक्षक भी तैनात रहेंगे।

2.96 करोड़ से बनेगा गुलडिया मार्ग

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- मार्ग का नवीनीकरण किए जाने के साथ होगा चौड़ीकरण
- शासन से स्वीकृति के बाद लोनिवि ने शुरू की टेंडर प्रक्रिया

अमृत विचार: मुख्य मार्ग से कस्बा गुलडिया तक जाने वाले 16.15 मीटर मार्ग का नवीनीकरण किया जाएगा। नवीनीकरण के साथ रोड चौडा भी होगा। जिसकी शासन से मंजूरी मिल गई है। रोड का निर्माण और चौड़ीकरण 2.96 करोड़ की लागत से होगा। शासन से स्वीकृति मिलने के लोक निर्माण विभाग की ओर से टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है।

दातागंज रोड से कस्बा गुलडिया तक जाने के लिए मार्ग पिछले कई वर्षों से टूटा पड़ा है। साथ ही लिंक मार्ग होने के चलते उसकी चौड़ाई थी बेहद कम है। जिसके चलते वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। रोड टूटा होने की वजह उसमें गहरे गहरे गड्ढे भी बन गए हैं। ग्रामीणों को भी आवागमन में दिक्कत उठानी पड़ती हैं। मार्ग बेहद खराब होने की वजह से ग्रामीण इसके निर्माण की मांग लंबे समय से कर रहे थे। ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए लोक निर्माण विभाग द्वारा सर्वे कराया गया।

इसके बाद 2.96 करोड़ रुपए का प्रस्ताव बनाकर शासन में स्वीकृति के लिए भेजा था। लोक निर्माण विभाग द्वारा मार्ग निर्माण के लिए बजट की मांग करते हुए गत वर्ष नवंबर माह के दौरान प्रस्ताव बनाकर शासन में भेजा। जिसकी स्वीकृति दे दी गई है। प्रस्ताव की स्वीकृति मिलने के बाद लोक निर्माण विभाग अब टेंडर प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है। मार्ग माह में निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

साढ़े पांच मीटर चौड़ा होगा मार्ग

मार्ग का नवीनीकरण किए जाने के साथ ही चौड़ीकरण का काम भी किया जाएगा। अभी मार्ग की चौड़ाई मात्र तीन मीटर है। जिसे साढ़े पांच मीटर चौड़ा किया जाएगा। मार्ग निर्माण और चौड़ीकरण होने से ग्रामीणों को आवागमन में कोई दिक्कत नहीं होगी।

"दातागंज जाने वाले रोड से गुलडिया तक 16.15 मीटर मार्ग का निर्माण होना है। मार्ग का निर्माण 2.96 करोड़ से होगा। स्वीकृति मिल गई है। जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू कराई जाएगी। इसके बाद रोड के निर्माण का कार्य शुरू हो जाएगा।

नरेश कुमार सिंह, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग

न्यूज ब्रीफ

खनन करने वाले वाहनों का किया चालान

बदायूं, अमृत विचार : खनन अधिकारी गुलशन कुमार ने दो डंपर और एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पर कार्रवाई की है। वाहनों का चालान किया गया है। वाहनों का संचालन बिना अनुमति के खनन में किया जा रहा था। वह मौके पर पहुंचे। अवैध खनन करके ट्रैक्टर-ट्रॉली में मिट्टी भरकर ले जाते समय पकड़ा। वाहनों को थाने पर खड़ा कराया गया है।

पुलिस ने बरामद किया लापता हुआ रिफाइंड का ट्रक

बदायूं, अमृत विचार : नेपाल से दिल्ली जा रहा 1750 पीपे रिफाइंड लदा ट्रक सहसवान कोतवाली क्षेत्र में लापता हो गया था। पुलिस ने ट्रक नगरिया की चीनी मिल के बराबर से बरामद कर लिया है। ट्रक की आखिरी लोकेशन बदायूं-मेरठ राजमार्ग पर सहसवान स्थित पहलवान ढाबे पर मिली थी। जिसके बाद से संपर्क टूट गया था। कंपनी के मालिक ने सहसवान पुलिस को सूचना दी थी। ट्रक चालक पर रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ट्रक गायब करने वालों की तलाश कर रही है।

युवक को घेरकर 3200 रुपये लूटे मोबाइल तोड़ा

बितरोई, अमृत विचार : बिना नंबर की बाइक सवार बदमाशों ने एक युवक

का रास्ता घेर लिया और उनका मोबाइल फोन, 3200 रुपये लूट लिए। मोबाइल फोन सड़क पर फेंककर तोड़ डाला। घटना को अंजाम देकर बदमाश फरार हो गए। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर खुलासे की मांग की है। अलापुर थाना क्षेत्र के गांव खरखोली खुर्द निवासी योगेश पुत्र जगदीश मुजरिया थाना क्षेत्र के कोल्हाई निवासी बहन के घर से बाइक से वापस लौट रहे थे। राजमार्ग पर गांव मुजरिया और आरके पब्लिक स्कूल के बीच बिना नंबर प्लेट की अपाचे सवार तीन बदमाशों ने दिन दहाड़े उन्हें रोक लिया और लूट की। आरोपी मौके से फरार हो गए। तब पीड़ित ने डायल 112 पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची। प्रभारी निरीक्षक ज्योति सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी नहीं है। जांच कराई जाएगी।

सरकारी खरीद बंद होने से बाजार में गिरे बाजरा के दाम

15 जनवरी से बाजरा खरीद बंद, बाजार में नौ सौ रुपये बिका

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- क्रय केंद्रों पर हो रही थी 2475 रुपये प्रति क्विंटल की खरीद

अमृत विचारः सरकारी क्रय केंद्रों पर बाजरा की खरीद बंद हो चुकी है। खरीद बंद होने से बाजार में दाम एक हजार रुपए तक कम हो गए हैं। किसानों को अपनी फसल औने पौने दामों पर बेचनी पड़ रही है। सरकार की ओर से निर्धारित समर्थन मूल्य 2775 रुपये है। लेकिन मंडियों में आढ़ती बाजरा एक हजार रुपये कम दाम पर खरीद रहे हैं। इससे किसानों को नुकसान हो रहा है।

जिले में बाजरा की खरीद के लिए 16 क्रय केंद्र सभी छह तहसीलों में खोले गए थे। इन केंद्रों पर 31 दिसंबर तक खरीद की गई थी। इसके बाद किसानों की मांग पर सरकार की ओर से 15 दिनों का समय और बढ़ा दिया था। खरीद 15 जनवरी तक हुई। अब सरकारी क्रय केंद्रों पर बाजरा की खरीद पूरी तरह से बंद हो गई है। खरीद के दौरान क्रय केंद्रों पर भीड़ बढ़ने और बिचौलियों का वर्चस्व होने के कारण किसानों को अपना बाजरा बेचने के लिए कई-कई दिनों तक इंतजार करना पड़ा था। इस कारण बड़ी संख्या में किसान समर्थन मूल्य पर अपना बाजरा बेचने से वंचित रह गए थे।

अब चूंकि क्रय केंद्र पूरी तरह बंद हो चुके हैं, इसलिए किसानों के पास आढ़तियों को बाजरा बेचने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। किसानों की मजबूरी का फायदा उठाते हुए मंडी में वर्तमान में बाजरा का बाजार भाव 1,700 रुपये प्रति क्विंटल रह गया है, जोकि समर्थन मूल्य से 1077 रुपये कम है। प्रभारी खाद्य विपणन अधिकारी राजीव वर्मा का कहना है कि समर्थन मूल्य पर खरीद की अवधि 31 दिसंबर थी। लक्ष्य पूरा होने के बाद फिर से लक्ष्य बढ़ाया गया था। किसान अपनी फसल को बेचने के लिए क्रय केंद्रों के चक्कर लगाते रहे। कुछ किसानों को क्रय केंद्र प्रभारियों के द्वारा नंबर जारी किए गए थे। किसान दी गई तारीख पहुंचे तब तक क्रय केंद्र पर बाजरा की खरीद पूरी हो चुकी थी। बाजरा की खरीद बंद होने की वजह से किसान अपनी फसल को औने पौने दाम पर आढ़तियों के हाथों बेच रहे हैं। आढ़ती भी किसानों की मजबूरी का लाभ उठाते हुए एक हजार कम दाम पर बाजरा की खरीद कर रहे हैं। गांव हत्सा निवासी किसान ने बताया कि उनका बाजरा सरकारी क्रय केंद्र पर नहीं बिक सका अब उसे आढ़तियों के बेचा है। आढ़ती ने समर्थन मूल्य से एक हजार कम पर बाजरा खरीदा है। बाजरा को मजबूरी में सस्ता बेचना पड़। गांव सिमरिया निवासी दिनेश कुमार ने बताया मंडी में बने सरकारी क्रय केंद्र पर मारा-मारी के चलते बाजरा नहीं बिक सका। मजबूरी में अब उझानी मंडी समिति में बाजरा बेचा है। यहां आढ़त पर बाजरा 1725 में बिका है। मजबूरी में कम दाम पर बेचना पड़ा।

पिंडौल में भरत मिलाप कथा सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु

बिल्सी ,अमृत विचार : तहसील बिल्सी क्षेत्र के गांव पिंडौल में आयोजित राम कथा में वेदव्यास पंडित गौरव देव शर्मा ने भरत मिलाप की कथा को अत्यंत रोचक और भावपूर्ण ढंग से सुनाया। उन्होंने रामचरितमानस के अयोध्या कांड में वर्णित भरत-राम मिलन के प्रसंग का विस्तार से वर्णन किया। बताया कि श्रीराम के वनवास का समाचार पाकर भरत, उन्हें वापस अयोध्या लाने के लिए सेना सहित चित्रकूट पहुंचे। मार्ग में निषादराज गुह से भेंट हुई। जिन्होंने भरत को श्रीराम के दर्शन कराए। लक्ष्मण ने पहले भरत की मंशा पर संदेह जताया, लेकिन श्रीराम ने उन्हें भरत के निष्कलंक प्रेम और कर्तव्यभाव से अवगत कराया। चित्रकूट में राम-भरत मिलन का दृश्य अत्यंत भावुक रहा। भरत के आग्रह के बावजूद श्रीराम ने पिता के वचन का पालन करते हुए वनवास पूरा करने का संकल्प दोहराया। अंततः भरत, श्रीराम की चरण पादुकाएं लेकर अयोध्या लौटे और उन्हें सिंहासन पर स्थापित कर नंदीग्राम में रहकर राज्य संचालन किया। कथा सुनकर श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं। अंत में भगवान की आरती हुई और मिष्ठान का वितरण किया गया।

भूमि विकास बैंक चुनाव में सभी सीटों पर निर्विरोध जीतेंगे भाजपा प्रत्याशी

भूमि विकास बैंक के चुनाव में निर्विरोध होने के बाद प्रत्याशियों के साथ मौजूद जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में जिले में सहकारिता चुनाव में भाजपा का दबदबा
- सहकारी संस्थाओं में भाजपा की बढ़ती स्वीकार्यता : राजीव कुमार गुप्ता

अमृत विचार : भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता ने कार्यालय पर भूमि विकास बैंक चुनाव में निर्विरोध निर्वाचित भाजपा समर्थित प्रत्याशियों (प्रतिनिधि) का माल्यार्पण करके स्वागत और अभिनंदन किया।

जिले की सभी 8 भूमि विकास बैंकों में भाजपा समर्थित 8 प्रत्याशियों का निर्विरोध निर्वाचित होना तय हुए हैं। सभी स्थानों पर सिर्फ भाजपा प्रत्याशियों के नामांकन पत्र दाखिल होने के कारण उन सभी का निर्विरोध निर्वाचन होगा। जिसमें बिसौली से बंटू पाठक, बदायूं से नत्थू लाल वर्मा, इस्लामनगर से रामवीर शर्मा, सहसवान से आदर्श सक्सेना, उझानी से मुन्ना लाल शाक्य, दातागंज से धर्मेंद्र पाल, अलापुर से देवेंद्र कुमार कश्यप और बिल्सी से सोनी सिंह निर्वाचित होंगे।

जिलाध्यक्ष ने कहा भूमि विकास बैंक चुनाव में मिली ऐतिहासिक सफलता से भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह और ऊर्जा का संचार हुआ है। यह परिणाम दर्शाता है कि जनपद बदायूं में सहकारी क्षेत्र सहित हर स्तर पर भाजपा का जनाधार लगातार मजबूत हो रहा है और कार्यकर्ता पूरी निष्ठा से जनसेवा के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मंत्र और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सुशासन मॉडल के कारण सहकारी क्षेत्र में पारदर्शिता, ईमानदारी और जनविश्वास स्थापित हुआ है। बदायूं में भूमि विकास बैंक चुनाव का निर्विरोध परिणाम भाजपा की नीतियों, संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत का सशक्त प्रमाण है। चुनाव के संयोजक डीसीएफ चेयरमैन रविन्द्र पाल सिंह, जोगेंद्र सिंह पटेल रहे। जिला महामंत्री एमपी सिंह राजपूत, डीसीबी चेयरमैन जेके सक्सेना, भाजपा नेता हीरालाल कश्यप, जिला उपाध्यक्ष दुर्गेश वार्ष्णेय, बीएस मौर्य, सोबरन सिंह राजपूत, शैलेंद्र मोहन शर्मा, अनुज माहेश्वरी, हाजी सलीम, विजय कुमार सिंह, अनूप गुप्ता, सुरेश शर्मा, उदय सिंह गौर, पीयूष माहेश्वरी, नरेश पाल, रचित साहू, हिमांशु सक्सेना, सहदेव सागर, अनुभव उपाध्याय आदि लोग उपस्थित रहे।

रायपुर बुजुर्ग के जीएस मॉडल स्कूल में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

संवाददाता, बिल्सी

गांव रायपुर बुजुर्ग स्कूल का मॉडल।

अमृत विचार : तहसील क्षेत्र को एक मॉडल स्कूल की सौगात मिली है। गांव रायपुर बुजुर्ग में जीएस मॉडल स्कूल बनाया जा रहा है। जिसका भवन तैयार हो चुका है। बच्चों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त शिक्षा दी जाएगी। स्कूल प्रबंधन के अनुसार बच्चों को कम फीस में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाएगी।

स्कूल डायरेक्टर भुवनेश कुमार सिंह और मैनेजिंग डायरेक्टर अभय प्रताप सिंह ने बताया कि सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। बच्चों को बेहतर कक्षाएं, स्वच्छ वातावरण, अनुशासित शिक्षण व्यवस्था व क्षेत्र के हर गांव, मुहल्ले तक बच्चों को लाने ले जाने के लिए सुरक्षित वाहन की व्यवस्था होगी। स्कूल में अनुभवी व प्रशिक्षित शिक्षक-शिक्षिकाओं की टीम बच्चों को पढ़ाने के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व को निखारेगी। अभिभावकों से अपील की कि वह अपने बच्चों के समय से प्रवेश कराएं। उन्हें शुरू से ही अच्छी शिक्षा और संस्कार मिल सकें। ग्रामीण क्षेत्र में इस तरह की आधुनिक शैक्षिक व्यवस्था बच्चों के भविष्य को नई दिशा देगी। पहले से संचालित जीएस बाल विद्या मंदिर अभिभावकों के विश्वास का प्रतीक है।

संकुल बैठक में हुआ शैक्षिक प्रगति पर विचार विमर्श

कादरचौक, अमृत विचारः ब्लॉक क्षेत्र के गांव कौआ नगला परिषदीय विद्यालय में शिक्षक संकुल बैठक हुई। जिसमें शिक्षण गुणवत्ता सुधार पर मंथन किया गया। इंचार्ज प्रधानाध्यापक ओमप्रकाश कश्यप द्वारा शिक्षण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। साथ ही विभागीय निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा, छात्रों की शैक्षिक प्रगति पर विचार-विमर्श किया गया। शिक्षण के दौरान आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों, नवाचारों एवं उनके समाधान को लेकर शिक्षकों ने अनुभव साझा किए। बैठक में अनूप चाहर, अखंड प्रताप सिंह, ललित मोहन, अजय कुमार, राज बहादुर, ललित शर्मा, धर्मपाल कश्यप आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

गांव की गलियों में गोवंश का झुंड, ग्रामीण परेशान

गांव की गलियों में घूमता गौवंश का झुंड। ● अमृत विचार

संवाददाता, करियामई

अमृत विचार : छुट्टा गौवंश खेत खलिहान की ओर से अब गांव की ओर रुख कर रहे हैं। गांवों की गलियों में गौवंश और सांड घूम रहे हैं। ग्रामीणों को सांड़ों से हर समय खतरा बना रहता है।

विकासखंड इस्लामनगर क्षेत्र के ग्राम करियामई में मंगलवार को गांव में छुट्टा गोवंश, सांड़, बछड़े सैकड़ों की संख्या में तंग गलियों में घुस गए। जिससे गांव के लोग इधर उधर भागने लगे। जान बचा कर भागे ग्रामीणों ने किसी तरह छुट्टा गौवंश को गांव से भगाया। राजेंद्र मिश्रा, भूरे मिश्रा, मुकेश गुप्ता, गजराम आदि लोगों ने बताया कि ऐसे ही गौवंश पूरे गांव में झुंड बनाकर रोजाना घूमते रहते हैं ।साथ ही आपस में एक दूसरे पर हमले भी करते हैं जिससे स्कूली बच्चों व बुजुर्गों को चोटिल होने का खतरा बना रहता है अब तक कई ग्रामीण गौवंश के हमले से चोटिल भी हो चुके है। जबकि गांव में अस्थाई गौशाला की व्यवस्था प्रशासन द्वारा की गई है। फिर भी गोवंशों को खेतों और गांव की सड़कों पर घूमते देखा जा रहा है। किसान इतने परेशान है कि गेहूं की फसल की रात भर रखवाली करनी पड़ रही है। ग्राम वासियों ने छुट्टा गोवंशों से निजात दिलाने की मांग की है।

छुट्टा गोवंश से किसान परेशान, फसल को कर रहे नष्ट

सहसवान, अमृत विचार : सहसवान के गांव हुसैनपुर पुख्ता में छुट्टा पशुओं से किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं। छुट्टा गोवंश और नीलगाय खेतों में फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं, गेहूं की फसल रातो रात नष्ट की जा रही है जिससे किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। हुसैनुपुर पुख्ता गांव के किसानों ने बताया कि छुट्टा पशुओं को खेतों में आसानी से चारा मिल जाता है, जिससे गेहूं की फसल नष्ट हो रही है। इसके अतिरिक्त, कुछ लोग जानबूझकर छुट्टा पशुओं को पकड़कर इन इलाकों में छोड़ रहे हैं, जिससे उनकी संख्या तेजी से बढ़ रही है। किसानों ने बताया कि छुट्टा पशु सरसों, गेहूं जैसी फसलों को नष्ट कर रहे हैं। किसान एस पी सिंह, ओमप्रकाश, मोहन लालमन सहित आदि किसानों ने पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि छुट्टा गौवंश से अपनी फसलों को बचाने के लिए उन्हें खेतों में रात-दिन पहरा देना पड़ रहा है। बताया कि सहसवान क्षेत्र में गौवंश और नीलगाय बड़ी संख्या में हैं जो किसानों को परेशानी का कारण बने हुये हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर बांटी मिठाई

- नितिन नबीन के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं को मिलेगी नई दिशा और नई ऊर्जा : राजीव कुमार गुप्ता

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

नितिन नबीन के भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को मिठाई खिलाते जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन के निर्वाचित होने पर भाजपा कार्यालय पर जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता के नेतृत्व में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी व्यक्त की। इसे संगठन के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि नितिन नबीन का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना उनके संगठनात्मक कौशल, दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्रहित के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उनके नेतृत्व में भाजपा संगठन और जनसेवा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां प्राप्त करेगी।

अंत्योदय, सुशासन और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को और अधिक सशक्त रूप से आगे बढ़ाएगी। उनके नेतृत्व में पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में और अधिक मजबूती से आगे बढ़ेगी। डीसीएफ चेयरमैन रविन्द्र पाल सिंह, हीरालाल कश्यप, डीसीबी चेयरमैन जेके सक्सेना, दुर्गेश वार्ष्णेय, बीएस मौर्य, जोगेंद्र सिंह, अनुभव उपाध्याय आदि उपस्थित रहे।

आज अम्बेडकर प्रतिमा तक मार्च निकालेंगी आशा बहनें

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अधिकारी को ज्ञापन सौंपतीं आशा बहनें।

अमृत विचार : आशा वर्कर्स यूनियन के प्रांतीय आवाहन पर मंगलवार को 37 वें दिन भी आशा कर्मियों की हड़ताल जारी रही। आशा बहनों ने प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन देकर समस्याओं के समाधान की मांग की। आज कई सामाजिक संगठनों ने हड़ताल का समर्थन किया।

कलेक्ट्रेट स्थित मालवीय आवास गृह पर 36 दिन से आशा कर्मियों की हड़ताल जारी है। आज 37वें दिन भी आशा बहने हड़ताल पर रहीं। जिलाध्यक्ष जौली वैश्य ने कहा कि इतने दिन से आंदोलन जारी है पर सरकार सिर्फ आंदोलन को तोड़ने की साजिश के अलावा कुछ नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि हम अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग कर रहे हैं। बापू के बताए रास्ते पर चलते हुए 37 दिन बिताए हैं। फिर भी सरकार बहरी बनी बैठी है। जौली वैश्य ने कहा कि 21 जनवरी को अम्बेडकर की प्रतिमा तक मार्च निकाला जाएगा। इस मौके पर नीलम सक्सेना, तुलसा, वंदना, उषा देवी, हंसमुखी, शारदा देवी, सितारनी, सुधा, प्रतिभा, पिंकी, धीरज देवी ने भी संबोधित किया।

सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत किया जागरूक

कार्यक्रम में मौजूद छात्र-छात्राएं। ● अमृत विचार

संवाददाता, दातागंज

अमृत विचार : प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित सड़क सुरक्षा माह के तहत दातागंज के रामपाल सिंह सत्यवती देवी महाविद्यालय में जन जागरूकता अभियान चलाया गया।

यहां आयोजित संगोष्ठी में छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा के नियम अपनाने को प्रेरित किया गया। सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा अभियान के जनपद प्रभारी डॉ. राकेश कुमार जायसवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में छात्रों से कहा कि यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने से सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने और चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट बांधने की सलाह दी। साथ ही, ड्राइविंग के दौरान नशे से पूरी तरह दूर रहने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि सड़क हादसों में घायल व्यक्ति को एक घंटे के अंदर उचित इलाज मिल जाए तो उसकी जान बचाई जा सकती है। भारत सरकार की 'राहवीर योजना का प्रचार-प्रसार आवश्यक है, ताकि युवा वर्ग जागरूक होकर घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचा सके ।कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक प्रदीप कुमार सिंह, मदन तोमर, ब्रजनन्दन पाठक, अभिनव सक्सेना, इमरान अहमद , मोहम्मद आमिर सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

मौसम | चार डिग्री सेल्सियस बढ़ा तापमान, दो दिन से खिल रही है धूप, समय पर पहुंच रहे कामकाजी लोग

धूप खिलने के बाद मौसम हुआ सुहाना, मिली राहत

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- 24 घंटे में अधिकतम तापमान 24 से बढ़ कर 27 डिग्री, न्यूनतम तापमान 4 से बढ़कर 8 डिग्री सेल्सियस पहुंचा

जिला अस्पताल के पार्क में धूप का आनन्द लेते लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचारः मौसम का मिजाज पिछले दो दिनों से बदला हुआ है। सुबह से ही मौसम साफ हो रहा है। चटक धूप खिल रही है। मौसम में आए बदलाव के कारण 24 घंटे में तापमान 4 डिग्री सेल्सियस बढ़ने से गलन से राहत मिली है। अधिकतम तापमान 24 से बढ़कर 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 4 से बढ़कर 8 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। कृषि विभाग के अधिकारी इसे पश्चिम विक्षोभ का प्रभाव बता रहे हैं। दो से तीन दिन में बारिश की भी संभावना व्यक्त कर रहे हैं। तापमान में आई बढ़ोत्तरी के चलते बाजारों में भी चहल पहल अधिक हो गई है। साथ ही कामकाजी लोग भी समय पर अपने ऑफिस पहुंच रहे हैं।

दो दिनों से तापमान में हो रही बढ़ोतरी से लोगों को कड़ाके की ठंड और गलन से राहत मिली है। तापमान में बढ़ोतरी का असर सुबह-शाम की ठंड पर देखने को मिल रहा है। मंगलवार को सुबह से ही मौसम साफ रहा। सूरज ने अपने निर्धारित समय पर किरणें आसमान में बिखेर दीं। दिन में खिली के साथ ही रह-रहकर बादल भी दिखे। धूप निकलने से सड़कों, खेतों और खुले स्थानों में हल्की गर्माहट महसूस की गई। लोग भारी और गरम कपड़ों को उतार कर पार्कों और घरों की छतों पर धूप सेंकते दिखाई दिए। बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर भी चहल-पहल रही। कृषि अधिकारी मनोज कुमार रावत ने बताया कि दूसरा पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। जिसकी वजह से तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। रात का तापमान भी बढ़ने लगा है। अभी एक दिन पूर्व तक रात का तापमान 4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। जिसमें चार डिग्री सेल्सियस का उछाल दर्ज किया गया। रात का न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस और दिन का तापमान 27 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा है। हालांकि, सुबह और देर रात अब भी हल्की ठंड बनी हुई है। कृषि अधिकारी ने बताया कि मौसम विभाग द्वारा बारिश की संभावना व्यक्त करते हुए अलर्ट जारी किया है। बारिश होने के बाद फिर से मौसम में उतार चढ़ाव देखने को मिलेगा।

सरसों की फसल पर हो सकता है कीट का हमला : तापमान तेजी से बढ़ रहा है। न्यूनतम तापमान में चार और अधिकतम तापमान में दो दिनों के अंदर 7 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोत्तरी हुई है। दिन में खिल रही धूप की वजह से सरसों की फसल पर माहू कीट लगने की संभावना अधिक हो गई है। कृषि अधिकारी ने किसानों को सतर्क रहने के लिए कहा है।

दलहनी-तिलहनी फसलों के अनुकूल बना तापमान

दो दिनों से मौसम सुहाना बना हो रहा है। दिन में खिल रही धूप दलहनी और तिलहनी फसलों के लिए अनुकूल हो गया है। कृषि अधिकारी ने बताया कि यह मौसम सरसों और चने की फसलों के लिए बहुत उपयुक्त है। मौसम साफ होने से फसलों की बढ़वार होगी। लेकिन गेहूं की फसल को दिन में खिल रही धूप नुकसानदायक हो सकती है। इससे खेतों की नमी चली जाएगी। नमी जाने से फसल प्रभावित होगी। कृषि अधिकारी ने किसानों से गेहू फसल की सिंचाई करते रहने की अपील की है।

चोला चढ़ाकर किया बालाजी का श्रृंगार

बिल्सी, अमृत विचार : तहसील रोड स्थित बालाजी भक्ति धाम पर श्री बालाजी भक्त मंडली के पदाधिकारियों ने मंगलवार को हनुमान जी पर चोला चढ़ाकर विशेष श्रृंगार किया गया। बाद में भोग लगाकर प्रसाद वितरण किया। इधर, मोहल्ला संख्या चार सिरासौल रोड स्थित श्री संकट मोचन दरबार में महंत संजय शर्मा और भक्तों ने बालाजी महाराज का भव्य श्रृंगार कर विशेष चोला चढ़ाया। इसके बाद यहां बाबा के भक्तों ने पूजा-अर्चना की। यहां हनुमान चालीसा का पाठ और अन्य धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। वहीं गुधनी-खौसारा स्थित बलदेव धाम पर भी भक्तों ने बाबा का श्रृंगार कर पूजा-अर्चना की।

बाला जी पर भक्तों ने चढ़ाया चोला।

धर्म के हैं चार पैर - दया सत्य, दान और शुचिता

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

कथा सुनाते व्यास आचार्य गोपाल शरण।

अमृत विचार : शहर के मोहल्ला कृष्णापुरी के श्रीजी रिसोर्ट में चल रही भागवत कथा के चौथे दिन कथा व्यास आचार्य गोपाण शरण ने कहा कि दया, सत्य, दान और शुचिता धर्म के चार पैर हैं। कलियुग में दया, शुचिता और सत्य यह तीन पैर टूट चुके हैं। थोड़ा बहुत दान बचा है। इसलिए हमारे धर्म का प्रसार हो रहा है। कथाएं समाज को हमारी संस्कृति से जोड़े रखती हैं।

श्री राधा कृष्ण सेवा समिति के आयोजन कथा व्यास ने समझाया परमात्मा ही पूर्ण है और संसार अपूर्ण है। सांसारिक लोगों के मन में अपूर्णता बनी रहती है। व्यक्ति को भगवान ने जितना दिया है उसी को पूर्ण मानकर संतुष्ट रहना चाहिए। कथा में रामावतार के प्रसंगों का व्यास जी द्वारा सुंदर वर्णन किया गया। चंद्रवंश की कथा सुनाते हुए कहा कि जब धरती पर धर्म की हानि होती है, अधर्म बढ़ने लगता है, तब धर्म की रक्षा करने के लिए इस धरा धाम पर भगवान का अवतार होता है। राम और कृष्णावतार परमात्मा के पूर्ण अवतार हैं। संचालन कामेश पाठक ने संभाला। पूजन पंडित उमेश शास्त्री ने कराया। मूल पाठ पर पंडित उमेश शास्त्री रहे। समिति अध्यक्ष विनोद कुमार मिश्र, सचिव केएल गुप्ता, एमपी शर्मा, ग्रीश चंद्र पाराशर, मुन्ना लाल शर्मा, विश्वनाथ शर्मा, रामवीर शर्मा, दिनेश चंद्र मिश्र आदि का योगदान रहा।

न्यूज ब्रीफ

बंद मकान में अलमारी के ताले तोड़कर रुपये और जेवर चोरी

संवाददाता, ओरछी,अमृत विचार : फैजगंज बेहटा थाना क्षेत्र के आसफपुर चौकी क्षेत्र में बदमाशों के हौसले बुलंद हैं। सोमवार रात रात चोरों ने गांव भोजपुर में एक बंद मकान को निशाना बनाया। घर की अलमारी के ताले तोड़कर करीब 50 हजार रुपये की नकदी और लाखों के सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। घर के मालिक ने पुलिस को तहरीर दी है। गांव निवासी महावीर सिंह पुत्र रामेश्वर सिंह ने बताया कि वह गांव के पास ईंटों के भट्टे पर रात में ड्यूटी करते हैं। उनकी पत्नी रिश्तेदारी में गई थीं। जिसकी वजह से घर बंद था। रात में चोर जीने से होकर घर में घुसे। कमरों के कुंडे काटकर अलमारी में रखे रुपये, चांदी की दो जोड़ी पाजेब, सोने के एक जोड़ी कुंडल व अंगूठी, चांदी का बिछुआ आदि चोरी कर लिए। वह सुबह घर आए तो सामान बिखरा पड़ा था। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस की गश्त में सुस्ती की वजह से चोरी हो रही हैं। कहा कि अगर घटनाओं का खुलासा नहीं हुआ तो वह अधिकारियों से शिकायत करेंगे। चौकी प्रभारी रामकुमार ने बताया कि चोरी की जानकारी मिली है। जांच की जा रही है।

ग्राम प्रधान ने जरूरतमंदों को वितरित किए कंबल

विजय नगला, अमृत विचार : विकास क्षेत्र सालारपुर क्षेत्र के गांव मलिकपुर के पंचायत घर पर जरूरतमंदों को ग्राम प्रधान मीर सिंह की पहल पर कंबल वितरित किए गए। मुख्य अतिथि थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह कंबल बांटे। उन्होंने कहा कि प्रधान ने बहुत ही अच्छा कार्य किया है। जहां गरीब महिला और पुरुषों को ठंड से बचने के लिए कंबल दिए। उन्होंने लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि अगर कहीं कोई घटना हो या संदिग्धता प्रतीत हो तो पुलिस को सूचित करें। पुलिस से घबराना नहीं है। पुलिस लोगों की सुरक्षा के लिए हमेशा तैयार है। इस मौके पर गांव के प्रधान पति धीरेन्द्र सिंह, उप निरीक्षक संजीव कुमार, यादराम, आदेश शर्मा, मनोज कुमार आदि उपस्थित रहे।

दो बाइकों की भिड़ंत में युवक की मौत

निघासन, अमृत विचार : थाना पढुआ क्षेत्र के गांव पचासा सुजानपुर निवासी बाबूराम का 32 वर्षीय बेटा नीरज सोमवार की शाम बाइक से काम कर घर वापस लौट रहा था। मृतक के चाचा पुत्तू लाल ने बताया कि पास के ही गांव का एक बाइक सवार युवक और नीरज की बाइक आपस में भिड़ गई। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल इलाज के लिए लाया गया। जहां नीरज की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि दूसरे घायल युवक का इलाज जारी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिवार वालों को सौंप दिया है।

खतौनियों में अंश निर्धारण को जिले की सभी तहसीलों में चलेगा अभियान

खतौनी में खातेदार या सह-खातेदार के अंश गलत दर्ज होने से भूमि स्वामी थे परेशान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- खतौनियों में वर्षों से चली आ रही गलतियों को दूर करने के लिए जिले में 15 मार्च तक चलेगा अभियान

अमृत विचार: खतौनी में खातेदार और सह-खातेदार के दर्ज गलत अंश निर्धारण से किसानों को अधिक दिक्कत हो रही थी। लेकिन अब उनकी दिक्कतों पर विराम लगने जा रहा है। गलत अंश निर्धारण की वजह से वर्षों से चली आ रही परेशानियों को हल करने के लिए जिले में अभियान चलाया जाएगा और खतौनियों की गलतियों को दूर किया जाएगा। अभियान की शुरुआत हो चुकी है। यह अभियान 15 मार्च तक चलेगा। अभियान के तहत अंश निर्धारण में हुई गड़बड़ियों, लोप और त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियों को ठीक किया जाएगा।

खतौनियों में गलत अंश निर्धारण की समस्या वर्षों पुरानी है। गलत अंश निर्धारण की वजह से किसानों को परेशान होना पड़ रहा है। अंश निर्धारण में हुई त्रुटियों को दुरुस्त कराने के लिए किसान तहसीलों के चक्कर काटते काटते थक चुके हैं। लेकिन अब उन्हें परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। शासन की ओर से अंश निर्धारण में हुई त्रुटियों को दूर करने के आदेश दिए हैं। कहा है कि विशेष अभियान चलाकर इसे दूर किया जाए। शासन से मिले आदेश पर डीएम अवनीश कुमार राय ने रोस्टर जारी कर दिया है। अभियान की शुरुआत सभी तहसीलों में हो चुकी है। यह अभियान 15 मार्च तक चलाया जाएगा। इस संबंध में

डीएम ने बताया कि रोस्टर के छह चरण निर्धारित किए गए हैं। पहले चरण में सात दिन कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। दूसरे चरण में लेखपाल द्वारा ग्राम पंचायत में बैठक की जाएगी। इसमें भूलेख खतौनी अंश त्रुटि सुधार पर अपलोड किया जाएगा, जिसकी समय सीमा 15 दिन रखी गई है। तीसरे चरण में लेखपाल द्वारा आवेदन की जांच की जाएगी। फिर अगले चरण में तहसीलदार आवेदनों की जांच करेंगे। अगले चरण में अमलदरामद किया जाएगा। जिसके लिए तीन दिन का समय निर्धारित किया गया है।

तय रोस्टर के तहत सभी तहसील में होगी कार्रवाई

डीएम के निर्देशों अनुसार अभियान छह चरणों में चलाया जा रहा है। जिले की सभी तहसीलों में तय रोस्टर के कार्रवाई की जाएगी। पहला चरण 22 जनवरी तक चलाया जा रहा है। जिसमें प्रत्येक ग्राम पंचायत में लेखपाल, भू-प्रबंधन समिति और प्रधान की मौजूदगी में खातेदारों और सह-खातेदारों के अंश खुले मंच पर पढ़े जा रहे हैं। जिसमें पकड़ में आने वाली गलतियों को दर्ज किया जा रहा है। इसके बाद किसानों को आपत्ति दर्ज कराने का अवसर मिलेगा। डीएम ने बताया कि यह अभियान औपचारिकता नहीं बल्कि खातेदारों के अधिकारों की सुरक्षा का अभियान है। इसकी साप्ताहिक समीक्षा भी की जाएगी और तय समय-सीमा में कार्रवाई पूरी न होने पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी भी तय की जाएगी।

> खतौनी में खातेदार और सह-खातेदार के दर्ज गलत अंश निर्धारण के लिए अभियान शुरू करा दिया है। सभी एसडीएम को आदेश जारी कर दिए गए हैं। चरणबद्ध अभियान चल रहा है। प्रयास रहेगा कि खतौनियों में दर्ज गलत अंश को सही कराया जाए। अगर किसी अधिकारी कर्मचारी द्वारा इस कार्य में लापरवाही बरती जाती है तो उसके खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी।
> **-अवनीश कुमार राय,** जिला अधिकारी

पोर्टल पर होगा अशुद्धियों का सुधार

डीएम ने बताया कि अभियान के दौरान भूलेख खतौनी में मिलने वाली अशुद्धियों का सुधार पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा। साथ ही न्यायालय में दर्ज मामलों की सूचना भी सार्वजनिक की जाएगी। जिससे खातेदार तय रोस्टर के अनुसार समय पर उपस्थित होकर अपनी बात रख सकें।

प्रत्येक माह में रोस्टर के अनुसार कार्यक्रम आयोजित किए जाने की जिम्मेदारी सभी तहसीलों के एसडीएम को दी गई है।

उझानी मंडी से 130 कट्टा धान चोरी

मंडी गेट पर धरना प्रदर्शन करते आढ़ती। ● अमृत विचार

संवाददाता, उझानी

- व्यापारियों ने किया प्रदर्शन तब मौके पर पहुंची पुलिस, कार्रवाई का दिया आश्वासन

अमृत विचार: कृषि उत्पादन मंडी समिति से बीती सोमवार की रात 130 कट्टा धान चोरी हो गया। जिसकी जानकारी मंगलवार को सुबह आढ़तियों को हुई। इसके बाद आढ़तियों ने मंडी का गेट बंद कर विरोध प्रदर्शन किया। आढ़ती मंडी सचिव और चौकीदार पर चोरी का आरोप लगा रहे थे। आढ़तियों के धरना प्रदर्शन किए जाने की जानकारी पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने चोरी की घटना में ठोस कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया। इसके बाद आढ़ती शांत हुए। वहीं पुलिस ने आढ़ती से मिलती तहरीर के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है।

गल्ला व्यापारी नितिन कुमार ने बताया कि उनके द्वारा खरीदा गया धान मंडी स्थित टिनशेड में लगा हुआ है। रात के समय अज्ञात चोर 130 धान का कट्टा चोरी कर वाहन से ले गए। जिसकी जानकारी उन्हें अगले दिन मंगलवार को मंडी पर पहुंचने पर हुई। चोरी की घटना से उनके द्वारा अन्य गल्ला व्यापारियों को अवगत कराया। मंडी समिति में सुरक्षा व्यवस्था होने और सीसीटीवी लगे के होने के बाद भी चोरी की घटना होने पर व्यापारी आक्रोशित हो गए। उन्होंने मंडी समिति का गेट बंद कर दिया। इसके बाद वह मंडी सचिव के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। आढ़तियों का आरोप है कि रात के समय चौकीदार की ड्यूटी मंडी में रहती हैं। साथ ही गेट पर सुरक्षा गार्ड भी तैनात रहते हैं।

इसके बाद भी चोरी होना आश्चर्यजनक बात है। व्यापारी मंडी सचिव और चौकीदार पर चोरी कराने का आरोप लगा रहे थे। मंडी समिति गेट पर गल्ला व्यापारियों के द्वारा चोरी की घटना को लेकर किए जाने विरोध प्रदर्शन की जानकारी मिलने पर कोतवाली पुलिस वहां पहुंची। कोतवाली प्रभारी प्रवीण कुमार ने विरोध प्रदर्शन कर रहे आढ़तियों को जल्द घटना का खुलासा करने और ठोस कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया। इसके बाद व्यापारी शांत हुए।

भूमि विकास बैंक चुनाव में कायम रहा भाजपा का वर्चस्व

- भाजपा के सभी आठ प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित, पदाधिकारियों का फूल माला पहनाकर स्वागत

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: मंगलवार को जिले की सभी आठ भूमि विकास बैंक अध्यक्ष पद का चुनाव संपन्न हुआ। जिसमें भाजपा का वर्चस्व कायम रहा। पार्टी के द्वारा नामित किए गए सभी प्रत्याशी निर्विरोध चुने गए। प्रत्याशियों के निर्विरोध चुने जाने पर भाजपा विधायक और पदाधिकारियों ने उनका फूल माला पहनाकर स्वागत किया। वहीं समर्थकों ने खुशी का इजहार करते हुए मिठाई बांटी।

मंगलवार को जिले में संचालित सभी 8 सहकारी भूमि विकास बैंक शाखाओं में अध्यक्ष पद के लिए चुनाव हुआ। अध्यक्ष पद के चुनाव में भाजपा द्वारा नामित किए गए प्रत्याशियों के अलावा अन्य किसी भी पार्टी के द्वारा प्रत्याशी घोषित नहीं किया गया था। एक मात्र भाजपा के प्रत्याशी होने के चलते अन्य किसी ने नामांकन पत्र नहीं दाखिल किया। एक मात्र प्रत्याशी द्वारा नामांकन दाखिल होने पर सभी को निर्विरोध घोषित कर दिया गया। सभी बैंकों के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी निर्विरोध घोषित होने पर भाजपा जिला अध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता ने पार्टी कार्यालय पर कार्यक्रम का आयोजन कर बधाई दी। वहीं समर्थकों ने खुशी का इजहार करते हुए मिष्ठान का वितरण किया।

दातागंज विधायक राजीव कुमार सिंह की उपस्थिति में नामांकन दाखिल करते घनेन्द्र पाल।

घनेन्द्र पाल सिंह बने बैंक अध्यक्ष

दातागंज,अमृत विचार : उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड शाखा दातागंज के अध्यक्ष पद के लिए घनेन्द्र पाल सिंह ने एकल नामांकन पत्र दाखिल किया है। नामांकन पत्र क्षेत्रीय विधायक राजीव सिंह एवं भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के साथ दाखिल किया। अन्य उम्मीदवार ने नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया। अन्य प्रत्याशी द्वारा नामांकन न किए जाने पर घनेंद्र पाल सिंह निर्विरोध चुने गए। निर्विरोध होने पर वरिष्ठ भाजपा नेता विनय कुमार सिंह एडवोकेट एवं भाजपा के समर्थकों ने फूल माला पहना कर घनेंद्र पाल सिंह को बधाई दी।

सोनू सिंह को बधाई देते विधायक हरीश शाक्य। ● अमृत विचार

बैंक शाखा प्रतिनिधि पद पर सोनू सिंह निर्विरोध

संवाददाता, बिल्सी ,अमृत विचार : नगर की उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड के शाखा प्रतिनिधि पद के लिए सोनू सिंह निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। भारतीय जनता पार्टी की ओर से सिरासौल निवासी सोनू सिंह ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। निर्धारित समय में केवल एक ही नामांकन पत्र प्राप्त हुआ। इस कारण सोनू सिंह का निर्विरोध निर्वाचन हो गए। भाजपा विधायक हरीश शाक्य सहित कई भाजपा कार्यकर्ताओं ने सोनू सिंह को निर्विरोध निर्वाचित होने पर बधाई दी। कार्यकर्ताओं ने फूल-माला पहनाकर उनका स्वागत किया। इस मौके पर बीडीओ शैली गोविल, भाजपा संगठन के प्रदेश मंत्री डी पी भारती, पूर्व चेयरमेन ओमप्रकाश सागर, आदित्य माहेश्वरी, अर्जुन सिंह चौहान, गोपाल शाक्य आदि रहे।

प्रत्याशी रामवीर शर्मा अपना नामांकन दाखिल करते हुए। ● अमृत विचार

इस्लामनगर शाखा के अध्यक्ष बने रामवीर शर्मा

इस्लामनगर,अमृत विचार : उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड शाखा इस्लामनगर के शाखा अध्यक्ष प्रतिनिधि पद के लिए मंगलवार को नामांकन प्रक्रिया संपन्न हुई। इस दौरान भाजपा समर्थित प्रत्याशी रामवीर शर्मा ने ब्लॉक परिसर पहुंचकर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन पूर्व विधायक कुशाग्र सागर और डीसीबी चेयरमैन रविन्द्र पाल सिंह की मौजूदगी में किया गया। अन्य प्रत्याशी द्वारा नामांकन पत्र दाखिल न किए जाने पर रामवीर शर्मा निर्विरोध चुने गए। उनके निर्विरोध होने पर समर्थकों में उत्साह का माहौल देखा गया। इस मौके पर हितेंद्र शंखधार, संदीप चौहान, मनोज शर्मा, टीटू, पंकज राणा सहित अन्य लोग शामिल रहे।

देवेंद्र कश्यप का स्वागत करते भाजपा पदाधिकारी। ● अमृत विचार

देवेंद्र कश्यप के अध्यक्ष बनने पर समर्थकों में खुशी

संवाददाता, म्याऊं,अमृत विचार : ब्लॉक परिसर में मंगलवार को भूमि विकास बैंक अध्यक्ष पद के लिए भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र कश्यप ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। दोपहर करीब एक बजे देवेंद्र कश्यप समर्थकों के साथ विकासखंड कार्यालय पहुंचे और मीटिंग हॉल में मौजूद चुनाव अधिकारी को नामांकन सौंपा। इनके अलावा अन्य किसी प्रत्याशी ने नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया। देवेंद्र कश्यप निर्विरोध चुने गए। उनके निर्विरोध चुने पर समर्थकों ने खुशी जाहिर की है। इस मौके पर भाजपा जिला महामंत्री शारदाकांत उर्फ सीकू भैया, रमेश चंद्र शाक्य, राजकुमार भारद्वाज, अनुरोध गुप्ता, गोविंद गुप्ता, अनुज शर्मा आदि उपस्थित रहे।

नेपाल कॉन्फ्रेंस में प्रतिभाग कर लौटे शोधार्थी अफसार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अफसार अहमद को सम्मानित करते आयोजक।

अमृत विचार: रसायन विज्ञान के प्रवक्ता व रोहिलखंड विश्वविद्यालय के शोधार्थी अफसार अहमद ने नेपाल में आयोजित दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस में प्रतिभाग किया। जिसमें उन्होंने अपने शोध कार्य को पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विभिन्न देशों के वैज्ञानिकों व अन्य शोधार्थी के समक्ष प्रस्तुत किया।

कॉन्फ्रेंस का आयोजन नेपाल में स्थित ऐश्वर्या मल्टीप्ल केंपस के द्वारा नेपाली यूजीसी की सहायता के माध्यम से किया गया। कांफ्रेंस का शीर्षक इमर्जिंग ट्रेंड्स इन साइंस, टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट प्रैक्टिस था। कॉन्फ्रेंस में विभिन्न देशों से आए वैज्ञानिकों व शोधार्थियों ने विभिन्न शीर्षकों पर अपने-अपने शोध कार्य को प्रस्तुत किया। अफसार अहमद ने एंटीमलेरियल ड्रग्स के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि मौजूदा मलेरिया के ड्रग्स के प्रति प्लाज्मोडियम परजीवी ने प्रतिरोधक क्षमता उत्पन्न कर ली है। जिससे मौजूदा ड्रग्स का असर कम हुआ है। जिससे मलेरिया दूर करने में दिक्कतें आ रही हैं। उनका शोध कार्य नई ड्रग बनाने, परजीवी प्रतिरोधक क्षमता कम करने पर है, ताकि दवा असर करे।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

NOTICE
I solely informed that my Son Prashant Kumar Rana S/o Karan Singh Rana but in school record my name is Karan Singh and his mother's name is Savitri Devi instead of Savitri Devi Rana. please it is read as Prashant Kumar Rana S/o Karan Singh Rana and his mother's name is Savitri Devi. Karan Singh Rana S/o Sadhu Ram Rana resident & village and P/O Dhakhiya Tahsil paliya Kalan District Lakhimpur kheri, Uttar. Pradesh.

NOTICE
To be informed in my D L No. UP25 20160017379 my name & fathers name wrongly entered as Asiv S/o Mohd Yaseen but correet my name & father name is Mohd Asif Ali S/o Yaseen. For all futures purpose, Add, Kargaina Post. Kareli Dist. Bareilly (UP).

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम हाईस्कूल अंकपत्र एवं प्रमाण पत्र में ऋषि कुमार गुप्ता दर्ज हो गया है जबकि आधार कार्ड और अन्य दस्तावेजों में ऋषि गुप्ता है, जो सही है। भविष्य में मुझे ऋषि गुप्ता नाम से जाना व पहचाना जाए। **ऋषि गुप्ता पुत्र महेंद्र कुमार गुप्ता निवासी मोहल्ला रानीगंज शहर लखीमपुर खीरी।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अपने सगे पुत्र मो. जाहिद व पुत्रवधू शमा को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर सम्बन्ध विच्छेद कर लिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **रसीतन पत्नी मरहूम शेर मोहम्मद निवासी- 283/4, एजाजनगर गौटिया, थाना बारादरी, जिला बरेली**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

स्वयं सेविकाओं ने गांव में चलाया सफाई अभियान

बदायूं, अमृत विचार: पार्वती आर्य कन्या इंटर कॉलेज द्वारा राष्ट्रीय सेवा शिविर चल रहा है। पांचवा दिवस स्वच्छता अभियान के रूप में मनाया गया। छात्राओं ने गोद लिए गांव में साफ सफाई कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम अधिकारी किरन बाला ने स्वयं सेविकाओं को स्वच्छता के महत्व को समझाया। उन्होंने छात्राओं को अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ रखने की सलाहदी। कहा यदि आप स्वच्छ रहेंगे तो शरीर भी स्वस्थ रहेगा। स्वयं सेविकाओं को गोद लिये ग्राम नगला में ग्राम वासियों को स्वच्छता का महत्व समझाया। उन्हें सफाई रखने के लिए जागरूक किया। स्वयं सेविकाओं ने नगला गांव में माता के मंदिर परिसर को साफ करने के बाद धुलाई की। विद्यालय की प्रधानाचार्या अमिता आलोक ने डाक खाना से आई लक्ष्मी राठौर ने छात्राओं को महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम में मंजू पाल, नंदनी, खुशी, वर्षा,नीलम कश्यप, वैष्णवी, कीर्ति कृष्णा, रोहिणी, आरुषि, काजल आदि मौजूद रहीं।

माघ मेला में वॉटर वुमन ने दिया जल संरक्षण का संदेश

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- शिप्रा पाठक ने साधु-संतों के साथ निकाली पदयात्रा

अमृत विचार : माघ मेले के इतिहास में पहली बार पर्यावरण संरक्षण को केंद्र में रखकर एक नई और सार्थक पहल देखने को मिली। पंचतत्व संस्था के नेतृत्व में मेला क्षेत्र में पंचतत्व पर्यावरण कार्यालय की स्थापना कर जल, जंगल और जीवन के आपसी संबंध को रेखांकित किया गया। जल संरक्षण को लेकर पंचतत्व पर्यावरण पदयात्रा हुई। जिसमें साधु-संतों, श्रद्धालुओं और आमजन के बीच पर्यावरण चेतना की अलख जगा दी। वॉटर वुमन के नाम से विख्यात शिप्रा पाठक ने प्रयागराज के हर्षवर्धन मार्ग स्थित पर्यावरण शिविर से संगम घाट तक सैकड़ों दंडी साधकों और संतों के साथ पदयात्रा निकाली। इस दौरान जल संरक्षण, वृक्षारोपण और स्वच्छता को लेकर जो संदेश दिया। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि अध्यात्म और पर्यावरण एक-दूसरे के पूरक हैं।

माघ मेला में साधु संतों के साथ पदयात्रा निकालतीं वॉटर वुमन शिप्रा पाठक।

माघ मेले में वॉटर वुमन ने साधना के साथ-साथ पर्यावरण चेतना को जोड़कर लोगों को आत्ममंथन के लिए प्रेरित किया। सवाल उठाया कि अगर त्रिवेणी की धारा स्वच्छ और सुरक्षित नहीं रहेगी तो आने वाले समय में कल्पवास, माघ मेला और महाकुंभ की परंपरा कैसे जीवित रह पाएंगी। शिप्रा पाठक ने एक करोड़ वृक्ष संकल्प से जुड़ने के लिए माघ मेले में आए तीर्थ यात्रियों को प्रेरित किया। तुलसी के पौधे वितरित किए। पॉलीथिन उपयोग न करने और घाटों को स्वच्छ रखने का आह्वान किया। संतों ने कहा कि गंगा केवल नदी नहीं, बल्कि जीवनदायिनी मां है। उसे स्वच्छ रखें। पीपलेश्वर महादेव के प्रबंधक हर-हर महादेव गुरु ने कहा कि वॉटर वुमन का कार्य अति महत्वपूर्ण है। भैरव मठ के महंत स्वामी श्रृंगेरी ने कहा कि जल है तो कल है। पदयात्रा का आरंभ गुरुकुल के विद्यार्थियों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के किया।

8 मार्च से 19 अप्रैल तक पुष्कर में दो सौ कुंडीय महायज्ञ करेंगे ब्राह्मण

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- ब्राह्मण धर्मशाला में अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण महासभा का कार्यक्रम आयोजित

अमृत विचार : अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में भगवान परशुराम ब्राह्मण धर्मशाला जोगीपुरा में ब्राह्मण महासभा का आयोजन किया गया। सभा में महामंडलेश्वर स्वामी प्रखर महाराज ने कहा कि गायत्री शक्तिपीठ पुष्कर महातीर्थ राजस्थान में 8 मार्च से 19 अप्रैल के मध्य 200 कुंडीय शत गायित्री पुरश्चरण महायज्ञ होगा। यह यज्ञ सिर्फ ब्राह्मणों के सहयोग से सम्पन्न होगा। उन्होंने बताया कि इस महायज्ञ में देश भर से एक करोड़ ब्राह्मण बंधु आहुतियां देंगे। ब्राह्मण समाज को एक रहने का संदेश दिया जाएगा।

स्वामी पूर्णानंद गिरी महाराज ने कहा कि ब्राह्मण एकता आज समय की जरूरत है। ब्राह्मण महासभा के संयोजक, अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भाजपा नेता पं अमन मयंक शर्मा ने कहा कि सरकार को भगवान परशुराम जन्मोत्सव के दिन सरकारी अवकाश घोषित करना चाहिए। सत्य बोलना, अन्याय का प्रतिकार करना और लोककल्याण के लिए निर्भीक खड़ा होना ही ब्राह्मणत्व है। यही सनातन परंपरा का मूल संदेश है। प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा बनवारी लाल पाठक ने कहा कि सनातन परंपरा में ब्राह्मण को समाज का मार्गदर्शक, विचारक और संतुलनकर्ता माना गया है। जहां ब्राह्मण एकत्र होता है, वहां ज्ञान, विवेक और चिंतन का मंथन होता है।

ब्राह्मण धर्मशाला में मंचासीन संत। ● अमृत विचार

अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री गौरव पाठक एवं दीपक पाठक ने कहा कि ब्राह्मणों के साथ कोई समस्या हो तो हम उनके साथ खड़े हैं। महासभा में पारित हुआ कि जनपद में दो लाख के लगभग ब्राह्मणों को जोड़ने के लिए 1000 की संख्या वाले 20 ब्राह्मण ग्रुप बनेंगे। किसी ब्राह्मण को समस्या होने पर उसके निदान के लिए सभी एकत्रित होंगे। भगवान परशुराम जन्मोत्सव शोभायात्रा उझानी, बिसौली, उसावां में निकल रही है। इसे बिल्सी , दातागंज, सहसवान में भी निकाला जाएगा, प्रत्येक विधानसभा, ब्लॉक स्तर, नगरपालिका, नगरपंचायत में शोभायात्रा निकाली जायेगी एवं परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम जिला पंचायत एवं ग्राम पंचायत में होगा।

कार्यक्रम में कौशल आनंद पाण्डेय, विपिन शर्मा, डा हरिओम शर्मा, राजीव कुमार शर्मा, तरुण शर्मा, आलोक उपाध्याय, गिरीश शर्मा, गौतम शर्मा, नितिन तिवारी, शिवकान्त शर्मा,अजय शर्मा, आशुतोष शर्मा, मुनेन्द्र शर्मा, गौतम मिश्रा, सुरेश शर्मा, सुरेंद्र उपाध्याय, मोहन शर्मा, दीपक पाठक, गोविंद शर्मा, रचना शंखधार, रजनी मिश्रा, संजीव तिवारी, लक्ष्मी नारायण उपाध्याय, अमन पाठक, सूरज पंडित, हर्ष सारस्वत, प्रियांशु शर्मा आदि रहे।

लोकजन संघर्ष पार्टी ने शुरू किया सत्याग्रह

केशवापुर, अमृत विचार: ब्लाक कुम्भी की ग्राम पंचायत बांसगांव में वार्ड 7 में पंचायत द्वारा आधे अधूरे कार्यों, रास्तों एवं विद्यालय के सेमल के पेंड़ों के अवैध कटान आदि कार्य को लेकर लोक जन संघर्ष पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रामनिवास शुक्ल ने सत्याग्रह शुरू कर दिया। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रामनिवास शुक्ल ने 14 जनवरी के ज्ञापन के अनुसार सत्याग्रह शुरू किया है। उन्होंने एसडीएम गोला प्रतीक्षा त्रिपाठी से धरना स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था तथा मौके के विकास कार्यों की जांच करवाने की मांग की है।

निर्वाचन कार्यों में लापरवाही पर सींच पर्यवेक्षक निलंबित

बरेली, अमृत विचार : कैंट विधानसभा क्षेत्र के सींच पर्यवेक्षक रुहेलखंड मनोज कुमार सिंह को निर्वाचन से जुड़े महत्वपूर्ण दायित्वों का सम्यक निर्वहन न करने के कारण निलंबित कर दिया है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने सींच पर्यवेक्षक रुहेलखंड मनोज कुमार सिंह को विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के दौरान सुपरवाइजर का कार्यभार सौंपा गया था। वे 18 और 19 जनवरी को आयोजित विशेष बूथ कैंप में फार्म-6 की प्रगति के बारे में पूछे जाने पर संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए और उनका बीएलओ पर पर्यवेक्षण भी निराशाजनक पाया गया। उनकी कार्यशैली पर सवाल उठे और उन्हें अपने कर्तव्य के प्रति पूरी निष्ठा नहीं दिखाने के लिए दोषी माना गया।

तेंदुए की मौजूदगी से वन विभाग के अधिकारियों ने किया इनकार

जंगल में सियारों के हमले का शिकार हुईं भेड़ें, हमले के बाद सक्रिय हुआ वन विभाग

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जनपद में मुजरिया थाने के गांव बितरोई में भेड़ों पर हमले के मामले में वन विभाग ने जांच शुरू कर दी है। जंगल में जानवरों के पगचिन्हों को देखने के बाद कहा कि जिले में तेंदुआ नहीं है। भेड़िए को लेकर संशय बना हुआ है। अब भेड़िए के पगचिन्ह तलाश किए जाएंगे।

जंगली जानवरों के पगचिन्ह देखते वन विभाग के कर्मचारी।

जांच में स्थानीय पुलिस की भी ली जा रही मदद

वन विभाग की टीम ने स्थानीय लोगों को आगाह किया है कि रात को अकेले बाहर खेतों पर न जाएं। यदि जरूरी हो तो कई लोग एक साथ बाहर जाएं जिससे किसी खतरे से निपटा जा सके। उन्होंने स्थानीय पुलिस से भी मदद मांगी है। पुलिस रात को रोड गश्त के दौरान ग्रामीणों के साथ रहेगी। मुजरिया पुलिस की ओर से रोड गश्त और तेज करने की बात कही गयी है।

थाना मुजरिया क्षेत्र के ग्राम बितरोई में सोमवार की रात को कुछ भेंड़ों पर किसी जंगली जानवर ने हमला कर दिया था जिसमें करीब आधा दर्जन भेड़ों की मौत हो गयी और दर्जन भर घायल हो गयी। मंगलवार को इस मामले की सूचना पर पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गयी। वन विभाग के सीओ विकास कुमार वरुण ने मौके पर देखा के भेड़ों के शरीर पर नुकीले दांतों के निशान हैं। कुछ भेड़ों का शरीर क्षत विक्षत पाया गया जबकि कुछ घायल भेड़ों के शरीर पर खरोच के निशान पाए गए। उक्त घटना के बाद बुधवार को वन विभाग की टीम ने बितरोई गांव के जंगल में जंगली जानवरों के पगचिन्ह खोजे। वन विभाग की टीम ने बताया कि इस क्षेत्र में तेंदुआ या भेड़िया नहीं है। यदि भेड़िया है तो उसके कहीं पर भी पगचिन्ह नहीं मिले हैं। फिर भी अगले तीन चार दिन तक इस इलाके में खोजबीन की जाएगी। ग्रामीणों की मदद ली जाएगी। रात को भी जंगल में टीम काम करेगी जिससे जंगली जानवरों के बारे में पता लगाया जा सके। सीओ विकास कुमार वरुण ने बताया कि भेड़ों पर हमला सियारों के झुंड ने किया है इसलिए आधा दर्जन भेड़ों की मौत हो गयी।

आईआईटी रुड़की ने अगली पीढ़ी का एंटीबॉडी खोज मंच विकसित किया

मुख्य संवाददाता, देहरादून

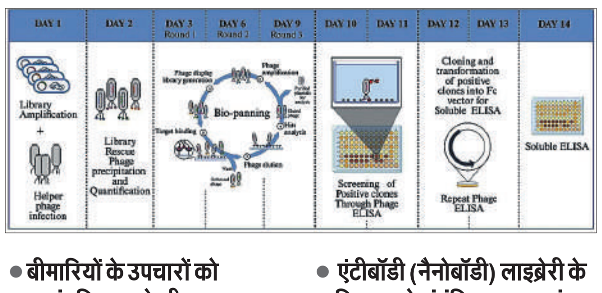

- बीमारियों के उपचारों को रूपांतरित करने की क्षमता
- एंटीबॉडी (नैनोबॉडी) लाइब्रेरी के विकास से संबंधित यह अनुसंधान

अमृत विचार: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की ने किफ़ायती स्वास्थ्य सेवा, महामारी की तैयारी और स्वदेशी जैवप्रौद्योगिकी नवाचार की दिशा में मंगलवार को एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है जिसके अंतर्गत एक अगली पीढ़ी का एंटीबॉडी खोज मंच विकसित किया है, जहां राष्ट्रीय और वैश्विक महत्व की बीमारियों के लिए निदान और उपचारों को रूपांतरित करने की क्षमता है।

आईआईटी रुड़की के वैज्ञानिकों के नेतृत्व में किया गया यह महत्वपूर्ण अनुसंधान एक अति विशाल, उच्च विविधता एकल डोमेन एंटीबॉडी (नैनोबॉडी) लाइब्रेरी के विकास से संबंधित है। यह मंच संक्रामक रोगों, कैंसर, स्वप्रतिरक्षी विकारों और उभरते रोगजनकों सहित व्यापक लक्ष्यों के विरुद्ध अत्यधिक स्थिर और उच्च आसक्ति एंटीबॉडी की तीव्र पहचान को सक्षम बनाता है।

> यह विकास दर्शाता है कि कैसे मौलिक अनुसंधान, अनुवादात्मक उद्देश्य और उद्योग सहयोग के साथ मिलकर तात्कालिक सामाजिक चुनौतियों का समाधान किया जा सकता है। आईआईटी रुड़की ज़िम्मेदार और प्रभावशाली स्वास्थ्य नवाचार के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में भारत की स्थिति को सुदृढ़ करने वाले समाधानों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। - प्रो . केके पंत, निदेशक, आईआईटी रुड़की

खोज समयसीमा को उल्लेखनीय रूप से कम करके यह नवाचार स्वास्थ्य प्रतिक्रिया में विशेष रूप से सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थितियों के दौरान एक महत्वपूर्ण अंतर को संबोधित करता है। आईआईटी रुड़की के जैवविज्ञान और जैवअभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर राजेश कुमार ने बताया कि, यह कार्य उस विज्ञान के प्रति आईआईटी रुड़की की प्रतिबद्धता को दर्शाता है जो प्रत्यक्ष रूप से समाज की सेवा करता है। भारत के भीतर एक सार्वभौमिक, उच्च विविधता एंटीबॉडी खोज प्रणाली विकसित करके, हम तेज़ रोग प्रतिक्रिया के लिए राष्ट्रीय क्षमताओं को सुदृढ़ कर रहे हैं और किफ़ायती निदान और उपचारों के विकास को गति दे रहे हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेंडरिंग निविदा सूचना सं. 06/2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मंडल रेल प्रबन्धक (इंजी.) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेंडरिंग) के माध्यम से ''खुली'' निविदा आमंत्रित करते हैं :

क्र. सं. : 1, कार्य का विवरण : (1) इज्जतनगर मंडल में वमइं/II के अधिकार क्षेत्र में एन.एस.जी.-3 से एन.एस.जी.-6 स्टेशनों पर दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं का प्रावधान। (2) इज्जतनगर मंडल में वमइं/II के अधिकार क्षेत्र में समपारों पर ओवरहेड टैंक के साथ टैप वॉटर की आपूर्ति का प्रावधान (20% सौर पैनल सहित), **अनुमानित लागत** : रु. 6,82,90,538.88, **बयाना राशि** : रु. 4,91,500/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य** : शून्य, **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि** : 12 माह। **क्र. सं. : 2, कार्य का विवरण :** कानपुर-अनवरगंज-मथुरा अनुभाग में स्वीकृत ट्रैक नवीनीकरण कार्यों के अंतर्गत इन-सीटू ग्लूड जॉइंट्स का प्रावधान, **अनुमानित लागत** : रु. 1,26,55,484.58, **बयाना राशि** : रु. 2,13,300/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य** : शून्य, **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि** : 12 माह।
1. ई-निविदा दिनांक 13.02.2026 को 15.00 बजे तक आनलाइन जमा कर सकेंगे।
2. ई-निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

मंडल रेल प्रबन्धक (इंजी.) इज्जतनगर
मुजाधि/डब्ल्यू-421

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

अधिवक्ता ने चौकी इंचार्ज पर लगाए आरोप

बरेली, अमृत विचार : सुभाषनगर थाना क्षेत्र के अंगूरी गांव निवासी अधिवक्ता विशाल गोस्वामी ने बताया का आरोप है कि उन्होंने सुभाषनगर थाने के एक चौकी इंचार्ज पर आरोप लगाते हुए एसएसपी कार्यालय में शिकायत की है। शिकायत में कहा है कि चौकी इंचार्ज ने उनके भाई के खिलाफ गलत कार्रवाई कर दी। इसकी शिकायत उन्होंने 14 जनवरी को ऑनलाइन दर्ज कराई थी।

चार हजार किसानों के साथ 4 करोड़ की लूट का आरोप

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- भारतीय किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष ने मंडलायुक्त भूपेंद्र एस चौधरी को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार: मंडल के बरेली आदर्श एग्रोटेक कम्पनी लिमिटेड और शुभकीर्ति प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड से जुड़े किसानों ने मंगलवार को मंडलायुक्त भूपेंद्र एस. चौधरी को ज्ञापन दिया। किसानों ने आरोप लगाया कि बदायूं के थाना वजीरगंज के गांव बगरैन में उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम के गोदाम से लगभग चार हजार किसानों का दस हजार क्विंटल धान और गेहूं लूट लिया गया है। इसकी कीमत चार करोड़ रुपये है। किसानों ने आयुक्त से एसआईटी गठित करने की मांग की है और न्याय दिलाने की अपील की है। धरने को संबोधित करते हुए संयोजक डॉ हरीश गंगवार ने आरोप लगाया कि थाना प्रभारी की मिलीभगत से लूट हुई है।

भारतीय किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष राकेश गंगवार ने कहा कि बीजेपी सरकार किसानों का उत्पीड़न करती है। सत्याग्रह स्थल पर पहुंचकर कांग्रेज के जिलाध्यक्ष असफाक सकलैनी व महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा आदि ने समर्थन दिया। समर्थन की घोषणा कांग्रेस प्रवक्ता पंडित राज शर्मा ने की। विपिन पटेल, जगदीश शरन, खेम करन, प्रोफेसर यशपाल सिंह, जीतेन्द्र बाबू, राकेश गंगवार, जाहिद अली, अफसर अली, हरवंश पटेल, ओमपाल गंगवार, नारायण सिंह एवं लाल बहादुर गंगवार शामिल रहे।

गायन में शाहजहांपुर के प्रतिभागियों का जलवा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते शाहजहांपुर के प्रतिभागी। ● अमृत विचार

- संस्कृति उत्सव पर्व के तहत मंडल स्तरीय गायन, वादन व नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश पर्व- हमारी संस्कृति, हमारी पहचान संस्कृति उत्सव के तहत मंगलवार को सर्किट हाउस हॉल बरेली में मंडल स्तरीय गायन, वादन एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बरेली मंडल के विभिन्न जनपदों से आए 58 प्रतिभागियों ने भाग लेकर अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने एकल गायन, समूह गायन, एकल वादन, एकल नृत्य एवं समूह नृत्य जैसी विधाओं में मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। निर्णायक मंडल द्वारा मानक अंकों के आधार पर मूल्यांकन करते हुए एकल गायन में अर्पित अग्रवाल शहजहांपुर प्रथम, आरोही रावत बरेली द्वितीय, सोनू बरेली तृतीय स्थान पर रहे। समूह गायन में अर्पित अग्रवाल, पार्थ गुप्ता, आदित्य रत्नाकर, प्रियांशु शर्मा, जिज्ञासा श्रीवास्तव, दिव्या मिश्रा, कार्तिक सक्सेना, शाहजहांपुर प्रथम, द्रोपदी इंटर कालेज बरेली के अंकिता जौहरी, परिधि ओवराय, कामिनी मौर्य, खुशी मौर्य, गौरी, प्रिया, दिव्यांशी, अर्चना, द्वितीय, और राम भरोसे गर्ल्स इंटर कालेज बरेली के अन्या सिंह, परी, आकृति प्रजापति, उन्नति तृतीय स्थान पर रहे। एकल वादन तबला में हार्दिक चौधरी शाहजहांपुर प्रथम, बांसुरी में आयुष गुप्ता शाहजहांपुर द्वितीय, गिटार में रिषित सिंह बरेली तृतीय स्थान पर रहे। एकल नृत्य कथक में सृष्टि बरेली प्रथम, ढेडिया में खुशी बरेली द्वितीय, भजन नृत्य में हेमलता बरेली तृतीय, समूह नृत्य में हरियाणवी लोक नृत्य में साहू राम स्वरूप गर्ल्स डिग्री कालेज बरेली प्रथम, नृत्य नाटिका में स्याम सुंदर इंटर कालेज बरेली द्वितीय और लोक नृत्य कजरी में गुरूकुल सेवा ट्रस्ट शाहजहांपुर तृतीय स्थान पर रहे। विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का चयन प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया।

इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मंडलायुक्त भूपेन्द्र एस. चौधरी नेदीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस अवसर पर उप निदेशक पर्यटन रवीन्द्र कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. गिरीश चंद्र यादव और जीआईसी के प्रधानाचार्य ओम प्रकाश राय विशिष्ट अतिथि के रूप से उपस्थित रहे और विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। द्रोपदी कन्या इंटर कॉलेज बरेली की शिक्षिकाओं एवं छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना तथा महावीर प्रसाद इंटर कॉलेज द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम को सांस्कृतिक गरिमा प्रदान की गई। संचालन नरेन्द्र सक्सेना ने किया।

उम्मीद हाउसिंग फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड
CIN: U65922HR2016PTC057984
पंजीकृत कार्यालय: यूनिट नंबर 2009-14, 20वीं मंजिल, टॉवर-2, मैग्रम ग्लोबल पार्क, गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड, सेक्टर 58, गुरुग्राम-122011

अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु अनुवर्ती बिक्री सूचना

वित्तीय परिसंपत्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत नियम 8(5) के साथ पठित नियम 8(6) के अधीन अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु बिक्री सूचना।
एतद्वारा आम जन को तथा विशेष रूप से नीचे उल्लिखित तालिका में दर्शाए गए उधारकर्ता(ओं) एवं गारंटर(ओं) को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति, जो सुरक्षित ऋणदाता के पक्ष में बंधक/आवेशित है तथा जिसका **भौतिक कब्जा मेसर्स उम्मीद हाउसिंग फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड**, सुरक्षित ऋणदाता के अधिकृत अधिकारी द्वारा दिनांक **16.01.2026** को ऋण के असाइनमेंट के परिणामस्वरूप लिया जा चुका है, कंपनी की देयताओं की वसूली हेतु दिनांक **26.02.2026 को "जैसी है जहाँ है", "जैसी है जो है" तथा "जो कुछ भी है"** के आधार पर बेची जाएगी।

ज्ञात दायित्वों (यदि कोई हों) सहित अचल संपत्ति का विवरण:
समस्त वह भूमि एवं भवन का भाग, जो भूमि के भाग पर निर्मित एक आवासीय मकान है, प्लॉट संख्या 30 एवं 31 पर स्थित, जिसका क्षेत्रफल 83.61 वर्ग मीटर है, खसरा संख्या 63, ग्राम परतापुर चौधरी, तहसील एवं जिला बरेली, उत्तर प्रदेश में अवस्थित। **जिसकी सीमाएँ इस प्रकार हैं— पूर्व:** प्लॉट संख्या 38 एवं 39, राम प्रसाद का हॉल/मकान, **पश्चिम:** आराजी गुरदयाल सिंह, चमन लाल का प्लॉट, **उत्तर:** चमन लाल का मकान, जो गुरदयाल सिंह की आराजी पर निर्मित है, **दक्षिण:** 16 फीट चौड़ी सड़क, टकेचंद एवं लडैती देवी का मकान

उधारकर्ता और गारंटर का नाम और पता	1. नीलामी की तिथि और समय 2. ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि 3. संपत्ति निरीक्षण की तिथि और समय	1. आरक्षित मूल्य 2. संपत्ति का ईएमडी 3. बोली वृद्धि
1. सतीश कुमार, पुत्र राधेश्याम लाल (उधारकर्ता), 2. लता, पत्नी सतीश कुमार (सह-उधारकर्ता), 3. सौरभ कश्यप, पुत्र सतीश कुमार (सह-उधारकर्ता) उपरोक्त सभी का निवास पता: मकान संख्या 75/सी, रोड संख्या-07, गुड शेफर्ड स्कूल के निकट, कृष्णा नगर, बरेली, उत्तर प्रदेश-243122, **साथ ही पता:** इज्जतनगर रेलवे वर्कशॉप, रोड संख्या-7, इज्जतनगर, बरेली, उत्तर प्रदेश-243122 **ऋण खाता संख्या: LXBAR02923- 240025154, ऋण अनुबंध की तिथि: 28 मई 2023, ऋण राशि: ₹ 24,00,000/-, दिनांक 19-01-2026 तक कुल देय राशि: ₹ 25,20,591/- तथा 20-01-2026 से आगे का ब्याज एवं अन्य प्रभार अतिरिक्त देय।**	1) नीलामी की तिथि: 26.02.2026, समय: अपराह्न 12:00 बजे से 1:00 बजे तक (प्रत्येक बार 5 मिनट का असीमित विस्तार) 2) केवाईसी सहित ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि: 24.02.2026 को सायं 7:00 बजे तक (भा. मा. स.) 3) निरीक्षण की तिथि: 21.02.2026 को प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 4:00 बजे तक (भा. मा. स.)	1. आरक्षित मूल्य: ₹ 21,00,000/- 2. बयाना राशि: ₹ 2,10,000/- 3. बोली वृद्धि राशि: ₹ 15,000/- एवं इसके गुणकों में

स्थान : गुड़गांव, दिनांक : 21.01.2026
प्राधिकृत अधिकारी, गौरव त्रिपाठी मोबाइल- 9650055701
उम्मीद हाउसिंग फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड

हेड कांस्टेबल के खाते से उड़ाए 98 हजार

बरेली, अमृत विचार : साइबर ठगों ने इस बार पुलिसकर्मी को ही अपना शिकार बना लिया। हेड कांस्टेबल के खाते से पांच बार में ठगों ने 98 हजार रुपये निकाल लिए।

टेंट व्यवसायी अब अधिक सुविधाएं देंगे

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

टेंट व्यवसायियों के साथ चर्चा करते संगठन के जिलाध्यक्ष अशोक खुराना।

- शक्ति टेंट हाउस पर हुई जिला टेंट डेकोरेशन एसोसिएशन की बैठक

अमृत विचार : शक्ति टेंट हाउस पर जिला टेंट डेकोरेशन एसोसिएशन की बैठक हुई। टेंट व्यवसाय के माध्यम से जनमानस को ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं देने पर विचार विमर्श किया गया। व्यवसाय में मौसम के अवरोध, आपसी सहयोग, जिले में जीएसटी के लक्ष्य को बढ़ाने, रेट लिस्ट के निर्धारण और योग्य युवा टीम के चयन आदि विषयों पर चर्चा हुई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष अशोक खुराना ने नोएडा में होने वाले आगामी अधिवेशन की जानकारी दी। जिला महामंत्री मोतशाम सिद्दीकी ने पंडाल लगाते समय पूरी सावधानी बरतने के लिए आगाह किया। जिससे कोई हादसा न हो। जिला उपाध्यक्ष नवलेश गुप्ता ने सभी व्यवसायियों को सेवा भाव का कार्य करने वालों को निष्क्रिय लोग और निष्क्रियता से दूर रहकर प्रयत्नशील रहते हुए सामाजिक कार्यों में सहयोग देते रहने के लिए प्रेरित किया। नगर प्रमुख अख्तर अली ने प्राकृतिक अवरोध से संबंधित अपने अनुभव रखे। नगर महामंत्री स्वदीप मथुरिया ने समयबद्धता को टेंट व्यवसाय का प्राथमिक दायित्व बताते हुए इस पर ज्यादा ध्यान देने को कहा। विवेक खुराना ने धन्यवाद ज्ञापित किया। गोपेश शर्मा, मोहम्मद अफजाल, करन मौर्य, मुहम्मद तारिक, प्रेमचंद पाल, बीरू सागर, अमित शर्मा, अवधेश कुमार, मेंहदी हसन, मदनलाल, मोहम्मद जावेद, गुड्डू अंसारी, मुनेंद्र सिंह, मोहर सिंह, सूरज कश्यप, शिवकुमार आदि उपस्थित रहे।

एसआईआर से देश का आम नागरिक परेशान

एसआइआर के बारे में लोगों को जागरूक करते कांग्रेसी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : मंगलवार को कांग्रेस नेताओं ने कादरचौक ब्लाक के जलालपुर में एसआईआर जागरूकता मनरेगा बचाओ अभियान के अंतर्गत चौपाल आयोजित की। कार्यक्रम में कांग्रेस जिला प्रवक्ता उपासना चौहान, समाजसेवी विनोद यादव शामिल हुए।

पूर्व जिलाध्यक्ष ओमकार सिंह ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया से आमजन और बीएलओ सभी परेशान हैं, बड़ी संख्या में मतदाताओं को मताधिकार से वंचित किया गया है। बीएलओ ने फारूक भाई से कहा कि अगले शनिवार को अपने बूथ पर बीएलओ से संपर्क कर नाम जुडवाएं। मनरेगा कोऑर्डिनेटर सुनीता सिंह ने कहा मनरेगा योजना कांग्रेस सरकार ने लागू कर मजदूरों का पेट भरने का काम किया।

जिला उपाध्यक्ष उपासना चौहान ने कहा कि जनता त्रस्त है भाजपा सरकार मस्त है। जनता 2003 की वोटर लिस्ट खोजने में लगी है। समाज सेवी विनोद यादव ने कहा कि ईडी सीबीआई इनकम टैक्स, और चुनाव आयोग से भाजपा की कठपुतली बन चुके हैं। भाजपा के इशारे पर काम कर विपक्ष को परेशान कर रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव इगलास लास हुसैन ने किया। कार्यक्रम में ओमवीर, सोनपाल वर्मा, धीरेंद्र गुर्जर, मुस्लिम फारूक सूरज, रामदास गुर्जर, प्रेमपाल प्रजापति, धर्मदास, नरेंद्र कुमार, जहांगीर, सोमेंद्र गुर्जर, मुशीर मियां, धनुष पाल सिंह, राजेंद्र कुमार, सुरेंद्र सिंह, नबी अहमद, कामिल खान सहित अनेक ग्रामीण शामिल हुए।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
शारदा नहर खण्ड शाहजहॉपुर

ई-निविदा सूचना संख्या-04/अधि0अभि0/2025-26
(ई-टेंडरिंग के माध्यम से कराये जाने वाले कार्यो की निविदा)

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु ऑनलाइन http://etender.up.nic.in के माध्यम से निविदा, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग उत्तर प्रदेश में पंजीकृत ठेकेदार/फर्म से दिनांकः 30.01.2026 को पूर्वान्ह 10:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है, जो दिनांकः 30.01.2026 को पूर्वान्ह 11:30 बजे गठित समिति के समक्ष कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, शारदा नहर खण्ड, शाहजहॉपुर में ऑनलाइन खोली जायेगी। निविदा दिनांकः 24.01.2026 को अपरान्ह02:00 बजे से दिनांकः 30.01.2026 को पूर्वान्ह 10:30 बजे तक डाउनलोड/अपलोड की जा सकती है। कार्यालय बन्द होने अथवा छुट्टी होने की दशा में यह बिड अगले कार्यालय दिवस में उसी समय खोली जायेगी, अथवा अधोहस्ताक्षरी के कक्ष में अधोहस्ताक्षरी अथवा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा खोली जायेगी।

क्र0 सं0	लाट सं0	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	कार्य को पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र मूल्य (जी0एस0टी0+स्टेशनरी सहित)(रू0 में)	पंजीकृत श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	1	बमरौली ड्रेन के किमी0 0.000 से 12.000 तक सफाई का कार्य।	4.13	0.09	02 सप्ताह	(150+27+500)= 677.00	सी एवं उच्च
2	2	जमुनिया ड्रेन के किमी0 0.000 से 23.940 तक सफाई काकार्य।	8.02	0.17	02 सप्ताह	(225+41+500)= 766.00	सी एवं उच्च
3	3	बरेन्डा ड्रेन के किमी0 0.000 से 11.460 तक सफाई का कार्य।	3.84	0.08	02 सप्ताह	(150+27+500)= 677.00	सी एवं उच्च
4	4	जलालाबाद ड्रेन के किमी0 0.000 से 10.810 तकसफाई का कार्य।	3.63	0.08	02 सप्ताह	(150+27+500)= 677.00	सी एवं उच्च
5	5	नरायनपुर ड्रेन के किमी0 0.000 से 7.740 तक सफाई का कार्य।	2.59	0.06	02 सप्ताह	(150+27+500)= 677.00	सी एवं उच्च
6	6	गुमटा ड्रेन के किमी0 0.000 से 11.460 तक सफाई का कार्य।	3.84	0.08	02 सप्ताह	(150+27+500)= 677.00	सी एवं उच्च
7	7	बरखेड़ा ड्रेन के किमी0 0.000 से 9.450 तक सफाई का कार्य।	3.17	0.07	02 सप्ताह	(150+27+500)= 677.00	सी एवं उच्च
8	8	जौरा ड्रेन के किमी0 0.000 से 11.460 तक सफाई का कार्य।	3.84	0.08	02 सप्ताह	(150+27+500)= 677.00	सी एवं उच्च
9	9	भख्शी ड्रेन के किमी0 0.000 से 29.200 तक सफाई का कार्य।	29.50	0.60	02 सप्ताह	(300+54+500)= 854.00	बी एवं उच्च
10	10	डूंडा ड्रेन के किमी0 0.000 से 20.110 तक सफाई का कार्य।	6.74	0.14	02 सप्ताह	(225+41+500)= 766.00	सी एवं उच्च
11	11	देवतारा ड्रेन के किमी0 0.000 से 7.640 तक सफाई का कार्य।	2.56	0.06	02 सप्ताह	(150+27+500)= 677.00	सी एवं उच्च
12	12	निगोही ड्रेन के किमी0 0.000 से 7.440 तक सफाई का कार्य।	2.56	0.06	02 सप्ताह	(150+27+500)= 677.00	सी एवं उच्च
13	13	मरेना ड्रेन के किमी0 0.000 से 20.110 तक सफाई का कार्य।	6.81	0.14	02 सप्ताह	(225+41+500)= 766.00	सी एवं उच्च
14	14	खजुआ ड्रेन के किमी0 0.000 से 11.100 तक सफाई का कार्य।	3.72	0.08	02 सप्ताह	(150+27+500)= 677.00	सी एवं उच्च
15	15	भख्शी ड्रेन के किमी0 29.250 से 52.000 तक सफाई का कार्य।	20.51	0.42	02 सप्ताह	(300+54+500)= 854.00	सी एवं उच्च
16	16	गरई ड्रेन के किमी0 18.500 से 31.000 तक सफाई का कार्य।	12.04	0.25	02 सप्ताह	(225+41+500)= 766.00	सी एवं उच्च

यह निविदा/बिड सूचना उ0प्र0 सरकार की वेबसाइट http//etender.up.nic.in व सिंचाई विभाग की वेबसाइट http://irrigation.up.in पर उपलब्ध है, तथा निविदा से सम्बन्धित समस्त शर्ते वेबसाइट पर व कार्यालय अधिशासी अभियन्ता शारदा नहर खण्ड शाहजहॉपुर के नोटिस पर चस्पा है।

UP - 244168 दिनांक: 19/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अधिशासी अभियन्ता
शारदा नहर खण्ड, शाहजहॉपुर

कार्यालय नगर पालिका परिषद पूरनपुर-पीलीभीत

संख्या:- 841/न.पा.परि.पू./2025-26 **नोटिस** दिनांक: 19.01.2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद, पूरनपुर जिला पीलीiीत अपनी कर निर्धारण सूची में पंजीकृत वसीयत/विक्रय पत्र/ वारिसान/ अन्य के आधार निम्न प्रकार परिवर्तन करना चाहती है अत: नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 147(2) के अन्तर्गत प्रस्तावित परिवर्तन से जिस किसी भी व्यक्ति पर प्रभाव पड़ने की सम्भावन हो तो वह व्यक्ति लिखित साक्ष्यों सहित प्रकाशन की तिथि से एक माह के अन्दर प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जायेगा, और तदानुसार परिवर्तन की कार्यवाही कर दी जायेगी विवरण निम्न प्रकार है:-

भवन संख्या	मोहल्ले का नाम	वर्तमान में दर्ज सम्पत्ति स्वामी विक्रेता का नाम	प्रस्तावित परिवर्तन के स्वामी का नाम	नामान्तरण का आधार
838	चौक	सुल्तान एण्ड सन्स, सुल्तान अहमद खान, शफीक अहमद खान पुत्रगण शाह मोहम्मद खान व सईद अहमद पुत्र सुल्तान अहमद खान, इकबाल अहमद खान पुत्र दानिशमंद खान व अफाक अहमद खान पुत्र मसूद अहमद खान व फारूक अहमद खान पुत्र सईद अहमद खान व अकील अहमद खान पुत्र सुल्तान अहमद खान	शबाना सईद, एजाज सईद पत्नी मोहम्मद आसिफ, इलयास बेगम पत्नी अतीकुद्दीन, महर जहां पत्नी फारूख अहमद खां, शाहनवाज खां पुत्र फारूक अहमद खां व अहलम फारूक, अरशम फारूख पुत्रीगण स्व. फारूख अहमद खां व फरहत तबस्सुम पत्नी स्व. अफजाल अहमद खां व उजैर अहमद पुत्र स्व. अफजाल अहमद खां व मुनव्वर जमाल पत्नी स्व. आफाक अहमद खां व अरबाब अहमद खां पुत्र स्व. आफाक व असना आफाक व अनिका आफाक पुत्रीगण स्व. आफाक अहमद खां व मीना पत्नी स्व. मोहसिन अली व असमा पत्नी डॉ. नईम खां व जेबा पत्नी सबीहउद्दीन पुत्रीगण स्व. अकील अहमद खां व महजबीन पत्नी स्व. जावेद खां, जफर पुत्र स्व. अकील अहमद खां व फिरोज अहमद खां व अफरोज अहमद खां व इमरोज अहमद खां पुत्रगण स्व. शफीक अहमद खां व नासरा पत्नी शब्बन मियां व यासमीन खानम पत्नी तसलीम उल्ला खान पुत्रीगण स्व. शफीक अहमद खां व इजहार अहमद खां पुत्र स्व. इकबाल अहमद खान व राना इकबाल पत्नी अब्बुल हसन खां व नसरीन इकबाल पत्नी अब्दुल रब खां पुत्रीगण स्व. इकबाल अहमद खान, फरहीन फैज पत्नी मो. यासीन खां पुत्री स्व. मतीन इकबाल व इकरा फैज पत्नी तनवीर अहमद खां पुत्री स्व. मतीन इकबाल व सिदरा फैज पत्नी मो. आमिल खां पुत्री स्व. मतीन इकबाल पुत्रीगण स्व. इकबाल अहमद खान	मृत्यु प्रमाण/पत्र/वारिसान प्रमाण पत्र

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, पूरनपुर (पीलीभीत)

संजय बने निर्विरोध अध्यक्ष

अध्यक्ष चुने गए संजय कुमार गुप्ता को प्रमाण पत्र सौंपते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

अमरिया, अमृत विचार: भाजपा नेता संजय कुमार गुप्ता मंगलवार को भूमि विकास बैंक लिमिटेड की अमरिया शाखा के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए। उन्होंने दोपहर में पर्चा भरा और शाम तक विरोध में किसी के पर्चा दाखिल ना होने पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख निशान सिंह, भाजपा जिला महामंत्री लेखराज भारती, चेयरमैन गन्ना विकास समिति भुड़िया अमरिया महेन्द्र गंगवार, प्रधान केवल सिंह ,मानसिंह राठौर, विकास गुप्ता, सुशील गुप्ता, डॉ. मेजर सिंह, कुन्दन लाल, सत्य पाल गंगवार, हरगोविंद सिंह, ललित गुप्ता,सुमित गुप्ता अन्ना, मनोज गंगवार मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

बदायूं में रिश्वत लेते लेखपाल गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : एंटी करप्शन टीम ने बदायूं के तहसील बिसौली में तैनात लेखपाल सतीश चंद्र शर्मा को 5 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा। आरोपी लेखपाल बदायूं जिले के थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र के निवासी ओमप्रकाश से वर्ष 2015 में आवंटित आबादी के प्लॉट पर कब्जा दिलाने के एवज में अवैध धनराशि की मांग कर रहा था। शिकायत मिलने पर भ्रष्टाचार निवारण संगठन की बरेली इकाई ने निरीक्षक इस्तियाक वारसी के नेतृत्व में ट्रैप की योजना बनाई। मंगलवार को टीम ने फैजगंज बेहटा क्षेत्र के बाहर नव-निर्मित गौशाला के पास से लेखपाल को रिश्वत लेते हुए दबोच लिया। आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। एंटी करप्शन अधिकारियों का कहना है कि प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और रिश्वतखोरी में संलिप्त किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा।

दिव्यांगजनों के प्रति सरकार प्रतिबद्ध : नरेंद्र

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों को सम्मानजनक, आत्मनिर्भर और बाधारहित जीवन देने के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। यह बात पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने योजना भवन, लखनऊ में आयोजित दिव्यांगता पर गठित राज्य सलाहकार बोर्ड की सातवीं बैठक में कही। बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों, विधायकों और बोर्ड सदस्यों द्वारा दिव्यांगजनों के हित में कई महत्वपूर्ण सुझाव रखे गए, जिन पर विस्तृत विचार-विमर्श के बाद नीतिगत निर्णय लिए गए। मंत्री कश्यप ने कहा कि सरकार का स्पष्ट निर्देश है कि केंद्र और प्रदेश सरकार की सभी योजनाओं का लाभ दिव्यांगजनों तक समयबद्ध, निष्पक्ष और बिना किसी बाधा के पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि पेंशन भुगतान या अन्य लाभों में किसी भी प्रकार की देरी और लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में प्रदेश के 11 लाख से अधिक दिव्यांगजनों को 1000 रुपये प्रतिमाह (12,000 रुपये वार्षिक) भरण-पोषण पेंशन दी जा रही है, जबकि वर्ष 2017 से पहले यह राशि मात्र 300 रुपये प्रतिमाह थी।

प्रोजेक्ट टाइगर-एलीफेंट को 23.19 करोड़ मंजूर

अमृत विचार, लखनऊ : वन्यजीव संरक्षण को मजबूती देने की दिशा में योगी सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। शासनादेश के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में केंद्र प्रायोजित "प्रोजेक्ट टाइगर एंड प्रोजेक्ट एलीफेंट" योजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा अवमुक्त केंद्रीय सहायता की प्रथम किस्त के उपयोग हेतु कुल 23 करोड़ 19 लाख 20 हजार रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह धनराशि राजस्व एवं पूंजीगत मदों में पुनर्विनियोग के माध्यम से व्यय की जाएगी। शासन के उप सचिव विनय कुमार पाठक की ओर से प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष को भेजे गए शासनादेश में बताया गया है कि यह स्वीकृति वित्त विभाग की अनुमति के क्रम में दी गई है। धनराशि प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश के निवर्तन पर रखी जाएगी। सरकार का मानना है कि इस वित्तीय स्वीकृति से प्रदेश में बाघ और हाथी संरक्षण योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने में मदद मिलेगी।

सामाजिक सुरक्षा और रोजगार प्रशिक्षण के लिए 102.33 स्वीकृत

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने सामाजिक सुरक्षा, महिला-बाल कल्याण और ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ीकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए दो अलग-अलग शासनादेशों के माध्यम से महत्वपूर्ण धनराशि स्वीकृत की है। इन आदेशों से जहां आईसीडीएस (एकीकृत बाल विकास सेवा) के तहत पोषण एवं सेवाओं को गति मिलेगी, वहीं ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) योजना से युवाओं को कौशल प्रशिक्षण और आत्मनिर्भरता का अवसर मिलेगा। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में अनुदान संख्या-83 के तहत 82.04 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति दी गई है। यह धनराशि केन्द्र प्रायोजित आईसीडीएस योजना के लिए एसएनए (सिंगल नोडल एजेंसी) खाते में हस्तांतरित की जाएगी। इसमें केन्द्रांश 49.22 करोड़ और राज्यांश 32.81 करोड़ रुपये शामिल है। दूसरे शासनादेश में ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) योजना के लिए 20.29 करोड़ की धनराशि अवमुक्त की गई है। यह राशि 100% केन्द्रांश पर आधारित है और अनुदान संख्या-13 के तहत एसएनए स्पर्श प्रणाली के माध्यम से जारी की जाएगी।

अप्रैल से जुलाई तक कराए जाएंगे टीईटी, टीजीटी और पीजीटी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ प्रयागराज

- उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने जारी किया कैलेंडर

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग (यूपीईएसएससी) ने लंबे इंतजार के बाद शिक्षक भर्ती परीक्षाओं का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है। मंगलवार को आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद टीईटी, टीजीटी, पीजीटी और सहायक आचार्य भर्ती परीक्षाओं की नई तिथियों की घोषणा की गई। जारी कैलेंडर के अनुसार अप्रैल से जुलाई 2026 के बीच परीक्षाएं होंगी।

आयोग के अनुसार, लंबे समय से अटकी भर्ती प्रक्रिया को गति देने के लिए परीक्षाएं चरणबद्ध ढंग से कराई जाएंगी। सभी परीक्षाएं कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ आयोजित की जाएंगी। परीक्षा केंद्र, पाली और प्रवेश पत्र से संबंधित जानकारी अभ्यर्थियों को समय से आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी। आयोग ने स्पष्ट किया है कि सभी परीक्षाएं निर्धारित समय पर कराई जाएंगी और किसी भी तरह की अफवाहों से बचने के लिए अभ्यर्थी केवल आधिकारिक सूचना पर ही भरोसा करें।

परीक्षा की संभावित तिथियां

- सहायक आचार्य (विज्ञापन संख्या-51) : 18-19 अप्रैल 2026
- प्रवक्ता पीजीटी (विज्ञापन संख्या-02/2022) : 9-10 मई 2026
- प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक टीजीटी (विज्ञापन संख्या-01/2022) : 3-4 जून 2026
- यूपी शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी 2026) : 2, 3 और 4 जुलाई 2026

तीन साल बाद यूपी में टीईटी

- यूपी में आखिरी बार टीईटी परीक्षा 21 जनवरी 2022 को हुई थी। इससे पहले 28 नवंबर 2021 को प्रस्तावित परीक्षा प्रश्नपत्र लीक होने के कारण निरस्त कर दी गई थी। इसके बाद प्रशासनिक कारणों से परीक्षा लगातार टलती रही, जिससे लाखों अभ्यर्थी असमंजस में थे। अब परीक्षा कैलेंडर जारी होने से अभ्यर्थियों में तैयारी को लेकर उत्साह देखा जा रहा है।

बिना टीईटी पास शिक्षक योग्य नहीं

- सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को लेकर स्पष्ट किया है कि बिना टीईटी उत्तीर्ण किए कोई भी शिक्षक योग्य नहीं माना जाएगा। अदालत ने कहा कि जिन शिक्षकों की सेवा में पांच वर्ष से अधिक समय शेष है, उनके लिए टीईटी पास करना अनिवार्य होगा। ऐसा न करने पर उन्हें इस्तीफा या अनिवार्य सेवानिवृत्ति का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, जिन शिक्षकों की सेवा में पांच वर्ष से कम समय बचा है, उन्हें इस शर्त से राहत दी गई है। अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों पर यह आदेश लागू होगा या नहीं, इस पर निर्णय बड़ी पीठ करेगी। इस फैसले का असर देशभर में करीब 10 लाख और अकेले यूपी में लगभग 2 लाख शिक्षकों पर पड़ने का अनुमान है।

लविवि में समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में स्थित सार्वजनिक स्थलों की खराब स्थिति पर एनएसयूआई से जुड़े छात्रों ने डीन छात्र कल्याण अधिष्ठाता को ज्ञापन सौंपा। छात्रों ने ज्ञापन के माध्यम से विश्वविद्यालय प्रशासन का ध्यान गेट संख्या 1 से कैशियर कार्यालय तक सड़क के किनारे लगे वृक्षों के चबूतरे पर आकृष्ट किया जिनमें टूटफूट हो रही है। छात्रों ने अपने ज्ञापन में कहा कि टैगोर लॉन की अधिकांश सीटें पूरी तरह उखड़ी हुई हैं और जगह-जगह मिट्टी और गंदगी फैली हुई है।

विधायी संस्थाओं में पारदर्शिता अपरिहार्य

लोकसभा अध्यक्ष ने दिया जनता के प्रति जवाबदेही तय करने पर जोर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए विधायी संस्थाओं की कार्यप्रणाली में गुणवत्ता के स्पष्ट मानक, पारदर्शिता और जनता के प्रति जवाबदेही अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि बदलते समय के साथ विधायिका को नवाचार, प्रौद्योगिकी और दक्ष मानव संसाधन के माध्यम से स्वयं को और अधिक प्रभावी बनाना होगा।

86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के दूसरे दिन लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि देशभर की विधायिकाओं में अपनाई जा रही सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को एक-दूसरे से साझा किया जाना चाहिए, ताकि विधायी कार्य अधिक प्रभावी, नागरिक-केंद्रित और परिणामोन्मुख हो सके। उन्होंने उत्तर प्रदेश विधानसभा द्वारा विभिन्न राज्यों की अच्छी विधायी परंपराओं और प्रक्रियाओं को अपनी कार्यप्रणाली में शामिल करने के प्रयासों की सराहना की। बिरला ने कहा कि विधायकों की शैक्षणिक योग्यता, पेशेवर अनुभव और सामाजिक पृष्ठभूमि को पहचानकर यदि उनका रचनात्मक उपयोग किया जाए, तो विधायी चर्चाओं की गुणवत्ता और निर्णयों की प्रभावशीलता कई गुना बढ़ सकती है। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक संस्थाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि पारदर्शी और कुशल विधायी प्रक्रियाओं के लिए डिजिटल तकनीक और आधुनिक आईटी टूल्स का उपयोग अब विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुका है। ई-विधान, डिजिटल रिकॉर्ड, लाइव प्रसारण और नागरिक सहभागिता जैसे उपाय विधायिकाओं को जनता के और करीब लाते हैं। इससे जनता का विश्वास भी मजबूत होता है।

तीन प्रमुख विषयों पर हुआ विचार-विमर्श

- सम्मेलन के दूसरे दिन तीन अहम विषयों पर पूर्ण सत्रीय चर्चा की गई। पहला विषय था-पारदर्शी, कुशल एवं नागरिक-केंद्रित विधायी प्रक्रियाओं के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग। दूसरा-विधायकों की क्षमता-वृद्धि के माध्यम से कार्यकुशलता में सुधार और लोकतांत्रिक शासन को और सुदृढ़ करना। तीसरा-जनता के प्रति विधायिका की जवाबदेही। इन सत्रों में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की उपस्थिति में गहन विचार-विमर्श हुआ, जबकि चर्चा का संचालन राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने किया।

संसद-विधानसभाओं में समन्वय की जरूरत

- राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने विधायी संस्थाओं की कार्यकुशलता बढ़ाने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एआई के प्रभावी और विश्वसनीय उपयोग के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। साथ ही संसद और राज्य विधायिका के बीच अधिक समन्वय पर बल देते हुए कहा कि इससे संस्थागत ज्ञान और अनुभव का बेहतर उपयोग संभव हो सकेगा।

सचान की पुत्री-दामाद को दिया आशीर्वाद

- लोकसभा अध्यक्ष ने प्रदेश सरकार में मंत्री राकेश सचान के राजकीय आवास (माल एवेन्यू) पहुंचकर उनकी पुत्री राशि सचान एवं दामाद सीवेन्द्र सचान को नवविवाहित जीवन के लिए आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ने सुख, समृद्धि और सफल दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं देते हुए परिवार से आत्मीय संवाद किया, जबकि मंत्री राकेश सचान ने उनका स्वागत कर आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित भोज के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मंत्री और अन्य पदाधिकारी।

यमुना को बचाने के लिए 500 किलोमीटर पदयात्रा करेंगी जल सहेलियां

अमृत विचार, लखनऊ : बुन्देलखंड क्षेत्र में पिछले एक दशक से जल संरक्षण के लिए काम कर रहीं जल सहेलियां 29 जनवरी को पंचनद, जालौन- इटावा से यमुना यात्रा शुरू करेंगी। लखनऊ के प्रेस क्लब में संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पा देवी ने बताया कि क्षेत्र की 6 सूखी नदियों को पुनर्जीवित करने के साथ-साथ हजारों तालाबों को बचाने और संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनके कार्यों की सराहना देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी की जा चुकी है। जल सहेलियां लगभग 500 किलोमीटर से अधिक की यमुना यात्रा पर निकल रही हैं। यह यात्रा 29 जनवरी को पचनद से शुरू होकर दिल्ली तक जाएगी। इस यात्रा का उद्देश्य लोगों को यमुना नदी के प्रति जागरूक करना, उसके संरक्षण, अविरलता और निर्मलता के महत्व को समझाना तथा समाज को इस अभियान से जोड़ना है।

प्रदेश में बनेगा एक गीगावॉट का एआई डेटा सेंटर

एएम ग्रीन ग्रुप और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच हुआ एमओयू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः प्रदेश को वैश्विक डिजिटल और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अर्थव्यवस्था के केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। एएम ग्रीन ग्रुप ने इन्वेस्ट यूपी के साथ एक ऐतिहासिक समझौता (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में 1 गीगावॉट क्षमता का अत्याधुनिक डेटा सेंटर स्थापित किया जाएगा, जो वैश्विक स्तर की एआई और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग (एसपीसी) जरूरतों को पूरा करेगा।

यह एमओयू विश्व आर्थिक मंच, दावोस में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना समेत वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और एएम ग्रीन ग्रुप के शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी में हुआ। इस परियोजना में लगभग 25 अरब अमेरिकी डॉलर (करीब 2 लाख करोड़ रुपये) का निवेश प्रस्तावित है, जो अब तक देश के सबसे बड़े डेटा सेंटर निवेशों में से एक माना जा रहा है। परियोजना का विकास चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। इसकी पहली क्षमता वर्ष 2028 तक शुरू होने की संभावना है, जबकि 2030 तक पूर्ण 1 गीगावॉट क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है। एएम ग्रीन ग्रुप के चेयरमैन अनिल चलमालसेट्टी ने कहा कि एआई आज हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए यह एक निर्णायक तकनीक होगी। वहीं, एएम ग्रीन के प्रेसिडेंट महेश कोल्ली ने कहा कि एं गीगावॉट कंप्यूट क्षमता को 24×7 ग्रीन पावर के साथ जोड़कर कंपनी वैश्विक एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर का एक नया और टिकाऊ मॉडल तैयार कर रही है।

- 25 अरब डॉलर का निवेश, ग्रेटर नोएडा बनेगा ग्लोबल एआई हब
- वैश्विक स्तर की एआई और एसपीसी जरूरतें होंगी पूरी

एआई और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग को मिलेगी गति

- इस डेटा सेंटर में लगभग पांचलाख अत्याधुनिक हाई-परफॉर्मेंस चिपसेट्स लगाए जाएंगे। यह केंद्र वैश्विक हाइपरस्केलर्स, फ्रंटियर एआई लैब्स, बड़े उद्यमों और भारत की सॉवरेन एआई पहलों को बड़े पैमाने पर और तेज गति से कंप्यूटिंग क्षमता उपलब्ध कराएगा। एएम ग्रीन का यह एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर हब ऊर्जा, हेल्थकेयर, मैन्युफैक्चरिंग, ऑटोमोबाइल, मीडिया, गेमिंग और सरकारी क्लाउड सेवाओं जैसे अनेक क्षेत्रों में एआई आधारित समाधानों के विकास में मदद करेगा।

निवेश और रोजगार का बड़ा केंद्र बनेगा यूपी

- इस परियोजना से प्रदेश में हजारों उच्च-कुशल रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। हार्डवेयर मैन्युफैक्चरिंग, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डेटा एनालिटिक्स, कूलिंग टेक्नोलॉजी और एआई एप्लिकेशन डेवलपमेंट का एक मजबूत स्थानीय इकोसिस्टम विकसित होगा। साथ ही, यह परियोजना राज्य में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को भी नई गति देगी।

कार्बन-फ्री ऊर्जा से संचालित होगा डेटा सेंटर

- परियोजना की एक बड़ी विशेषता यह है कि इसे 24×7 कार्बन-फ्री ग्रीन एनर्जी से संचालित किया जाएगा। एएम ग्रीन ग्रुप अपनी अक्षय ऊर्जा विशेषज्ञता के तहत पवन, सौर और पम्प्ड स्टोरेज समाधानों का उपयोग करेगा। इससे यह डेटा सेंटर न केवल तकनीकी रूप से उन्नत होगा, बल्कि पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ डिजिटल अर्थव्यवस्था का भी उदाहरण बनेगा।

25 जिलों में एक साथ बैठी सीएम युवा हेल्प डेस्क

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः प्रदेश के 25 जिलों में मंगलवार को एक साथ 'सीएम युवा हेल्प डेस्क' का आयोजन किया गया, जिसने युवाओं में उद्यम स्थापित करने को लेकर उत्साह और भरोसा पैदा किया। जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्रों द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में यूपीकॉन के माध्यम से संचालित विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना और एक जनपद एक उत्पाद प्रशिक्षण कार्यक्रम से जुड़े युवाओं ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया।

इस व्यापक आयोजन के दौरान युवाओं को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना (सीएम युवा योजना) के तहत उपलब्ध सुविधाओं, ऋण व्यवस्था और आवेदन प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी गई। महज कुछ ही घंटों में 1072 इच्छुक प्रशिक्षणार्थियों ने योजना के अंतर्गत आवेदन किया, जो यह दर्शाता है कि सरकार की नीतियों से प्रेरित होकर युवा अब स्वरोजगार और उद्यमिता की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं।

सीएम युवा हेल्प डेस्क में जानकारी लेते युवक और युवतियां। अमृत विचार

45 पॉलीटेक्निक में बनेंगे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्वीकृत हुई 159.01 करोड़ की पहली किस्त, 318.03 करोड़ का प्रावधान
- टाटा टेक्नोलॉजी के सहयोग तकनीकी शिक्षा को मिलेगा आधुनिक स्वरूप

अमृत विचारः प्रदेश में तकनीकी शिक्षा को उद्योगोन्मुख और आधुनिक बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। शासन ने टाटा टेक्नोलॉजी लिमिटेड (टीटीएल) के सहयोग से प्रथम चरण में चयनित 45 राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' स्थापना के निर्माण कार्यों को प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसके लिए पहली किस्त के 159.01 करोड़ रुपये भी जारी कर दिए गए हैं।

संयुक्त सचिव प्रभाकर चंद्र मिश्र की ओर निदेशक प्राविधिक शिक्षा को भेजे गए शासनादेश के अनुसार, ये परियोजना तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित की जाएगी। इससे पहले सरकार द्वारा 14 नवंबर 2025 को मानकीकृत लागत 706.75 लाख रुपये प्रति संस्थान तय की जा चुकी है। कुल मिलाकर इस योजना के लिए 318.03 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसके सापेक्ष पहली किस्त के रूप में यह धनराशि अवमुक्त की गई है।

शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि निर्माण कार्य शुरू करने से पहले सभी आवश्यक तकनीकी स्वीकृतियां, वैधानिक अनापत्तियां और पर्यावरणीय क्लियरेंस प्राप्त किए जाएंगे। परियोजना की गुणवत्ता, मानकों और समयबद्धता की जिम्मेदारी निदेशक, प्राविधिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश की होगी। किसी भी प्रकार की वित्तीय अनियमितता की पूरी जवाबदेही भी विभागीय स्तर पर तय की गई है।

इन जिलों में बनेंगे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

- पहले चरण में लखनऊ, कानपुर, कानपुर देहात, ललितपुर, जालौन (उरई), महोबा, बांदा, हमीरपुर, औरैया, हरदोई, गोंडा, मैनपुरी, बरेली, गाजियाबाद, मेरठ, सहारनपुर, अमरोहा, बिजनौर, शामली, बुलंदशहर, हाथरस, वाराणसी, चंदौली, आजमगढ़, बलिया, संत कबीरनगर, सोनभद्र, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, झांसी, बदायूं, शाहजहांपुर, लखीमपुर-खीरी, अयोध्या, अमेठी, मुरादाबाद, फिरोजाबाद, गाजीपुर, जौनपुर, मऊ, गोरखपुर, देवरिया और मिर्जापुर सहित 45 राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों को शामिल किया गया है। प्रत्येक संस्थान के लिए लगभग 3.53 करोड़ की पहली किस्त जारी की गई है।

उद्योग से जुड़ा प्रशिक्षण

- इन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से छात्रों को नई और उन्नत तकनीकों में प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे सीधे उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार हो सकें। टाटा टेक्नोलॉजी लिमिटेड के सहयोग से तैयार पाठ्यक्रम, अत्याधुनिक लैब, मशीनरी और प्रशिक्षण ढांचा विकसित किया जाएगा। इससे विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है।

यूपी दिवस विशेष | योगी सरकार के श्रम, रोजगार, निवेश और सामाजिक सुरक्षा मॉडल से बदली तस्वीर

उत्तर प्रदेश में अब पलायन नहीं, आत्मनिर्भरता का दौर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- रोजगार सृजन से लगा पलायन पर ब्रेक, निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर बने विकास की रीढ़

अमृत विचारः यूपी को कभी रोजगार की तलाश में पलायन करने वाले राज्यों में गिना जाता था, आज योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विकास, आत्मनिर्भरता और समावेशी समृद्धि की नई कहानी लिख रहा है। बीते पौने नौ वर्षों में लागू नीतियों का असर अब जमीन पर साफ दिख रहा है। युवाओं और श्रमिकों को रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए प्रदेश छोड़ने की मजबूरी नहीं रही। उलटे, पहले बाहर गए अनेक लोग अब अवसरों की तलाश में वापस लौट रहे हैं। पलायन का स्थान आत्मनिर्भरता ने ले लिया है।

औद्योगिक निवेश, एमएसएमई विस्तार, सेवायोजन मेलों और कौशल विकास कार्यक्रमों के जरिए बड़े पैमाने पर रोजगार बने हैं। बेरोजगारी दर में ऐतिहासिक गिरावट आई है और लाखों युवाओं को सरकारी व निजी क्षेत्र में काम मिला है। सेवायोजन विभाग के सेवामित्र पोर्टल पर 53 हजार से अधिक कुशल कामगार पंजीकृत होकर सीधे रोजगार से जुड़ रहे हैं। घर के पास अवसर मिलने से कामकाजी पलायन में निर्णायक कमी आई है।

इन्वेस्ट यूपी के सिंगल-विंडो सिस्टम, पारदर्शी प्रक्रियाओं और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' सुधारों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया। एक्सप्रेसवे नेटवर्क, एयरपोर्ट्स, औद्योगिक व डिफेंस कॉरिडोर, मेडिकल कॉलेज और लॉजिस्टिक्स हब्स ने उद्योगों को जिलों तक पहुंचाया।

आज प्रदेश में 30 हजार से अधिक फैक्ट्रियां संचालित हैं, 2017 से पहले यह संख्या इसकी आधी भी नहीं थी। नतीजतन, स्थानीय स्तर पर स्थायी नौकरियां बनीं और युवाओं को अपने गृह जनपदों में अवसर मिले। योगी सरकार ने रोजगार के साथ सुरक्षा को भी प्राथमिकता दी। पंजीकृत श्रमिकों और कोविड काल में निराश्रित बच्चों के लिए हर मंडल में अटल आवासीय विद्यालय संचालित हैं, जहां 100-100 बालक-बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण आवासीय शिक्षा मिल रही है। इससे श्रमिक परिवारों का भविष्य सुरक्षित हुआ है।

दुर्घटना, मृत्यु और दिव्यांगता पर आर्थिक संबल

- सरकार ने मजबूत सुरक्षा कवच तैयार किया है। कार्यस्थल पर मृत्यु पर 5 लाख रुपये, स्थायी दिव्यांगता पर 3 लाख रुपये, आंशिक दिव्यांगता पर 2 लाख रुपये, पंजीकृत श्रमिक की दुर्घटना से मृत्यु पर 5 लाख रुपये, सामान्य मृत्यु पर 2 लाख रुपये और 25,000 रुपये अंत्येष्टि सहायता समेत अपंजीकृत श्रमिक की दुर्घटना/मृत्यु पर 1.25 लाख रुपये की मदद के प्रावधानों ने असुरक्षा की भावना को काफी हद तक समाप्त किया है।

पेंशन, बैंकिंग और परिवार सुरक्षा

- प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन, अटल पेंशन, मातृत्व-शिशु-बालिका मदद, निर्माण कामगार सहायता योजनाओं से लाखों लाभान्वित हैं। कन्या विवाह सहायता योजना के तहत दो बालिकाओं के विवाह पर 55,000-61,000 रुपये तक सहायता मिलती है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत प्रदेश में 9.52 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले जा चुके हैं। गंभीर बीमारी में सरकारी अस्पतालों में 100% व्यय प्रतिपूर्ति से श्रमिक परिवारों पर आर्थिक बोझ घटा है।

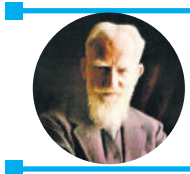

सफलता कभी गलती न करने में निहित नहीं होती, बल्कि एक ही गलती दोबारा न करने में निहित होती है।
–जॉर्ज बर्नार्ड शा, विचारक

चांदी की चकाचौंध

अनुमान बताते हैं कि इस वर्ष चांदी के भाव 4 लाख रुपये प्रति किलो तक पहुंचेंगे। चांदी के दाम में अभूतपूर्व तेजी अब केवल निवेश या कमोडिटी बाजार का विषय नहीं, यह देश में मध्यम वर्ग के घरेलू बजट और सामाजिक जीवन पर सीधा असर डालने वाला मुद्दा बन चुका है। जब महंगाई पहले से ही आम परिवार की क्रय-शक्ति को दबाव में रखे हुए है। ऐसे में चांदी की बढ़ती कीमतें हमारे लिए एक गंभीर आर्थिक और सामाजिक चुनौती बन चुकी है। चांदी के बर्तन, दीवाली और विवाह जैसे अवसरों पर उपहार, पूजा-पाठ, देवमूर्ति, अनुष्ठान और आभूषण भारतीय जीवनशैली के अभिन्न हिस्से हैं। इसलिए हमारे यहां चांदी का महत्व सामाजिक और सांस्कृतिक भी है। ऐसे में चांदी का महंगा होना परंपराओं और रीति-रिवाजों को भी अतिशय महंगा बना देता है। मध्यम वर्ग, जो इन परंपराओं को निभाने के लिए सीमित बचत पर निर्भर रहता है, सबसे अधिक प्रभावित है। चांदी की कीमतों में इस भारी उछाल के पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारण हैं, उन पर हमारा हस्तक्षेप नहीं के बराबर है। वह चाहे लैटिन अमेरिकी देशों में इसकी खदानों का पुराना पड़ना और इसका उत्पादन घटना हो अथवा भू-राजनीतिक तनाव और व्यापारिक विवादों का बढ़ना। अनिश्चितता और महंगाई के माहौल में देशों व निवेशकों का चांदी का संग्रह हो या फिर चांदी की औद्योगिक मांग का वैश्विक स्तर आसमान छूना। पर्यावरण बचाने की मांग पर प्लांड माइनिंग हो अथवा ज्यादातर देशों का ग्रीन एनर्जी पर ज्यादा केंद्रित होना। यह मांग संरचनात्मक है और निकट भविष्य में घटने वाली नहीं। चूंकि चांदी अक्सर तांबे और जिंक की खुदाई के साथ सह-उत्पाद के रूप में निकलती है, इसलिए जब तक इन धातुओं का उत्पादन नहीं बढ़ेगा, चांदी की वैश्विक आपूर्ति में भी तेजी आना मुश्किल है।

भारत की स्थिति इस संदर्भ में कुछ ज्यादा संवेदनशील है। देश में सालाना चांदी का उत्पादन करीब 800 टन है, जबकि खपत 7,000 टन से अधिक। यानी भारत दुनिया की कुल चांदी मांग का 20-25 प्रतिशत अकेले खींच लेता है और इसका बड़ा हिस्सा आयात से पूरा होता है। यह आयात निर्भरता न केवल कीमतों को अंतर्राष्ट्रीय उतार-चढ़ाव के प्रति संवेदनशील बनाती है, बल्कि चालू खाते के घाटे पर भी दबाव डालती है। बेशक हमें इसका समाधान घर में ही तलाशना होगा। सरकार घरेलू उत्पादन बढ़ाने और रीसाइक्लिंग को प्रोत्साहित करने की बात कर रही है, लेकिन अब तक इसका असर सीमित दिखता है। पुरानी चांदी की रीसाइक्लिंग, ई-वेस्ट से रिकवरी और खनन में निजी निवेश बढ़ाने जैसे कदम अब और तेज करने होंगे। कीमतें अंतर्राष्ट्रीय भाव, डॉलर रेट, आयात शुल्क, जीएसटी और स्थानीय लागत से तय होती हैं। सरकार के पास सीमित गुंजाइश है, लेकिन आयात शुल्क या कर ढांचे में अस्थायी छूट देकर घरेलू बाजार को कुछ हद तक राहत दी जा सकती है। हालांकि दीर्घकालिक समाधान आयात निर्भरता घटाने, घरेलू उत्पादन और रीसाइक्लिंग बढ़ाने तथा उद्योगों में वैकल्पिक तकनीकों को बढ़ावा देने में ही निहित है। तभी आम आदमी के लिए चांदी की चमक बरकरार रह सकेगी अन्यथा उसकी चौंध कष्ट का कारक बनी रहेगी।

प्रसंगवश

खेती का संकट और पारंपरिक देसी बीज

निरंतर लागत बढ़ती चले जाने से हमारे देश में खेती संकट के दौर से गुजर रही है। एक ओर खाद, बीज, कीटनाशक, डीजल, बिजली आदि का खर्च बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर किसान की आय सिमटती जा रही है। जलवायु संकट के दौर में अनिश्चित मौसम और कीटनाशकों के बढ़ते प्रकोप ने भी खेती के संकट को बढ़ा दिया है। देश के विभिन्न भागों के वह किसान चर्चा में हैं, जो पारंपरिक देसी बीजों को अपनाकर नए-नए प्रयोग कर रहे हैं। क्या बदहाल खेती के दौर में पारंपरिक देसी बीजों के जरिए हालात को बदला जा सकता है, इस प्रश्न पर आज चर्चा हो रही है। बड़ा सवाल है कि क्या पारंपरिक देसी बीज खेती में नई क्रांति का सूत्रपात कर सकते हैं?

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

खेती में बीजों की गुणवत्ता का मुद्दा बहुत बड़ा है। नकली एवं अमानक बीजों के कारण किसानों को जिस तरह नुकसान झेलना पड़ रहा है, वह चिंता का विषय है। सरकार भी नया बीज कानून लाने की कवायद में जुटी है। इसी बीच पारंपरिक बीजों का इस्तेमाल और संरक्षण कर रहे किसानों की कहानियां विकल्प सुझा रही हैं। मध्यप्रदेश के डिंडोरी जिले की एक आदिवासी बस्ती की निवासी 27 वर्षीय लहरी बाई अपने छोटे से घर में 150 से अधिक दुर्लभ और विलुप्त प्राय देसी बीजों को सहेज रही हैं। लहरी बाई ये बीज स्थानीय हाटों और आसपास के किसानों से एकत्र करती हैं। फिर उन्हें साफ करके, सुखाकर, सुरक्षित रखती हैं और जरूरत पड़ने पर दूसरे किसानों को दे देती हैं। लहरी बाई को 'मिलेट वुमन' या 'मिलेट एंबेसडर' कहा जाता है, लेकिन वे उस पारंपरिक ज्ञान की प्रतिनिधि हैं, जिसे आधुनिक खेती ने हाशिए पर डाल दिया है। ऐसा ही एक उदाहरण पंजाब के बरनाला जिले के वाहेगुरुपुरा गांव के किसान अमृत चहल का है। वे देसी बीजों और प्राकृतिक खेती पर आधारित एक ऐसा मॉडल विकसित कर रहे हैं, जो आर्थिक रूप से भी टिकाऊ है। सहकारी ज्ञान और मार्केटिंग के सहारे उन्होंने यह दिखाया है कि किसान केवल खेत में काम करने वाला नहीं, बल्कि अपने बीज और बाजार का मालिक भी हो सकता है। 2023 में उन्होंने देसी बीज बैंक की स्थापना की, जहां अनाज, सब्जियों और चारे सहित 35-40 फसलों की लगभग 150 किस्में संरक्षित हैं। यह फसल विविधता उस खेती की याद दिलाती है, जो कभी स्थानीय जरूरतों और परिस्थितियों के अनुरूप थी।

राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के आदिवासी इलाकों में बीज संरक्षण की यह पहचान आज भी जीवित है। वहां की आदिवासी महिलाएं फसल के सबसे अच्छे और पहले पकने वाले दानों को चिह्नित करती हैं। कभी उन पर राखी बांध दी जाती है, कभी उन्हें अलग कपड़े में सुरक्षित रखा जाता है, ताकि कटाई के समय उनकी अलग से पहचान संभव हो सके। सहेज कर रखे गए यही दाने अगले मौसम के बीज बनते हैं। ऐसे और भी उदाहरण हैं। यह सच है कि पारंपरिक बीज कोई चमत्कारी समाधान नहीं हैं, लेकिन वे खेती को कम जोखिम वाला और अधिक आत्मनिर्भर बना सकते हैं। ये बीज स्थानीय जलवायु के अनुरूप होते हैं, कम पानी में टिकते हैं और किसान इन्हें खुद सहेज सकता है। इससे बीज, खाद और कीटनाशकों पर होने वाला खर्च घटता है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अनुसार मोटे अनाज कम पानी में उगते हैं और स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी हैं। जब देश की 60 प्रतिशत खेती बारिश पर निर्भर है, तब यह पहलू और महत्वपूर्ण हो जाता है। पारंपरिक देसी बीज केवल खेती या पर्यावरण का विषय नहीं हैं, बल्कि खाद्य सुरक्षा से भी जुड़े हैं। देसी बीजों को सहेज रहे किसान केवल अतीत नहीं बचा रहे, बल्कि आने वाले समय की राह तैयार कर रहे हैं। जरूरत है कि सरकार, वैज्ञानिक, किसान संगठन और समाज मिलकर पारंपरिक बीजों को भविष्य की आवश्यकता के रूप में स्वीकार करें, क्योंकि अगर बीज बचेंगे, तभी जीवन बचेगा।

पश्चिम बंगाल चुनाव में क्या भाजपा को मिलेगा बहुमत?

विवेक शुक्ला
पूर्व सूचना अधिकारी यूएई एंबेसी

बिहार के बाद महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय के चुनाव परिणाम ने लोगों को फिर चौकाया है। बीजेपी के प्रति इतना जबरदस्त समर्थन अब विरोधियों को भी यह कहने पर मजबूर कर रहा है कि भगवा पार्टी कमाल कर रही है। उसका संगठन अब इतना मजबूत हो चुका है कि कोई अन्य पार्टी उसके आसपास भी खड़ी नहीं हो पा रही है। जाहिर है बीजेपी में जिस प्रोफेशनल एक्सेलेन्स की बात अखिलेश यादव ने की है, उसे पार्टी में लाने का श्रेय किसी को जाता है, तो वह गृह मंत्री अमित शाह हैं और अब उन्हीं गृह मंत्री के हाथों में बीजेपी ने बंगाल और तमिलनाडु का चुनाव प्रभार सौंप दिया है। अब लोगों में यह उम्मीद बंध गई है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भी इस बार बीजेपी को दो-तिहाई बहुमत लेकर आएगी।

बंगाल से जुड़े कई स्वतंत्र टिप्पणीकार यह कहने लगे हैं कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की टीएमसी 50 सीटों से भी नीचे चली जाएगी और आशंका यह भी व्यक्त की जा रही है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अपनी सीट भवानीपुर को भी बचाने में बड़े पापड़ बेलने पड़ सकते हैं। पश्चिम बंगाल की सत्ता से यदि टीएमसी बाहर होती है, तो इसके पीछे बीजेपी के उत्थान के साथ ममता बनर्जी के ध्रुवीकरण वाली राजनीति का पतन भी एक बड़ा कारण होगा। क्योंकि अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की राजनीति से प्रदेश की 70 फीसदी जनता ऊब चुकी है और इस बार बदलाव की आवाज साफ सुनाई दे रही है। जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले महीने 29 से 31 दिसंबर तक की कोलकाता की यात्रा की स्थानीय लोगों और बीजेपी कार्यकर्त्ताओं में इसी तरह का जज्बात साफ दिखाई दिया था। यह पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव अभियान की एक तरह से शुरुआत थी।

अमित शाह ने अपने चिरपरिचित अंदाज में मैराथन संगठनात्मक बैठकें कीं, पार्टी कार्यकत्ताओं के साथ-साथ आरएसएस के पदाधिकारियों को भी जाग्रत कर दिया और लगे हाथ, उन्होंने पश्चिम बंगाल में बीजेपी के लिए दो-तिहाई बहुमत की भविष्यवाणी भी कर दी। अमित शाह जिस भी विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी लेते हैं, वहां सबसे पहले संगठन को कसने से ही शुरुआत करते हैं। विधायकों, सांसदों के साथ-साथ नगर निगम पार्षदों तक के साथ लगातार बंद कमरे में बात करते हैं और कहीं भी किसी गफलत की गुंजाइश नहीं छोड़ते हैं।

> अमित शाह जिस भी विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी लेते हैं, वहां सबसे पहले संगठन को कसने से ही शुरुआत करते हैं। विधायकों, सांसदों के साथ-साथ नगर निगम पार्षदों तक के साथ लगातार बंद कमरे में बात करते हैं और कहीं भी किसी गफलत की गुंजाइश नहीं छोड़ते हैं।

पश्चिम बंगाल में भी अमित शाह ने ममता सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार, चिट फंड घोटाला, नौकरी घोटाला, कोयला घोटाला और पशु तस्करी के मुद्दे चिह्नित कर लिए हैं और उसमें संलिप्त तृणमूल कांग्रेस के नेताओं और मंत्रियों के नाम भी उजागर कर दिए हैं। सबसे ऊपर बीजेपी जिस मुद्दे को लेकर चुनाव जितने के प्रति आश्वस्त है, वह है बांग्लादेश से घुसपैठ का मुद्दा। ममता बनर्जी इस मुद्दे पर घिर चुकी हैं। अमित शाह के इस आरोप का उनके पास जवाब नहीं है कि आखिर सीमा पर बाड़ लगाने के लिए उन्होंने बीएसएफ को जमीन देने से क्यों इनकार किया?

बीजेपी ने यह रिकार्ड पेश किया है कि असम और त्रिपुरा से घुसपैठ की घटनाएं लगभग बंद हो गई हैं, जबकि पश्चिम बंगाल में अब भी जारी है। इस कारण बंगाल की डेमोग्राफी तेजी से बदल रही है। खड़गपुर से कोलकाता और बर्धमान से सिलीगुड़ी तक का पूरा इलाका डेमोग्राफिक रूप से बदल गया है। स्थानीय लोग ही बताते हैं कि ये सारे इलाके अब बांग्लादेशी निवासियों से भर गए हैं। ये पश्चिम बंगाल के मूल निवासी नहीं हैं, लेकिन संसाधनों पर इनका कब्जा हो चुका है। वे बेहतर पैसे और अच्छी जिंदगी के लालच में आए थे, लेकिन बंगाल के राजनीतिज्ञों ने उनका यहीं बसेरा बना दिया। बीजेपी के इस वायदे में बंगाली समुदाय को एक विश्वास दिखता है कि घुसपैठ पर लगाम के लिए एक नेशनल ग्रिड बनना चाहिए और गृह मंत्री इसको चुनावी अभियान का हिस्सा बनाना चाहते हैं। देखा जाए तो बीजेपी की चुनावी राजनीति की कमान जब से अमित शाह संभाल रहे हैं, तब से लगातार पश्चिम बंगाल में भी पार्टी की स्थिति सुधर रही है। 2016 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी को केवल में 3 विधानसभा सीटों में ही जीत हासिल हुई थी, लेकिन 2021 में 77 सीटों को जीतने में बीजेपी सफल रही। उसी तरह से 2014 के लोकसभा चुनाव में बंगाल में बीजेपी को 17 प्रतिशत वोट मिले थे, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनावों में पार्टी को 39 प्रतिशत वोटों का सहारा मिला। बीजेपी अमित शाह के नेतृत्व में बिहार की ही तरह बूथ-केंद्रित रणनीति अपनाने जा रही है। पश्चिम बंगाल के कुल 81,000 मतदान बूथों में से बीजेपी ने 65,000 के लिए बूथ समितियां बना ली हैं और सभी 294 विधानसभा क्षेत्रों में विस्तारक तैनात कर दिए हैं।

दूसरी तरफ ममता बनर्जी के शासन काल में अपराध और अपराधियों की मौजूदगी बढ़ती जा रही है। खुद मुख्यमंत्री अराजकता की लाइन पार करती दिखाई देती हैं। वह प्रधानमंत्री पद की गरिमा का भी अक्सर उल्लंघन करती दिखाई देती हैं। केंद्र के साथ बैठकों में भी कागज फेंकने, झल्लाने और घमंड दिखाने से बाज नहीं आतीं। पीएम मोदी लगातार धैर्य और सहिष्णुता से पेश आते रहे हैं, लेकिन हाल के दिनों में ईडी के अधिकारियों के साथ ममता के असंवैधानिक व्यवहार उनकी सरकार को बर्खास्त करने का कारण बन सकता था। फिर भी बीजेपी नेतृत्व इसकी मांग से बच रहा है।

बीजेपी संभवतः यह मान रही है कि 2026 में बंगाल की सीएम ममता नहीं होंगी और टीएमसी के लिए खुद को बचाए रखना भी संभव नहीं होगा, क्योंकि मुस्लिम वोट के लिए हिंदुओं के साथ भेदभाव का यह दौर अब आगे नहीं चल सकता। अमित शाह ज्यादातर मामलों में अपनी बात पर खरे उतरे हैं, बंगाल भी उनके लिए उनके वायदे के साथ खड़ा होगा क्या?

आमने सामने

पीर पंजाल क्षेत्र के लोगों को अपनी प्रशासनिक समस्याओं के लिए बार-बार जम्मू और श्रीनगर नहीं जाना चाहिए। इस इलाके को डिविजन का दर्जा और डिविजनल कमिश्नर स्तर का अधिकारी मिलने से आम जनता को बड़ी राहत मिल सकती है।
–महबूबा मुफ्ती, पीडीपी चीफ

ऐसे सुझाव जम्मू-कश्मीर को कमजोर करने वाले हैं न कि मजबूत करने वाले। लद्दाख के लोगों को आज तक कोई ठोस फायदा नहीं मिला। इस तरह के फैसलों में भावनाओं या राजनीतिक एजेंडे से ज्यादा जमीनी हकीकत को समझना जरूरी है।
–फारूक अबदुल्ला, नेता, नेशनल कॉन्फ्रेंस

संकीर्ण सोच और गोद लेने की सामाजिक विडंबना

नृपेन्द्र अभिषेक नृप
लेखक

यह हमारे समाज की एक गहरी और पीड़ादायक विडंबना है कि एक ओर अनेक दंपती संतान सुख के लिए वर्षों तक प्रतीक्षा करते हैं, मंदिरों-अस्पतालों के चक्कर लगाते हैं, तरह-तरह के उपचार कराते हैं, तो दूसरी ओर हमारे ही समाज में असंख्य ऐसे बच्चे हैं, जो माता-पिता के स्नेह से वंचित, अनाथालयों और बाल संरक्षण गृहों में बड़े हो रहे हैं। यह विरोधाभास केवल व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि उस संकीर्ण सोच का परिणाम भी है, जो आज भी गोद लेने जैसी मानवीय प्रक्रिया को संदेह, शर्तों और पूर्वाग्रहों से घेर देती है।

केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण के आंकड़े इस सच्चाई को उजागर करते हैं कि गोद लेने की प्रक्रिया में प्रतीक्षा सूची लगातार लंबी होती जा रही है। इसके बावजूद अनेक बच्चे ऐसे हैं, जिनकी उम्र छह वर्ष या उससे अधिक हो चुकी है और वे अब भी किसी परिवार की प्रतीक्षा कर रहे हैं। दुखद तथ्य यह है कि अधिकांश दंपती नवजात शिशु या अधिकतम चार-पांच वर्ष तक के बच्चों को ही गोद लेना चाहते हैं। जैसे-जैसे बच्चे की उम्र बढ़ती है, वैसे-वैसे उसके लिए परिवार मिलने की संभावनाएं क्षीण होती जाती हैं। यह चयन केवल उम्र तक सीमित नहीं रहता, बल्कि रंग-रूप, स्वास्थ्य और कभी-कभी जातीय पृष्ठभूमि तक फैल जाता है।

> गोद लेने की प्रक्रिया में लंबी प्रतीक्षा और जटिल शर्तों का सबसे बड़ा खामियाजा बच्चों को ही भुगतना पड़ता है। अनाथालयों में बिताए गए ये वर्ष उनके बचपन के सबसे संवेदनशील क्षण होते हैं।

इस सोच के पीछे भय और असुरक्षा की भावना गहराई से जमी हुई है। लोग यह मान लेते हैं कि बड़ा बच्चा आसानी से परिवार में घुल-मिल नहीं पाएगा, उसके स्वभाव में जिद या मानसिक जटिलताएं होंगी या वह माता-पिता से भावनात्मक रूप से जुड़ नहीं पाएगा। जबकि मनोवैज्ञानिक और सामाजिक अध्ययन बताते हैं कि स्नेह, धैर्य और अपनत्व मिलने पर बड़े बच्चे भी उतनी ही सहजता से नए परिवार का हिस्सा बन जाते हैं। वे पहले से समझदार होते हैं, भावनाओं को पहचानते हैं और धीरे-धीरे माता-पिता के साथ गहरा रिश्ता बना लेते हैं। गोद लेने की प्रक्रिया में लंबी प्रतीक्षा और जटिल शर्तों का सबसे बड़ा खामियाजा बच्चों को ही भुगतना पड़ता है। अनाथालयों में बिताए गए ये वर्ष उनके बचपन के सबसे संवेदनशील क्षण होते हैं। इस दौरान उन्हें भोजन, शिक्षा और सुरक्षा तो मिल जाती है, पर वह अपनापन नहीं मिल पाता, जो किसी परिवार का हिस्सा होने से मिलता है। समय के साथ जब वे देखते हैं कि छोटे बच्चों को गोद ले लिया जाता है और वे स्वयं पीछे छूट जाते हैं, तो उनके मन में हीनता, उपेक्षा और अस्वीकृति की भावना घर कर जाती है।

यह प्रश्न गंभीर है कि क्या संतान सुख पाने के लिए केवल अपनी सुविधा और सामाजिक छवि को ही प्राथमिकता देना सही है। क्या उम्र और रंग-रूप के आधार पर बच्चों में भेदभाव करना स्वस्थ सामाजिक सोच का प्रमाण है। सच तो यह है कि बच्चा किसी भी उम्र का हो, उसकी सबसे बड़ी आवश्यकता प्रेम, सुरक्षा और पहचान होती है। जब उसे यह एहसास होता है कि कोई उसे अपनाना चाहता है, उसकी जिम्मेदारी लेना चाहता है, तो उसका जीवन नई दिशा पा लेता है। यदि निःसंतान दंपती अपनी सोच में थोड़ा-सा बदलाव लाएं और बड़े उम्र के बच्चों को अपनाने का साहस करें, तो न केवल उन बच्चों का भविष्य संवर सकता है, बल्कि स्वयं दंपती का जीवन भी अर्थपूर्ण बन सकता है।

बड़े बच्चे अक्सर अपनी स्थिति को समझते हैं और माता-पिता के प्रयासों की कद्र करते हैं। वे पढ़ाई, व्यवहार और जिम्मेदारियों को लेकर अधिक सजग होते हैं। सही मार्गदर्शन और प्रेम मिलने पर वे परिवार की मजबूती का आधार बन सकते हैं। समाज की भूमिका भी यहां अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज भी गोद लेने को लेकर तरह-तरह की फुसफुसाहटें, सवाल और शंकाएं उठती हैं। लोग यह भूल जाते हैं कि परिवार खून के रिश्तों से नहीं, भावनात्मक जुड़ाव से बनता है, जब समाज इस सच्चाई को स्वीकार करेगा, तभी गोद लिए गए बच्चों को भी वही सम्मान और समानता मिलेगी, जो जैविक संतान को मिलती है।

अनाथ बच्चों के लिए परिवार मिलना केवल उनके लिए ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए एक सकारात्मक बदलाव है। परिवार में शामिल होने पर ये बच्चे स्वयं को मूल्यवान महसूस करते हैं, उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे समाज के जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में आगे बढ़ते हैं। इससे सामाजिक असमानता, अपराध और उपेक्षा की प्रवृत्तियों में भी कमी आ सकती है। इस दिशा में सरकार, सामाजिक संगठनों और मीडिया की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। गोद लेने की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सरल और संवेदनशील बनाया जाना चाहिए, ताकि दंपतियों का भय कम हो और वे आगे आने के लिए प्रेरित हों। साथ ही समाज में ऐसे उदाहरणों को सामने लाना आवश्यक है, जहां बड़े उम्र के बच्चों को गोद लेकर उन्हें प्रेम, शिक्षा और सम्मानपूर्ण जीवन दिया गया हो।

विद्यालयों और सामाजिक मंचों पर गोद लेने को लेकर सकारात्मक संवाद होना चाहिए, जिससे यह भावना विकसित हो कि हर बच्चा अपनाए जाने योग्य है, जब संवेदना, जिम्मेदारी और मानवीय दृष्टि हमारी सोच का हिस्सा बनेंगी, तभी गोद लेने की प्रक्रिया एक सामाजिक आंदोलन का रूप ले सकेगी और असंख्य बच्चों का सूना जीवन आशा से भर उठेगा। अनाथ बच्चों को सामान्य बच्चों की तरह खुशहाल जीवन देने के लिए सोच में परिवर्तन अनिवार्य है, क्योंकि किसी भी सभ्य समाज की पहचान उसके सबसे कमजोर वर्ग के प्रति उसके व्यवहार से होती है।

सोशल फोरम

एक साथ नहीं मिल सकते सुखभोग और आत्मगौरव

आज समाज में भोगी और कामी (स्त्री और पुरुष दोनों) का इतना महिमामंडन क्यों किया जाने लगा है? महिमामंडन तो त्यागी और संयमी का होना चाहिए न? भोगी और कामी ने वैसी कौन-सी उपलब्धि पाई है, जिसके लिए वह गौरव से भरना चाहता है, समाज से मान्यता चाहता है? जैसे जल नीचे की ओर रिस जाता है, वैसे ही मनुष्य की चेतना मूलाधार के सुखों में अटकी रहती है। कोई मनुज इससे मुक्त नहीं। यश तो उसका है, जिसने अपनी चेतना को ऊर्ध्वगामी बनाया, जो जितेन्द्रिय हुआ या जिसने इसके लिए यत्न किए। कामनाओं के सम्मुख घुटने टेक देने वालों को किस बात के आत्मगौरव की चाह है? कामना मनुष्य की प्राथमिक, मूलभूत और आदिम वृत्ति है। मनुष्य सुख का लोभी है। प्रायः पूरा जीवन ही सुख की टोह में रहता है। इसमें भी बहुधा यह सुख भौतिक ही रहता है- जिह्वा और जननेन्द्रिय की क्षणचपल उत्फुल्लता। सुख के इस अनवरत शोध से मनुष्य क्या अर्जित करना चाहता है, ये उसे स्वयं ही नहीं पता। किंतु यदि कोई व्यक्ति आजीवन अपनी कामनाओं की ही पूर्ति करता रहे, तो वह खंख होकर रह जाएगा, निरा भौतिकवादी भोग-पुतुल बनकर रह जाएगा, उसके भीतर सरणियां नहीं होंगी, कोई आत्मसंघर्ष न होगा।

सुशोभित
लेखक

व्यक्ति के चरित्र और व्यक्तित्व का निर्माण आत्मसंघर्ष से होता है। इन्द्रिय-दमन की बात नहीं कर रहा हूं, कामनाओं के शमन की ओर भी संकेत नहीं है। संकेत उस विषाद की ओर है, रिक्तता और क्षोभ की ओर है, जो हर निरे इन्द्रिय-सुख की पूर्ति के बाद मनुष्य के भीतर उठता है, उठना ही चाहिए। अपने सुखों के प्रति एक मूक-विद्रोह मनुष्य होने की बुनियादी पहचानों में से है। फिर यह युग तो यों भी भोग का ही है। भोग की कीच में सभी सूरमा अपनी तलवारों की टूटी मूंठों के साथ निरुपाय पड़े हैं। कोई इसे अपनी विजय बताता हो, तो यह उसकी मूढ़ता ही कहलाएगी। स्मरण रहे, वर्तमान कालखंड में क्रांतिकारी वह है, जो कहता है मैंने त्यागा, वह नहीं, जो कहता है मैंने भोगा। आज की तारीख में विद्रोही वह है, जो पूछता है मैं कब तक अपनी इन्द्रियों का अनुचर बना रहूंगा, कब तक इसकी तृष्णा पूरी करने के लिए खटता रहूंगा? आज की तारीख में वह विद्रोही नहीं है, जो कहता है मैंने छककर खाया और फिर अघाया और कल फिर उठा और फिर से सुखों की टोह में निकल पड़ा- निष्प्रयोज्य, दिशाहारा। जो वैसा करते हैं, उनसे विरोध नहीं है, उनकी निंदा भी नहीं है, किंतु उसमें आत्मगौरव नहीं है। उन्मुक्त सुखभोग और आत्मगौरव दोनों एक साथ नहीं मिल सकते, मित्र। कोई एक चुन लो। –फेसबुक वॉल से

सामयिकी

हाइड्रोजन ट्रेनः भारत की हरित परिवहन क्रांति

भारत ने स्वच्छ ऊर्जा और आधुनिक परिवहन के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज कर ली है। हाल ही में भारतीय रेलवे ने विश्व की सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन-चालित ट्रेन का सफल परीक्षण कर यह सिद्ध कर दिया है कि देश अब केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि नवाचार का नेतृत्वकर्ता बनता जा रहा है। यह उपलब्धि न केवल रेलवे के लिए गर्व का विषय है, बल्कि भारत के उस व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है, जिसमें ऊर्जा आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को केंद्र में रखा गया है। हाइड्रोजन आधारित यह ट्रेन आने वाले समय में भारतीय परिवहन व्यवस्था की दिशा और दशा दोनों बदलने की क्षमता रखती है। उत्तर रेलवे के अनुसार हरियाणा के जींद और सोनीपत के बीच इस अत्याधुनिक ट्रेन का सफल ट्रायल किया गया है। इसके लिए जींद में विशेष रूप से हाइड्रोजन उत्पादन और आपूर्ति से जुड़ा एक प्लांट स्थापित किया गया है, जिसे निर्बाध 11 केवी विद्युत आपूर्ति से जोड़ा गया है।

देवेंद्र सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

यह व्यवस्था दर्शाती है कि हाइड्रोजन आधारित परिवहन केवल प्रयोग तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे व्यावहारिक स्तर पर लागू करने की ठोस तैयारी की जा चुकी है। परीक्षण के दौरान रेलवे विशेषज्ञों ने पावर कार, सुरक्षा प्रणालियों, स्पीड सेंसर, ब्रेकिंग सिस्टम और नियंत्रण तंत्र की गहन जांच की, ताकि किसी भी स्थिति में ट्रेन का सुरक्षित और स्थिर संचालन सुनिश्चित किया जा सके। यह भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन है, जिसे 'जीरो आवाज, जीरो पॉल्यूशन' के सिद्धांत पर विकसित किया गया है। इसकी अनुमानित गति 110 से 140 किलोमीटर प्रति घंटा के बीच होगी, जिससे यह पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ आधुनिक डीजल ट्रेनों के बराबर प्रदर्शन करने में सक्षम होगी। परीक्षण के दौरान ट्रेन को धीमी और मध्यम गति पर चलाकर कोचों की ऊंचाई, पायदान और संरचनात्मक मजबूती की भी बारीकी से जांच की गई। रेलवे अधिकारियों के अनुसार भविष्य में यह ट्रेन ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के लिए आदर्श मॉडल बन सकती है।

हाइड्रोजन को ऊर्जा स्रोत के रूप में अपनाने की दिशा में भारत पहले से ही व्यापक प्रयास कर रहा है। 'राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन' के तहत सरकार ने वर्ष 2030 तक प्रतिवर्ष 5 मिलियन मीट्रिक टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसका उद्देश्य देश की ऊर्जा जरूरतों को स्वदेशी और स्वच्छ संसाधनों से पूरा करना तथा भारत को वैश्विक हरित हाइड्रोजन हब के रूप में स्थापित करना है। ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन सौर और पवन ऊर्जा से पानी के इलेक्ट्रोलिसिस द्वारा किया जाता है, जिसमें उत्सर्जन के नाम पर केवल पानी निकलता है। परिवहन क्षेत्र में हाइड्रोजन के उपयोग को लेकर भारत में कई स्तरों पर प्रयोग हो रहे हैं। दिल्ली में इंडियन ऑयल द्वारा सौर ऊर्जा से संचालित ग्रीन हाइड्रोजन फ्यूल सेल बसों का परीक्षण किया जा रहा है। हाइड्रोजन ईंधन को बढ़ावा देने के पीछे सरकार का उद्देश्य केवल पर्यावरण संरक्षण नहीं, बल्कि जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करना, ऊर्जा आयात घटाना और रोजगार के नए अवसर पैदा करना भी है। कुल मिलाकर, हाइड्रोजन की पटरी पर दौड़ती यह ट्रेन केवल एक तकनीकी प्रयोग नहीं, बल्कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन साधने की भारतीय सोच का प्रतीक है। यदि यह प्रयोग सफलतापूर्वक विस्तारित होता है, तो भारत स्वच्छ परिवहन के साथ-साथ वैश्विक हरित ऊर्जा नेतृत्व की दिशा में भी एक मजबूत कदम बढ़ाएगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

हस्तशिल्प और कला इन दोनों के बीच बहुत महीन विभाजन रेखा है और यह दोनों ही एक-दूसरे में रूपांतरित हो सकते हैं। ठीक वैसे ही जैसे पानी और भाप। एक निश्चित तापमान के बाद पानी स्वतः ही भाप में परिवर्तित हो जाता है और उस निश्चित तापमान से नीचे आते ही भाप पुनः पानी में बदल जाती है। अनेक हस्तशिल्पी अपने हस्तशिल्प कार्य को अपनी कल्पनाशीलता और शिल्प कौशल के संतुलित संयोजन से, उसे कलात्मकता के स्तर तक ले जाते हैं। तब उनका बनाया वह हस्तशिल्प एक कलाकृति के रूप में स्वीकार्य हो जाता है। फिर वह मात्र हस्तशिल्प न रहकर एक कलात्मक कलाकृति कहलाता है, परंतु यह अपवाद स्वरूप ही देखने में आता है, सामान्य हस्तशिल्प इस श्रेणी तक कभी नहीं पहुंच पाते।

मुश्ताक खान
लेखक, नई दिल्ली

समझना होगा कला और हस्तशिल्प के अंतर को

अभिव्यक्ति एवं संप्रेषण का महत्व

हस्तशिल्प के कई कलाकार भी अपनी कलाकृति को इतना भावहीन एवं यांत्रिक बना देते हैं कि उन्हें कला की श्रेणी में रखना कठिन हो जाता है। हस्तशिल्प की मान्यता प्राप्त परिभाषा के अनुसार, पावर द्वारा चालित मशीनों के कम से कम उपयोग से मुख्यत: हाथों द्वारा बनाई गई कोई भी सुंदर, उपयोगी एवं टिकाऊ वास्तु हस्तशिल्प कहलाती है। इस परिभाषा के अनुसार हस्तशिल्प में उपयोग एवं टिकाऊ पक्ष उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि हस्तशिल्प का सुदर्शन होना। हस्त शिल्प का यही पक्ष उसे कला के क्षेत्र से बाहर करता है, क्योंकि कला में उपयोग एवं टिकाऊ होने की कोई शर्त नहीं है। कला की अनेक परिभाषाओं में उसे आत्म अभिव्यक्ति से जोड़ा गया है, वहां दृष्टि, संप्रेषण और सृजन की बात की गई है। हस्तशिल्प और कला की परिभाषाओं में यह अंतर ही उनके वास्तविक चरित्र को उजागर करता है। हस्तशिल्प में सौंदर्य के साथ उपयोगिता पक्ष का बाहुल्य है, जबकि कला में सौंदर्य सृजन के साथ अभिव्यक्ति एवं संप्रेषण महत्व रखता है।

हस्तशिल्प में अनुशासन और दक्षता

कला के सृजन का कोई निश्चित नियम या पूर्वनिर्धारित फार्मूला नहीं होता। कला को जबरन गढ़ा नहीं जा सकता, वह तो स्वयं अपनी अभिव्यक्ति का मार्ग खोज लेती है। कलाकार केवल माध्यम होता है, सृजन की प्रक्रिया उसके भीतर स्वतः घटित होती है। इसके विपरीत हस्तशिल्प एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया पर आधारित होता है, जहां निर्माण के स्पष्ट नियम, तकनीक और तयशुदा ढांचे मौजूद होते हैं। हस्तशिल्प में यह लगभग निश्चित रहता है कि अंत में उत्पाद कैसा होगा, जबकि कला में अंतिम परिणाम सृजन की यात्रा पूरी होने के बाद ही सामने आता है। कला की यही अनिश्चितता उसे रोमांचक और जीवंत बनाती है। यह अनपेक्षित मोड़, आकस्मिक अनुभूतियां और भावनात्मक गहराई ही कला को विशिष्ट बनाती हैं। कला-सृजन के लिए उन्मुक्त चिंतन, कल्पनाशीलता और आत्म-विस्मृति अत्यंत आवश्यक होती है। जब कलाकार अपने अहं और चेतन नियंत्रण से मुक्त होकर सृजन में डूब जाता है, तभी कला का वास्तविक रूप प्रकट होता है।

हस्तशिल्प में अनुशासन, हस्तकौशल और दक्षता का विशेष महत्व होता है। वहां अभ्यास, परंपरा और तकनीकी निपुणता ही प्रमुख आधार हैं। किंतु हस्तशिल्प में भावनाओं का गहन संप्रेषण, अंतर्मन की अभिव्यक्ति या किसी अनदेखे, अमूर्त संसार की रचना का उद्देश्य नहीं होता। यही तत्व कला को हस्तशिल्प से अलग और उच्चतर आयाम प्रदान करते हैं। कला केवल रूप या संरचना तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह संवेदना, अनुभूति और विचारों की अभिव्यक्ति का माध्यम बनती है। उसमें भाव, कल्पना और स्वतंत्रता का समन्वय होता है, जो दर्शक या श्रोता के भीतर भी एक नई चेतना का संचार करता है। इस प्रकार कला और हस्तशिल्प के बीच मूल अंतर तकनीक का नहीं, बल्कि भाव, स्वतंत्रता और सृजनात्मक अनिश्चितता का है और यही कला की आत्मा है।

अनोखी परंपरा

कोरबा : जहां बेटी को दहेज में दिए जाते हैं जहरीले सांप

शादी-विवाह में दहेज की प्रथा भारतीय समाज की एक कड़वी सच्चाई रही है। आमतौर पर दुल्हन के पिता अपनी बेटी को दहेज के रूप में महंगे तोहफे, कीमती सामान, सोने-चांदी के गहने और नकदी देते हैं। कई परिवार तो इस सामाजिक दबाव के कारण कर्ज तक ले लेते हैं, लेकिन क्या आपने कभी सुना है कि किसी शादी में पिता अपनी बेटी को दहेज में गहने या नकदी नहीं, बल्कि जहरीले सांप देता हो? यह बात सुनकर भले ही अचरज हो, लेकिन यह परंपरा वास्तव में भारत के एक हिस्से में आज भी जीवित है।

दहेज की यह अनोखी परंपरा छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में पाई जाती है। जिला मुख्यालय से लगभग 30 किलोमीटर दूर स्थित मुकुंदपुर गांव में रहने वाला संवरा जनजाति समुदाय इस परंपरा का पालन करता है। इस समुदाय में बेटी की शादी के समय दूल्हे को दहेज के रूप में 21 जहरीले सांप दिए जाते हैं। यदि यह शर्त पूरी नहीं होती, तो विवाह संपन्न नहीं माना जाता।

यह परंपरा कोई हाल की नहीं, बल्कि सदियों से चली आ रही है। दरअसल संवरा जनजाति के लोगों का पारंपरिक और पुश्तैनी पेशा जहरीले सांप पकड़ना है। ये लोग सांपों को पकड़कर उन्हें दिखाने का काम करते हैं और इसके बदले लोगों से पैसे लेते हैं। इसी से उनके परिवार का भरण-पोषण होता है। समुदाय की मान्यता है कि बेटी के पिता द्वारा दामाद को सांप देना, दरअसल उसकी आजीविका सुनिश्चित करना है। यह दहेज लालच या प्रदर्शन के लिए नहीं, बल्कि बेटी के भविष्य की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। माना जाता है कि इन सांपों के माध्यम से दामाद कमाई कर सकेगा, जिससे उसकी पत्नी यानी बेटी को जीवनभर खाने-पीने या गुजर-बसर की कोई कमी न हो। आज भले ही आधुनिक समाज दहेज प्रथा को सामाजिक बुराई मानता हो, लेकिन संवरा जनजाति की यह परंपरा हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि हर परंपरा का अर्थ एक जैसा नहीं होता। यह प्रथा दिखाती है कि कुछ समुदायों में दहेज भी सामाजिक सुरक्षा और आजीविका से जुड़ा हुआ एक सांस्कृतिक प्रतीक बन चुका है।

आर्ट गैलरी

समकालीन कला के विशिष्ट चित्रकार

जोगेन चौधरी के चित्रों में ग्रामीण जीवन और कोलकाता के विभिन्न पक्षों का चित्र दिखाई देता है। उनकी निजी चित्र शैली में क्रमशः परिवर्तन होता हुआ दिखाई देता है। बाद में उनकी चित्र शैली में मछली, तितली, सांप आदि को व्यंजक रूप में प्रस्तुत किया गया। वनस्पतियों के चित्रण में कहीं-कहीं खिला हुआ दिखाया गया, तो कहीं वनस्पतियों को तरोताजा दिखाया गया और कहीं उन्हें मुरझाया हुआ भी दिखाया गया है। जोगेन चौधरी ने गणेश जी के अनेक चित्र बनाए हैं। इन्होंने गणेश जी को दुबला-पतला और व्यंग्यात्मक पद्धति में दिखाया गया है। जहां तक नारी आकृतियों की बात है, तो जोगेन चौधरी ने नारी को सुंदर मांसल दिखाने के साथ-साथ नारी आकृति को दुखी रूप में भी चित्रित किया है। क्योंकि जोगेन चौधरी का जीवन प्रकृति के साथ घुला-मिला था, इसलिए इन्होंने अपने चित्रों में पुरुषों के चित्रों को कहीं-कहीं पत्तों की तरह, लता की भांति दिखाया और अंगों के उभार को फूलों की तरह दर्शाया। इनके चित्रों में चित्रित आकृतियों की अंकन शैली से व्यंग्य-विनोद के भाव उभरते हैं। स्थूल-स्थूल आकारों और तुनक मिजाज भंगिमाओं को भोले लगते चेहरे, नेताओं, व्यापारियों को देखकर आज के परिवेश और आज की यथार्थता दिखाई देती है। जोगेन चौधरी उन महत्वपूर्ण चित्रकारों में हैं, जिन्होंने समकालीन भारतीय कला में अपनी सशक्त अभिव्यक्ति से कला और समाज के रिश्ते को अच्छी तरह परिभाषित किया है।

जोगेन चौधरी के बारे में

जोगेन चौधरी का जन्म 19 फरवरी 1939 को पूर्वी बंगाल (आज का बांग्लादेश) के फरीदपुर कस्बे में हुआ था। इनके पिता प्रमथ नाथ चौधरी ब्राह्मण जमींदार थे। इनके पिता ने गांव में होने वाले नाटकों में कई पौराणिक आख्यानों को दीवारों में पेंट किया था और बहुत से हिंदू आइकॉन के चित्र भी बनाए थे। जोगेन चौधरी की माता अल्पना ड्राइंग में दक्ष थीं। 1947 तक जोगेन चौधरी गांव के परिवेश में ही रहे। 1947 में भारत विभाजन के ठीक पहले जोगेन और उनके पिता कोलकाता शिफ्ट हो गए और 1948 के बाद पूरा परिवार कोलकाता में आकर बस गया। 1951 तक उनका पूरा परिवार अपने चाचा के पुलिस डिपार्टमेंट के क्वार्टर में ही रहता रहा। इसी मकान में जोगेन ने दीवारों पर अपनी पहली पेंटिंग बनाई। 1951 में जोगेन चौधरी का परिवार शहीद नगर कॉलोनी, ढाकुरिया, कोलकाता के दूसरे घर में शिफ्ट हो गया।

लोकायन

लावणी: महाराष्ट्र की जीवंत लोक कला

लावणी अपने जोरदार लयबद्ध अंदाज के कारण भारत के सबसे लोकप्रिय लोक नृत्यों में से एक है। यह महाराष्ट्र में विशेष रूप से प्रसिद्ध है और इसमें संगीत, गीत और नृत्य का अनूठा मिश्रण देखने को मिलता है। लावणी की पहचान इसकी तेज-तर्रार ढोलक की ताल और नर्तकियों के नटखट, आकर्षक हाव-भाव से होती है। यह नृत्य दक्षिणी मध्य प्रदेश में भी प्रचलित है और मराठी लोक रंगमंच के विकास में इसका बड़ा योगदान माना जाता है। लावणी को एक रोमांटिक गीत के रूप में भी देखा जाता है, जिसमें एक महिला प्रेमी के आने का इंतजार करती है और अपनी भावनाओं को गीत के माध्यम से व्यक्त करती है।

नृत्य का इतिहास

लावणी शब्द का मूल "लावण्य" शब्द से माना जाता है, जिसका अर्थ है सौंदर्य। इसमें नारी की सुंदरता, शक्ति और भावनात्मक अभिव्यक्ति का सुंदर मेल दिखाई देता है। हालांकि लावणी की उत्पत्ति की सटीक तिथि स्पष्ट नहीं है, लेकिन माना जाता है कि यह एक मनोरंजक कला के रूप में विकसित हुई थी और युद्धग्रस्त समय में सैनिकों के मनोबल को बढ़ाने के लिए भी इसका उपयोग किया जाता था। 18 वीं और 19 वीं शताब्दी में महाराष्ट्र युद्धों से जूझ रहा था और उस समय लावणी का महत्व बढ़ गया। यह नृत्य थके हुए सैनिकों के मनोरंजन का प्रमुख स्रोत बन गया। पेशवा शासन के दौरान लावणी को शाही संरक्षण मिला और यह और भी अधिक लोकप्रिय हुई। मराठी कवि जैसे माननीय बाला, रामजोशी, प्रभाकर आदि ने इसे नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया और इस कला को साहित्यिक तथा सांस्कृतिक रूप से समृद्ध किया।

प्रदर्शन

लावणी का प्रदर्शन एक संगीत-संवाद जैसा होता है, जिसमें गीत, नृत्य, ताल और परंपरा का संयोजन होता है। ढोलक की तेज धुनों के साथ नर्तकियां अपने लयबद्ध कदमों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देती हैं। लावणी के गीतों में समाज, धर्म, राजनीति और रोमांस जैसे विषयों को सहजता से प्रस्तुत किया जाता है। महाराष्ट्र की कई जातियां, जैसे महार, कोल्हाती, कुंभार और मतंग, लावणी के प्रमुख कलाकार माने जाते हैं। लावणी मुख्यत: दो प्रकार की होती है- फडाची लावणी और बैठकी लावणी। फडाची लावणी बड़े मंच पर नाटकीय रूप में प्रस्तुत की जाती है, जबकि बैठकी लावणी निजी समारोहों में, अधिक शास्त्रीय शैली में गाई जाती है।

नर्तकियों की वेशभूषा

लावणी की नर्तकियां 9 गज की नौवारी साड़ी पहनती हैं और अपने बालों को सख्ती से बांधकर रखती हैं। वे भारी गहनों जैसे हार, झुमके, पायल, कमरपट्टा, चूड़ियां आदि से सजती हैं। लावणी में बिंदी का भी विशेष महत्व है, जो नृत्य की सौंदर्यात्मकता को और बढ़ाती है।

हिंदी भाषा में कला विषयक लेखन: चुनौतियां और संभावनाएं

हिंदी भाषा में कला विषयक लेखन आज भी एक सहज और स्वाभाविक प्रक्रिया नहीं बन पाया है। जबकि हिंदी भारत की सबसे व्यापक रूप से बोली और समझी जाने वाली भाषा है, फिर भी कला विमर्श के क्षेत्र में उसका स्थान अपेक्षाकृत सीमित दिखाई देता है। इसके पीछे ऐतिहासिक, संस्थागत, सामाजिक और बाजार से जुड़ी अनेक जटिल वजहें हैं, जिन पर विचार करना आवश्यक है।

सुमन कुमार सिंह
कलाकार/कला लेखक

इस मामले में एक बड़ी चुनौती भाषा और शब्दावली से जुड़ी है। आधुनिक कला विमर्श में जिन अवधारणाओं-जैसे मॉडर्निज्म, कन्सेप्चुअल आर्ट, इंस्टीच्युशनल क्रिटिक, एस्थेटिक, क्युरोटोरियल प्रैक्टिस का व्यापक उपयोग होता है, उनके लिए हिंदी में या तो सर्वमान्य शब्द नहीं हैं या जो अनुवाद उपलब्ध हैं, वे प्रचलन में नहीं आ सके। परिणामस्वरूप हिंदी में कला लेखन करने वाला लेखक या तो अंग्रेजी शब्दों का सहारा लेने को विवश होता है या फिर अत्यधिक व्याख्यात्मक भाषा अपनाता है, जिससे लेखन का प्रवाह बाधित होता है।

ऐसे में एक सुझाव तो यही है कि इन शब्दों को ज्यों का त्यों प्रयोग किया जाए। क्योंकि इस तरह के शब्द अब सहजग्राह्य हो चुके हैं और इसका धड़ल्ले से प्रयोग कला जगत में आम बातचीत में होता है। दूसरी बड़ी चुनौती कला संस्थानों और अकादमिक ढांचे से जुड़ी है। भारत में कला शिक्षा, कला इतिहास और कला आलोचना से संबंधित अधिकांश पाठ्यक्रम, शोध और प्रकाशन अंग्रेजी में केंद्रित रहे हैं। ललित कला अकादमियां, विश्वविद्यालय, संग्रहालय और गैलरियां भी लंबे समय तक अंग्रेजी को ही 'गंभीर विमर्श' की भाषा मानती रही हैं। इस संस्थागत झुकाव का सीधा प्रभाव हिंदी लेखन की संख्या, गुणवत्ता और दृश्यता पर पड़ा।

तीसरा पहलू कला बाजार से जुड़ा है। यह सच है कि भारतीय कला बाजार पर आज भी एक अभिजात्य वर्ग का प्रभुत्व है, जो अंग्रेजी को अपनी बौद्धिक और सामाजिक पहचान से जोड़कर देखता है। चूंकि अधिकांश कला संग्राहक, क्यूरेटर और गैलरी संचालक इसी वर्ग से आते हैं, इसलिए प्रदर्शनी कैटलॉग, प्रेस रिलीज और आलोचनात्मक लेखन में अंग्रेजी को प्राथमिकता दी जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि हिंदी पट्टी के कलाकार भी अपनी प्रस्तुति में अंग्रेजी को अनिवार्य मान लेते हैं, चाहे उनका सामाजिक-सांस्कृतिक अनुभव हिंदी का ही क्यों न हो। हालांकि इस निराशाजनक परिदृश्य के बीच कुछ सकारात्मक बदलाव भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। पिछले एक-दो दशकों में हिंदी में कला विषयक पुस्तकों की संख्या बढ़ी है, चाहे वे कला इतिहास, लोक एवं आदिवासी कला, आधुनिक भारतीय कला या समकालीन विमर्श पर आधारित हों। इसके साथ ही आलेखन डॉट इन जैसी वेबसाइटों और अन्य डिजिटल मंचों ने हिंदी कला लेखन को एक नया विस्तार दिया है। ये मंच न केवल लेखकों को अभिव्यक्ति का अवसर दे रहे हैं, बल्कि एक ऐसे पाठक वर्ग का निर्माण भी कर रहे हैं, जो कला को अपनी भाषा में समझना चाहता है। डिजिटल माध्यमों की भूमिका यहां विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। सोशल मीडिया, ऑनलाइन पत्रिकाएं और ब्लॉग्स ने उस दूरी को कुछ हद तक पाटा है, जो पहले कला और आम हिंदी पाठक के बीच थी।

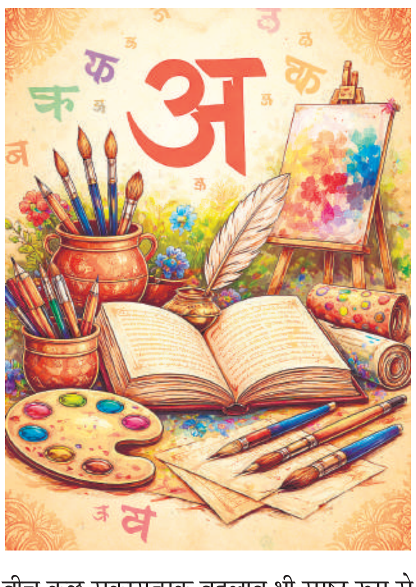

आज युवा लेखक, कलाकार और समीक्षक बिना किसी बड़े संस्थागत समर्थन के भी हिंदी में सार्थक कला विमर्श खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं, किंतु इन सबके बावजूद आवश्यकता इस बात की भी है कि हिंदी के समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में नियमित रूप से कला विषयक लेख, समीक्षा, परिचर्चा और साक्षात्कार का प्रकाशन होता रहे।

अंततः यह कहा जा सकता है कि हिंदी में कला विषयक लेखन की चुनौती केवल भाषा की नहीं, बल्कि दृष्टि और संरचना की भी है। जब तक कला विमर्श को अभिजात्य दायरे से बाहर निकालकर व्यापक सांस्कृतिक संवाद का हिस्सा नहीं बनाया जाएगा, तब तक हिंदी को उसका वाजिब स्थान नहीं मिल पाएगा। हाल के प्रयास यह संकेत देते हैं कि हिंदी कला लेखन धीरे-धीरे अपनी जमीन तलाश रहा है और यही भविष्य के लिए सबसे आशाजनक संकेत है।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राज श्री 1870, फ़ॉर्चून कि. 2365, रविन्द्रा 2460, फॉर्चुन 13 किग्रा 2085, जय जवान 2065, सचिन 2060, सूरज 2065, अवसर 1900, उजाला 1985, गृहणी 13 किग्रा 1910, क्लासिक (किग्रा) 2235, मोर 2260, चक्र टिन 2330, ब्लू 2140, आशीर्वाद मस्टर्ड 2325, स्वास्तिक 2520

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 15000-17800, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8400, गौरी प्रीमियम 9800, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4050,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9700, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800-8500, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10400, उड़द साबुत दिल्ली 10200, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7700, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8400, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 9900, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8200, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000-10300, अरहर कोरी छोटी 11400

चीनी : पीलीभीत 4380, बहेड़ी 4300

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3100, मसूरी- 760, बासमती- 5400, परमल- 1100

दाल दलहन : काला चना- 2400, साबुत चना दाल- 1300, मूंग साबुत- 4000, राजमा- 8100-11400, दाल उड़द- 5200, साबुत मसूर दाल- 2000, मसूर दाल- 1900, उड़द साबुत- 3800, काबुली चना- 7600, अरहर दाल- 10300, लोबिया/करमानी- 1200

बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 4 माह के उच्चतम स्तर 3.7 प्रतिशत पर

उर्वरक-सीमेंट में आया उछाल, कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और रिफाइनरी उत्पाद घटे

नई दिल्ली, एजेंसी

उर्वरक और सीमेंट उत्पादन में उछाल से बीते महीने देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 3.7 प्रतिशत रही। यह चार महीने का उच्चतम स्तर है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार दिसंबर 2024 में यह दर 5.1 प्रतिशत थी। इस तरह बीते महीने के आंकड़े में सालाना आधार पर गिरावट है। पिछले साल नवंबर में यह आंकड़ा 2.1 प्रतिशत था।

समीक्षाधीन महीने के दौरान कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और रिफाइनरी उत्पादों का उत्पादन बढ़ने की रफ्तार घट गई। इस दौरान उर्वरक के उत्पादन में 4.1 प्रतिशत और सीमेंट के उत्पादन में 13.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। दिसंबर 2025 में कोयला उत्पादन 3.6 प्रतिशत, इस्पात उत्पादन 6.9 प्रतिशत और बिजली उत्पादन 5.3 प्रतिशत की दर से बढ़ा। बिजली उत्पादन में नवंबर 2025 के मुकाबले बढ़ोत्तरी हुई, क्योंकि नवंबर में इसमें 1.5 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान इन आठ क्षेत्रों के उत्पादन में 2.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 4.5 प्रतिशत थी। आठ प्रमुख उद्योगों की औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में 40.27 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि आईआईपी वृद्धि दर नवंबर 2025 के 6.7 प्रतिशत से घटकर दिसंबर 2025 में लगभग 4.5-5 प्रतिशत के आसपास रहने का अनुमान है।

फिक्की विनिर्माण सूचकांक तीसरी तिमाही में उच्चतम स्तर पर पहुंचा

- आठ प्रमुख क्षेत्रों के विनिर्माताओं के प्रदर्शन एवं बाजार की स्थिति का किया आकलन

नई दिल्ली। उत्पादन लागत अधिक रहने के बावजूद फिक्की विनिर्माण सूचकांक चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। इसमें 91% कंपनियों ने स्थिर या उससे अधिक उत्पादन दर्ज किया है जो जुलाई-सितंबर के 87 प्रतिशत से अधिक है। फिक्की के विनिर्माण पर तिमाही सर्वेक्षण (क्यूएसएम) के 68वें संस्करण में तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में आठ प्रमुख क्षेत्रों के विनिर्माताओं के प्रदर्शन एवं बाजार की स्थिति का आकलन किया गया। इनमें मोटर वाहन कलपुर्जों, पूंजीगत सामान, रसायन, उर्वरक तथा दवा, इलेक्ट्रॉनिक एवं इलेक्ट्रिकल, मशीन उपकरण, धातु व धातु उत्पाद, वस्त्र, परिधान तथा प्रौद्योगिकी वस्त्र तथा विविध वस्तुएं शामिल हैं। लघु एवं मझोले उद्यम दोनों क्षेत्रों की विनिर्माण इकाइयों से प्रतिक्रियाएं प्राप्त की गई हैं, जिनका वार्षिक कारोबार संयुक्त रूप से तीन लाख करोड़ से अधिक है। 57% उत्तरदाताओं ने बिक्री के प्रतिशत के रूप में उत्पादन लागत में वृद्धि की जानकारी दी जो पिछली तिमाही के निष्कर्षों के अनुरूप है और यह दर्शाता है कि लागत अब भी अधिक है। उद्योग मंडल ने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में उत्पादन लागत में वृद्धि मुख्य रूप से कच्चे माल की उच्च लागत, मुद्रा में उतार-चढ़ाव और लॉजिस्टिक, बिजली एवं यूटिलीटी लागत में वृद्धि के कारण हुई है। तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में विनिर्माण सूचकांक का प्रदर्शन भारत के विनिर्माण क्षेत्र में निरंतर वृद्धि एवं बढ़ते आशावाद को दर्शाता है।

चीनी उत्पादन 22 प्रतिशत बढ़कर हुआ 159 लाख टन : इस्मा

नई दिल्ली, एजेंसी

- उत्तर प्रदेश में उत्पादन 42.8 लाख टन से बढ़कर 46 लाख टन पहुंचा, कर्नाटक ने भी दर्ज की बढ़ोतरी
- उद्योग निकाय ने कहा- गन्ने की बढ़ती और चीनी के गिरते दाम से मिलों को हानि, किसानों के भुगतान में देरी

गन्ने की अधिक आपूर्ति और बेहतर पैदावार के चलते भारत का चीनी उत्पादन 2025-26 सत्र में 15 जनवरी तक सालाना आधार पर 22% बढ़कर 1.59 करोड़ टन हो गया है। उद्योग संगठन इस्मा ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

भारतीय चीनी एवं बायो-ऊर्जा विनिर्माता संघ (इस्मा) ने कहा कि पिछले साल इसी अवधि में उत्पादन 1.3 करोड़ टन था। इस साल 15 जनवरी तक 518 चीनी मिलें चालू थीं, जबकि एक साल पहले यह संख्या 500 थी। देश में चीनी का सत्र अक्टूबर से सितंबर तक चलता है। सबसे बड़े उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में उत्पादन सालाना आधार पर 42.7 लाख टन से 51% बढ़कर 64.5 लाख टन हो गया। उत्तर प्रदेश में उत्पादन 42.8 लाख टन से बढ़कर 46 लाख टन हो गया। कर्नाटक का उत्पादन सालाना आधार पर 27.5 लाख टन से बढ़कर 31 लाख टन हो गया।

इस्मा ने कहा कि गन्ने की पर्याप्त उपलब्धता, बेहतर पैदावार और प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में सुचारू कामकाज के कारण 2025-26 के सत्र में भारत के चीनी क्षेत्र ने अब तक स्थिर प्रगति की है। उद्योग निकाय ने चेतावनी दी कि गन्ने की बढ़ती कीमतों और चीनी की कीमतों में गिरावट से मिलों की वित्तीय स्थिति खराब हो रही है और किसानों को गन्ने के भुगतान में देरी हो रही है।

इस्मा ने बताया कि महाराष्ट्र और कर्नाटक में मिलों से निकलने वाली चीनी की कीमतें गिरकर 3,550 रुपये प्रति क्विंटल पर आ गई हैं, जो उत्पादन लागत से काफी कम है। संस्था ने कहा कि चीनी का भंडार बढ़ रहा है और संकेत मिल रहे हैं कि गन्ने के भुगतान का बकाया बढ़ना शुरू हो गया है। अगर मौजूदा हालात बने रहे तो यह और बढ़ सकता है। इस्मा ने वित्तीय स्थिरता बहाल करने और किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए चीनी के न्यूनतम बिक्री मूल्य (एमएसपी) में जल्द संशोधन की मांग की है।

कर राहत, ऋण कोष के लिए इंडेक्सेशन लाभ बहाल करे केंद्र सरकार : एम्फी

नई दिल्ली, एजेंसी

- निकाय ने की एलटीसीजी पर कर मुक्त छूट की सीमा बढ़ाने की मांग

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) ने सरकार से आगामी बजट 2026-27 में ऋण (बॉण्ड) कोष के लिए इंडेक्सेशन लाभों को बहाल करने की मांग की। एम्फी ने साथ ही म्यूचुअल फंडों को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के समान कर लाभों के साथ पेंशन आधारित योजनाएं पेश करने की अनुमति देने का आग्रह भी किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को लोकसभा में आम बजट पेश करेंगी।

इंडेक्सेशन वह तरीका है, जिससे निवेश पर होने वाले मुनाफे में महंगाई को समायोजित किया जाता है, जिससे कर का बोझ कम हो जाता है। म्यूचुअल फंड निकाय ने खुदरा और दीर्घकालिक निवेशकों को अधिक राहत देने के लिए इक्विटी निवेश से होने वाले दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) पर कर मुक्त छूट की सीमा बढ़ाने की भी मांग की है। वित्त वर्ष 2026-27 के आम बजट के लिए अपनी सिफारिशों में एम्फी ने सरकार से इक्विटी एलटीसीजी (एलटीसीजी) के लिए कर मुक्त छूट की सीमा को 1.25 लाख से बढ़ाकर दो लाख रुपये करने का आग्रह किया है। उसने कहा कि एमएफ उद्योग में स्थिर दीर्घकालिक पूंजी को प्रोत्साहित करने को पांच वर्ष से अधिक समय तक रखी गई इकाइयों पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ से छूट की सिफारिश की है। इससे सुनिश्चित होगा कि निवेशक लंबी अवधि तक निवेशित रहें। एम्फी ने एमएफ की ऋण योजनाओं के लिए दीर्घकालिक इंडेक्सेशन लाभ को बहाल करने का अनुरोध किया है, जिसे बजट 2024 में वापस ले लिया गया था।

सोना 1.5 लाख के पार, चांदी 20,400 रुपये उछली

नई दिल्ली, एजेंसी

- विदेशी बाजारों में भी सोना और चांदी की मांग में रही तेजी

सोना मंगलवार को मजबूत मांग के कारण 5,100 रुपये की छलांग लगाते हुए पहली बार 1.5 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया जबकि चांदी ने 20,400 रुपये के उछाल के साथ नया रिकॉर्ड बना दिया।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने कहा कि सोना 5,100 रुपये की बढ़त के साथ 1,53,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर) पर पहुंच गया। साथ ही सोने ने 1.5 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम का अहम मनोवैज्ञानिक स्तर भी पार कर लिया। सोना सोमवार को 1,48,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। चांदी की कीमतों ने भी सर्राफा बाजार में मजबूती दिखाते हुए नया उच्चतम स्तर छू लिया। सफेद धातु 20,400 रुपये यानी 7% बढ़कर 3,23,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर) पर पहुंच गई। सोमवार को चांदी की कीमतों में 10,000 रुपये की तेजी देखी गई थी, जिससे यह तीन लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर को पार कर गई थी।

विदेशी बाजारों में भी सोना और चांदी की मांग में तेजी रही। फॉरेक्स डॉटकॉम के आंकड़ों के मुताबिक, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना पहली बार 4,700 डॉलर प्रति औंस का स्तर के पार पहुंचा। सोने में 66.38 डॉलर यानी 1.42% की बढ़त के साथ कीमत 4,737.40 डॉलर प्रति औंस पहुंच गई।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी हाजिर चांदी ने नया रिकॉर्ड बनाया और 95.88 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। विश्लेषकों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, सुरक्षित निवेश की मांग और आभूषणों एवं निवेशकों से आने वाली लगातार मांग से कीमती धातुओं में यह तेजी देखी जा रही है।

वायदा में भी पीले-सफेद धातु की चमक बढ़ी

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों के सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख करने से सोने का वायदा भाव मंगलवार को 1.5 लाख रुपये के रिकॉर्ड स्तर के पार पहुंचा। चांदी भी 3.27 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के उच्चतम स्तर पहुंची। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में फरवरी में आपूर्ति वाले सोने का भाव 6,861 रुपये यानी 4.7% चढ़कर 1,52,500 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि और रुपये के कमजोर होने से सोने की कीमत में वृद्धि हो रही है। आपूर्ति वाले चांदी के अनुबंधों का वायदा भाव 6% चढ़कर 3,27,998 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंचा।

राष्ट्रीय

ईडी रिट दायर कर सकती है या नहीं, सुप्रीम कोर्ट करेगा तय

न्यायालय ने केरल-तमिलनाडु की अपीलों पर जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

- संविधान के अनुच्छेद 226 से संबंधित मुद्दे पर सुनवाई के लिए जताई सहमति

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को इस मुद्दे पर सुनवाई करने पर सहमति जताई कि क्या प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत एक न्यायिक इकाई (ज्यूरिस्टिक पर्सन) के रूप में अपने अधिकारों के प्रवर्तन के लिए उच्च न्यायालयों में रिट याचिका दायर कर सकती है। ज्यूरिस्टिक पर्सन वह गैर-इंसानी कानूनी इकाई होती है, जिसे कानून द्वारा मान्यता दी जाती है और जिसे मानव की तरह अधिकार और दायित्व प्राप्त होते हैं।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने केरल और तमिलनाडु सरकारों की अपीलों पर ईडी को नोटिस जारी किया। इन अपीलों में केरल हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें ईडी को अनुच्छेद 226 के तहत रिट याचिका दायर करने का अधिकार होने की पुष्टि की गई थी। अनुच्छेद 226 हाईकोर्ट को कुछ रिट जारी करने की शक्ति से संबंधित है। केरल हाईकोर्ट ने गत वर्ष 26 सितंबर को पारित आदेश में एकल न्यायाधीश के उस आदेश को बरकरार रखा था, जिसमें 2020 में राजनयिक माध्यम से हुए सोना तस्करी मामले में ईडी की जांच से संबंधित न्यायिक जांच पर रोक लगाई थी। यह न्यायिक जांच आयोग उन आरोपों के बाद गठित हुआ था, जिनमें कहा गया था कि ईडी अधिकारियों ने आरोपियों पर दबाव डालकर मुख्यमंत्री समेत नेताओं को सोना तस्करी मामले में फंसाने की कोशिश की। हाईकोर्ट ने केरल सरकार की उस अपील को खारिज किया था, जिसमें एकल पीठ के अंतरिम स्थगन आदेश को चुनौती दी गई थी।

अदालत ने कहा था कि अपील में कोई दम नहीं है और ईडी की याचिका पर सुनवाई कर जांच पर रोक लगाने में एकल पीठ ने कोई त्रुटि नहीं की। यह मामला 7 मई 2021 की राज्य सरकार की अधिसूचना से उत्पन्न हुआ था, जिसमें आयोग जांच अधिनियम, 1952 के तहत ईडी अधिकारियों के खिलाफ न्यायिक जांच का आदेश दिया गया था। ईडी के उप निदेशक ने हाईकोर्ट का रुख करते हुए सवाल उठाया था कि क्या राज्य सरकार को किसी केंद्रीय जांच एजेंसी के खिलाफ जांच का आदेश देने का अधिकार है। एकल पीठ ने यह माना कि ईडी को अधिकार प्राप्त है और 11 अगस्त 2021 को अधिसूचना पर अंतरिम रोक लगा दी, जिसके बाद राज्य सरकार ने इसके खिलाफ अपील दायर की।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला : संबंधित याचिकाओं पर 28 को सुनवाई

उच्चतम न्यायालय ने छत्तीसगढ़ शराब घोटाला से जुड़ीं 40 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई मंगलवार को 28 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी। इन याचिकाओं में आरोपियों की जमानत याचिकाएं भी हैं। उच्चतम न्यायालय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को जमानत देने के खिलाफ दायर ईडी की याचिका पर भी अगले बुधवार को सुनवाई करेगा। मंगलवार को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और विपुल पंचोली की पीठ ने पूर्व नौकरशाह सौम्या चौरसिया की अलग याचिका पर राज्य सरकार और जांच एजेंसी को नोटिस जारी किए। चौरसिया छत्तीसगढ़ कैडर की लोकसेवक थीं। वह पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कार्यालय में उप सचिव और विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) थीं। कोयला घोटाला मामले में शीर्ष अदालत से जमानत मिलने के बाद जांच एजेंसियों ने शराब घोटाले में उन्हें फिर से गिरफ्तार किया था। चौरसिया के अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि यह प्राथमिकी को निरंतर बनाए रखने का मामला है और उच्चतम न्यायालय की पूरी तरह से अनदेखी है।

रिट अदालतें सभी समस्याओं का समाधान नहीं

उच्चतम न्यायालय ने एक यूट्यूबर की उस याचिका को मंगलवार को खारिज कर दिया, जिसमें उसने फिल्म निर्माता के आरोपों को लेकर चेन्नई में सील किये उसके कार्यालय को खोलने और जब्त उपकरण लौटाने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। फिल्म निर्माता ने यूट्यूबर पर मारपीट और वसूली का आरोप लगाया था। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मद्रास हाईकोर्ट द्वारा पारित आदेश को चुनौती देने वाली सावुक्कू शंकर की याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया और उसे न्यायिक मजिस्ट्रेट का रुख करने को कहा। पीठ ने शंकर के अधिवक्ता बालाजी श्रीनिवासन से कहा कि यह मत सोचिए कि रिट अदालत सभी समस्याओं का रामबाण इलाज है। याचिका खारिज की जाती है। उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय के लिये रिट अदालत शब्द का भी इस्तेमाल किया जाता है। मद्रास हाईकोर्ट ने 30 दिसंबर 2025 को सीलिंग आदेश पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया था और यूट्यूबर को संबंधित मजिस्ट्रेट का रुख करने का निर्देश दिया था।

एआईबीई में एलएलबी के अंतिम सेमेस्टर के छात्र हो सकते हैं शामिल

नई दिल्ली। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने मंगलवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि उसने कानून के अंतिम वर्ष के छात्रों के अखिल भारतीय बार परीक्षा (एआईबीई) में शामिल होने के लिए नियम तैयार किये हैं और यह वर्ष में दो बार आयोजित की जाएगी। एआईबीई, बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षा है। विधि स्नातकों के वकालत करने के लिए प्रमाण पत्र प्राप्त करने के वास्ते इसमें शामिल होना आवश्यक है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ 2024 में दायर रिट याचिका की सुनवाई कर रही थी, जिसमें अंतिम सेमेस्टर के छात्रों को एआईबीई में शामिल होने की अनुमति देने के निर्देश का अनुरोध किया गया था। पीठ ने दलीलें दर्ज कीं और याचिका का निस्तारण कर दिया।

नितिन ने 12वें अध्यक्ष के रूप में संभाला पदभार

नई दिल्ली, एजेंसी

- भाजपा मुख्यालय में आयोजित सभा को मोदी ने किया संबोधित

नितिन नबीन के मंगलवार को भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में पदभार संभालने के साथ पार्टी के एक नये अध्याय की शुरूआत हो गई। उन्होंने जेपी नड्डा की जगह ली है। नवीन ऐसे समय में भाजपा अध्यक्ष बने हैं जब वह देश की राजनीति पर अपनी पकड़ और मजबूत करने की कोशिश कर रही है और पार्टी संगठन में पीढ़ीगत बदलाव के जरिए अपना प्रभाव विस्तारित करना चाहती है।

इस अवसर पर भाजपा मुख्यालय की सभा में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जब बात पार्टी के विषयों की आती है, तब वह एक कार्यकर्ता हैं। नबीन के नाम की घोषणा के बाद, प्रधानमंत्री और अन्य वरिष्ठ नेता उन्हें पार्टी मुख्यालय स्थित उनके नये कार्यालय में ले गए, जहां उन्होंने आधिकारिक तौर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, भाजपा के निवर्तमान अध्यक्ष नड्डा और पार्टी महासचिव बीएल संतोष मौजूद थे। नबीन की पत्नी, बच्चे और परिवार के अन्य सदस्य भी वहां उपस्थित थे। इससे पहले, पार्टी मुख्यालय की सभा में मोदी ने नवीन को युवा ऊर्जा और संगठन में व्यापक अनुभव वाला मिलेनियल बताया, जो पार्टी के लिए मददगार साबित होगा। मिलेनियल शब्द आमतौर पर ऐसे व्यक्ति के लिए उपयोग किया जाता है, जिसका जन्म 1980 से लेकर 1990 के मध्य हुआ हो। नबीन ने अपने संबोधन में लोगों, खासकर युवाओं से राजनीति में आने की अपील की ताकि प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को पूरा किया जा सके।

असम में हिंसा, आरएएफ तैनात और इंटरनेट बंद

कोकराझार/गुवाहाटी, एजेंसी

असम के कोकराझार में हिंसा के बाद तैनात सुरक्षाकर्मी।

- हिंसा के बाद बोडो और आदिवासी समुदाय आमने-सामने, एक व्यक्ति की मौत
- मुख्यमंत्री सरमा ने की शांति बनाए रखने और सरकार की मदद करने की अपील

असम के कोकराझार जिले में मंगलवार को भीड़ की हिंसा के बाद बोडो और आदिवासियों के बीच झड़पें हुईं, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके बाद त्वरित कार्रवाई बल (आरएएफ) को तैनात किया गया और इंटरनेट/मोबाइल डेटा सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गईं।

मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने कहा कि सेना की तैनाती के लिए प्रक्रिया जारी है और कोकराझार में झड़पों और हिंसा के बाद आरएएफ तैनात है। कोकराझार और पड़ोसी चिरांग जिले में इंटरनेट/मोबाइल डेटा सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने और सरकार की मदद करने की अपील की। मुख्यमंत्री अभी विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक में भाग लेने के लिए दावोस में हैं।

उन्होंने एक्स पर कहा कि वह राज्य और जिला प्रशासन के अधिकारियों के संपर्क में हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि स्थिति सामान्य हो जाए। उन्होंने राजनीतिक दलों और नागरिक समाज के नेताओं से जिले में सामान्य स्थिति बहाल करने में सहयोग की अपील की। पुलिस महानिदेशक हरमीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ कोकराझार रवाना हो गए हैं। गृह विभाग के अधिकारी ने बताया कि सोमवार रात कोकराझार में तीन बोडो लोगों को ले जा रहे वाहन से दो आदिवासियों को टक्कर लगी। ग्रामीणों ने तीनों बोडो से मारपीट की और वाहन को आग लगा दी। इसमें एक की मौत हो गई।

एसआईआर सुनवाई के लिए भारतीय गेंदबाज शमी हुए पेश

कोलकाता। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी मंगलवार को पश्चिम बंगाल में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत अपनी निर्धारित सुनवाई के लिए कोलकाता में चुनाव अधिकारियों के सामने पेश हुए।

अधिकारी ने बताया कि शमी दक्षिण कोलकाता के बिक्रमगढ़ इलाके के स्कूल में आवश्यक दस्तावेजों के साथ चुनाव अधिकारियों के सामने पेश हुए।

सुनवाई पूरी होने के बाद शमी ने कहा कि एसआईआर हर किसी की ज़िम्मेदारी है और इस प्रक्रिया के दौरान सभी को सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे कोई परेशानी नहीं हुई और चुनाव अधिकारियों ने इसे अच्छे से संभाला। मैं 25 सालों से यहीं रह रहा हूं। वे मुझे दोबारा बुलाते हैं, तो मैं आऊंगा। राज्य के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के कार्यालय के अधिकारी ने बताया कि शमी द्वारा भरे गणना प्रपत्र में कुछ स्थानों पर विसंगतियां थीं, जिससे उन्हें सुनवाई के लिए तलब किया गया था।

बंगाल में एसआईआर के दौरान उत्पीड़न के खिलाफ प्रदर्शन

कोलकाता, एजेंसी

- सही दस्तावेज के बावजूद बुजुर्ग और मतदाताओं को नोटिस देने का लोगों ने लगाया आरोप

प. बंगाल के विभिन्न जिलों में मंगलवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान लोगों के कथित उत्पीड़न के कारण विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए और कई स्थानों पर सड़कें अवरुद्ध कर दी गईं तथा टायर जलाए गए। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दक्षिण और उत्तर 24 परगना, झाड़ग्राम और पूर्व मेदिनीपुर जिलों में विरोध प्रदर्शन हुए, जिसके बाद पुलिस को इन क्षेत्रों में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती बढ़ानी पड़ी। इससे एक दिन पहले उच्चतम न्यायालय ने आदेश में कहा था कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए और इससे कोई असुविधा नहीं होनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने निर्वाचन आयोग (ईसी) को यह निर्देश भी दिया कि तर्कसंगत विसंगतियों वाली सूची में शामिल लोगों के नाम उन ग्राम पंचायत भवनों और ब्लॉक कार्यालयों में प्रदर्शित किए जाएं, जहां दस्तावेज और आपत्तियां प्रस्तुत की जाएंगी।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सही दस्तावेज होने के बावजूद बुजुर्ग और मतदाताओं को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कई क्षेत्रों में प्रदर्शनकारियों ने सड़कों को अवरुद्ध किया।

मुर्शिदाबाद में बार-बार हो रही हिंसा से हाईकोर्ट चिंतित

- पुलिस और प्रशासन को शांति बनाए रखने का दिया निर्देश

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बार-बार हो रही हिंसा और अशांति पर चिंता व्यक्त करते हुए, कलकत्ता हाईकोर्ट ने मंगलवार को पुलिस और प्रशासन को वहां शांति बनाए रखने का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि राज्य सरकार आवश्यकता पड़ने पर केंद्रीय बल की मांग कर सकती है।

अदालत ने मुर्शिदाबाद के पुलिस अधीक्षक और जिला मजिस्ट्रेट को यह सुनिश्चित करने के लिए सभी उपाय करने का निर्देश दिया कि वहां हिंसा या अशांति की कोई और घटना न हो। पड़ोसी राज्यों में प्रवासी श्रमिकों पर कथित हमलों के संबंध में पिछले सप्ताह मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में हुई हिंसा के मद्देनजर केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग करते हुए अदालत में दो जनहित याचिकाएं दायर की गईं। झारखंड में बेलडांगा निवासी एक प्रवासी मजदूर की मौत के विरोध में 16 जनवरी को प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग 12 को लगभग छह घंटे तक अवरुद्ध रखा।

इस्लामिक स्टेट ने ली काबुल में चीनी रेस्टोरेंट में हुए विस्फोट की जिम्मेदारी

- चीनी नागरिक समेत सात लोगों की हुई थी मौत, 25 लोग घायल

काबुल, एजेंसी

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक चीनी रेस्तरां में हुए विस्फोट की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह ने ली है और धमाके के कारणों की जांच अब भी जारी है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि इस विस्फोट में चीन के एक नागरिक समेत सात लोग मारे गए।

आतंकवादी समूह ने सोमवार देर रात समाचार एजेंसी अमाक पर जारी एक बयान में कहा कि एक आत्मघाती हमलावर शहर के एक रेस्तरां में घुस और विस्फोट कर दिया। इस रेस्तरां में अक्सर चीनी नागरिक आते-जाते थे। हमले में तालिबान के सुरक्षाकर्मियों समेत 25 लोग हताहत हुए। इन विवरणों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है। अफगान प्राधिकारियों ने सोमवार को हुए विस्फोट के कारण की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है और गृह मंत्रालय के प्रवक्ता मुफ्ती अब्दुल मतीन क़ानी ने मंगलवार को कहा कि इसकी अब भी जांच की जा रही है। तालिबान ने 2021 में काबुल पर कब्जा कर लिया था और सभी देशों ने अफगानिस्तान से अपनी सेना वापस बुला ली थीं, लेकिन चीन ने आर्थिक उपस्थिति बनाए रखी है।

चीनी नागरिकों की सुरक्षा का आग्रह

बीजिंग। चीन ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से अपने नागरिकों, परियोजनाओं और संस्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाने का मंगलवार को आग्रह किया। यह अपील काबुल में एक चीनी रेस्तरां में हुए घातक विस्फोट के बाद की गई है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां बताया कि इस विस्फोट में एक चीनी नागरिक की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हुए हैं। उन्होंने कहा, जान गंवाने वाले लोगों के प्रति चीन गहरी संवेदना व्यक्त करता है।

दावोस में बर्फ की परतें क्या पिघलेंगी

विश्व आर्थिक मंच की दावोस में होने वाली वार्षिक बैठक हमेशा से वैश्विक अर्थव्यवस्था और नीतिगत बदलावों का केंद्र रही है। लेकिन साल 2026 की इस बैठक में ग्रीनलैंड का मुद्दा गरमाया हुआ है जो न केवल पर्यावरण से जुड़ा है, बल्कि वैश्विक सत्ता के संतुलन को भी बदल सकता है। दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप ग्रीनलैंड वर्तमान में जलवायु परिवर्तन की मार झेल रहा है। बर्फ पिघलने के साथ इसके नीचे दबे अकूत खनिज भंडार और दुर्लभ पृथ्वी तत्व दुनिया की नजरों में आ गए हैं। दावोस 2026 में यह सवाल प्रमुखता से उठ रहा है कि क्या यह द्वीप भविष्य की ग्रीन इकोनॉमी का इंजन बनेगा या महाशक्तियों के बीच नए शीत युद्ध का अखाड़ा? बहरहाल इस वैश्विक मंच से ग्रीनलैंड की बर्फ की परतों के नीचे दबी भू-राजनीति के पिघलने की उम्मीद ही की जा सकती है।

ग्रीनलैंड पर महासंग्राम

अमेरिका-ईयू के साथ अन्य दावेदार

- अमेरिका इसे अपनी सुरक्षा और आर्कटिक रणनीति के लिए अनिवार्य मानता है, जबकि यूरोपीय संघ (ईयू) इसे अपनी ग्रीन डील के लिए कच्चे माल का सबसे भरोसेमंद स्रोत देख रहा है। दूसरी ओर, रूस और चीन की बढ़ती सक्रियता ने पश्चिमी देशों की नींद उड़ा दी है। रूस जहां आर्कटिक में अपने सैन्य प्रभुत्व को ग्रीनलैंड के करीब तक ले जाना चाहता है, वहीं चीन पोलर सिल्क रोड के जरिए यहां भारी निवेश कर रहा है। दावोस का मंच इन विरोधाभासों को सुलझाने का एक आखिरी कूटनीतिक प्रयास हो सकता है, जहां व्यापारिक हितों और संप्रभुता के बीच एक महीन रेखा खींचने की कोशिश की जा रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ट ट्रंप तो किसी भी की कीमत पर ग्रीनलैंड को हासिल कर लेना चाहते हैं। उनका कहना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल किया जाना बहुत जरूरी है और हम इसके लिए सैन्य प्रयास भी कर सकते हैं।

रक्षा बनाम संसाधन

- अमेरिका : अमेरिका के लिए ग्रीनलैंड का मुद्दा केवल व्यापारिक नहीं, बल्कि रणनीतिक है। आर्कटिक में रूस की बढ़ती मिसाइल क्षमता को देखते हुए ग्रीनलैंड में मौजूद थ्यूल एयर बेस का महत्व बढ़ गया है।
- यूरोपीय संघ : ईयू के लिए ग्रीनलैंड एक रणनीतिक साझेदार है। चूंकि डेनमार्क ईयू का हिस्सा है और ग्रीनलैंड उसका स्वायत्त क्षेत्र है, इसलिए ब्रुसेल्स यहां से लिथियम, कोबाल्ट और जिंक की आपूर्ति चाहता है।

ग्रीनलैंड कीमती क्यों

- दुर्लभ खनिज : यहां दुनिया के 25% दुर्लभ पृथ्वी तत्व होने का अनुमान है, जो स्मार्टफोन और इलेक्ट्रिक कारों के लिए जरूरी हैं।
- नए व्यापारिक मार्ग : बर्फ पिघलने से जहाजों के लिए एशिया से यूरोप का रास्ता 40% छोटा हो जाएगा।
- रणनीतिक स्थिति : उत्तरी अमेरिका और यूरोप के बीच होने से महत्वपूर्ण।

रूस और चीन का रुख

- रूस : रूस का कहना है कि आर्कटिक क्षेत्र केवल पश्चिमी देशों की जागीर नहीं है। दावोस में रूसी प्रतिनिधियों का तर्क है कि ग्रीनलैंड के आसपास के जलक्षेत्र में नौवहन की स्वतंत्रता होनी चाहिए। रूस अपनी 'नॉर्दर्न सी रूट' परियोजना को ग्रीनलैंड के आर्थिक विकास से जोड़कर देख रहा है।
- चीन : चीन खुद को नियर-आर्कटिक स्टेट घोषित कर चुका है। दावोस में चीन का पक्ष स्पष्ट है कि वे ग्रीनलैंड के बुनियादी ढांचे और खनन क्षेत्र में निवेश करना चाहते हैं। चीन का तर्क है कि आर्थिक विकास पर किसी एक देश का एकाधिकार नहीं होना चाहिए, जो सीधे तौर पर अमेरिका को चुनौती है।

आगे की राह

दावोस में ग्रीनलैंड मुद्दे का समाधान रातों-रात नहीं निकलेगा, लेकिन यह मंच संवाद की शुरुआत जरूर कर सकता है। 2026 तक ग्रीनलैंड की सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अपनी जमीन को भू-राजनीतिक मोहरा नहीं बनने देगी।

वर्ल्ड ब्रीफ

इस्तीफा देंगे बुल्गारिया के राष्ट्रपति रादेव

सोफिया। बुल्गारिया के वामपंथी झुकाव वाले राष्ट्रपति रूमेन रादेव ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की। रादेव ने संकेत दिया है कि वह आगामी चुनाव में हिस्सा ले सकते हैं, जिसकी व्यापक उम्मीद की जा रही है क्योंकि हालिया विरोध प्रदर्शनों के बाद मध्य-दक्षिणपंथी सरकार को इस्तीफा देना पड़ा। रादेव ने कहा कि वह मंगलवार को अपना इस्तीफा औपचारिक रूप से संवैधानिक न्यायालय को सौंपेंगे। संविधान के तहत मौजूदा उपराष्ट्रपति इलियाना योतोवा को संसद द्वारा शपथ दिलाई जाएगी और वह राष्ट्रपति कार्यकाल की शेष अवधि तक इस पद पर रहेंगी।

मत्स्य पालन गोलमेज सम्मेलन आज

नई दिल्ली। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के मत्स्य विभाग की ओर से द्विपक्षीय व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय बाजार संपर्क को मजबूत करने के उद्देश्य से 21 जनवरी को यहां समुद्री खाद्य निर्यात संवर्द्धन के विषय में राजदूतों और उच्चायुक्तों के साथ गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा। मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय की ओर से मंगलवार को बताया गया कि केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

जासूसी में नौ की मौत की सजा बरकरार

सना। हूती समूह द्वारा संचालित राजधानी सना स्थित एक अदालत ने सोमवार को जासूसी के आरोप में दोषी ठहराए गए नौ यमनियों की मौत की सजा को बरकरार रखा। हूती-संचालित अल-मसीरा टीवी ने बताया कि अदालत ने नौ आरोपियों के खिलाफ मूल फैसले को बरकरार रखा है, जिन पर हूती समूह अमेरिका, इजरायल और सऊदी अरब सहित विदेशी देशों के लिए जासूसी करने का आरोप लगाया गया है। चैनल ने यह भी बताया कि इनमें से आठ आरोपी हिरासत में हैं और एक फरार है।

कोलंबिया में झड़पों में 26 लोग मारे गए

बोगोटा। कोलंबिया के गुआवियारे प्रांत में सशस्त्र गुटों के बीच हुई भीषण झड़पों में 26 लोग मारे गए। कोलंबियाई सेना ने सोमवार को यह जानकारी दी। सेना के चौथे प्रभाग के कमांडर रिकार्डो रोके ने स्थानीय मीडिया को बताया कि प्रतिद्वंद्वी सशस्त्र गुटों के बीच हुई लड़ाई के बाद सैनिकों ने एल रेटोर्नो नगर पालिका से 26 शव बरामद किए।

ग्रीनलैंड पर शुल्क की धमकी से ट्रंप की विश्वसनीयता पर उठे सवाल

दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक में शीर्ष ईयू अधिकारी ने बताया ट्रंप की भूल

दावोस, एजेंसी

यूरोपीय संघ की शीर्ष अधिकारी ने मंगलवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्होंने पिछले वर्ष यूरोपीय संघ के सदस्य देशों पर नए शुल्क नहीं लगाने पर सहमति जताई थी। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा, यूरोपीय संघ और अमेरिका के बीच जुलाई में एक व्यापार समझौता हुआ था। राजनीति में भी, जैसे व्यापार में समझौता मतलब समझौता होता है। और जब मित्र हाथ मिलाते हैं, तो उसका कुछ अर्थ होना चाहिए।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक के दौरान दावोस में दिए गए अपने संबोधन में वॉन डेर लेयेन ने कहा कि ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप द्वारा प्रस्तावित नए शुल्क खासतौर पर लंबे समय से सहयोगी रहे देशों के बीच एक भूल हैं। उन्होंने संकेत दिया कि ऐसे कदम ट्रांस-अटलांटिक संबंधों को नुकसान पहुंचा सकते हैं और आपसी भरोसे को कमजोर कर सकते हैं।

ट्रंप बोले, अब शांति रखने की जिम्मेदारी मेरी नहीं

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर पूर्ण और संपूर्ण नियंत्रण की अपनी मांग को लेकर नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोएरे को एक पत्र लिखकर कहा है कि उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिला है इसलिए अब वह शांति के बारे में सोचने के लिए बाध्य नहीं हैं। स्काई न्यूज द्वारा प्रकाशित पत्र में ट्रंप ने लिखा, प्रिय जोनास, यह देखते हुए कि आपके देश ने आठ से अधिक युद्ध रुकवाने के बावजूद मुझे नोबेल शांति पुरस्कार नहीं देने का निर्णय लिया, अब मैं केवल शांति के बारे में सोचने के लिए स्वयं को बाध्य नहीं मानता। शांति हमेशा प्रमुख रहेगी, लेकिन अब मैं यह भी सोच सकता हूं कि अमेरिका के लिए क्या उचित है। पत्र में कहा गया, डेनमार्क उस भूमि को रूस या चीन से सुरक्षित नहीं रख सकता, और वैसे भी उनके पास 'स्वामित्व का अधिकार' क्यों है? कोई लिखित दस्तावेज नहीं हैं। सिर्फ यह कहा जाता है कि सैकड़ों साल पहले वहां एक जहाज उतरा था, लेकिन हमारे जहाज भी वहां उतरे थे। मैंने नाटो के गठन के बाद से किसी भी व्यक्ति से अधिक योगदान दिया है। अब नाटो को अमेरिका के लिए कुछ करना चाहिए। उन्होंने अपने पत्र के अंत में लिखा, दुनिया तब तक सुरक्षित नहीं है, जब तक हमारे पास ग्रीनलैंड का पूर्ण और सम्पूर्ण नियंत्रण न हो। धन्यवाद! राष्ट्रपति ट्रंप का यह संदेश नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोएरे से प्राप्त एक संदेश के जवाब में भेजा गया था। यह संदेश प्रधानमंत्री स्टोएरे ने फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब की ओर से भी भेजा था।

अमेरिका के साथ यूरोप के संबंध अब भी मजबूत : बेसेंट

दावोस। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने मंगलवार को कहा कि यूरोप के साथ अमेरिका के संबंध अब भी मजबूत बने हुए हैं। साथ ही उन्होंने अपने व्यापारिक साझेदार देशों से अपील की कि वे ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप प्रशासन की नई शुल्क (टैरिफ) धमकियों से उत्पन्न तनाव को समय के साथ शांत होने दें और धैर्य रखें। उन्होंने स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक से इतर कहा, मुझे लगता है कि हमारे संबंध कभी इतने घनिष्ठ नहीं रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को घोषणा की कि फरवरी से आठ यूरोपीय देशों से आने वाले सामानों पर 10 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया जाएगा। ये वही देश हैं जिन्होंने ग्रीनलैंड को अमेरिका के अधीन लेने की ट्रंप की बढ़ती मांगों के बाद डेनमार्क के समर्थन में एकजुटता दिखाई है। ट्रंप का कहना है कि अमेरिका को सुरक्षा कारणों से ग्रीनलैंड की आवश्यकता है, ताकि चीन और रूस से संभावित खतरों का मुकाबला किया जा सके।

ईडी ने केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में की छापेमारी

- शबरिमला सोना चोरी मामले में केंद्रीय एजेंसी ने की कार्रवाई

कोच्चि/नई दिल्ली, एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शबरिमला में कथित सोने की चोरी के मामले में धन शोधन की जांच के तहत तीन राज्यों में मंगलवार को छापे मारे। अधिकारियों ने बताया कि केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में लगभग 21 स्थानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत छापेमारी की जा रही है। संघीय जांच एजेंसी ने बेंगलुरु में मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी और त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) के पूर्व अध्यक्ष ए पद्मकुमार के अलावा आभूषण विक्रेताओं से जुड़े परिसरों की तलाशी ली।

ईडी ने केरल पुलिस की प्राथमिकियों का संज्ञान लेते हुए नौ जनवरी को पीएमएलए के तहत एक मामला दर्ज किया था। राजनीतिक रूप से संवेदनशील इस मामले की जांच केरल उच्च न्यायालय की देखरेख में राज्य के विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा पहले से ही की जा रही है। यह जांच कई अनियमितताओं से संबंधित है, जिनमें आधिकारिक कदाचार, प्रशासनिक चूक और भगवान अयप्पा मंदिर की विभिन्न कलाकृतियों से सोना चोरी करने की आपराधिक साजिश शामिल है। आरोपों में द्वारपालक (संरक्षक देवता) की मूर्तियों की सोने से मढ़ी तांबे की प्लेटों और मंदिर के श्रीकोविल (गर्भगृह) के दरवाजों के फ्रेम से सोने की चोरी भी शामिल है। ईडी के अधिकारियों ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि सोने से मढ़ी पवित्र कलाकृतियों को आधिकारिक अभिलेखों में जानबूझकर तांबे की प्लेट के रूप में गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया और 2019 तथा 2025 के बीच मंदिर परिसर से गैरकानूनी रूप से हटा दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, चेन्नई और कर्नाटक में निजी प्रतिष्ठानों में रासायनिक प्रक्रियाओं के माध्यम से कथित तौर पर सोना निकाला गया था, जिससे अपराध की आय अर्जित हुई और इस आय को अपने पास रखा गया, हस्तांतरित तथा छिपाया गया।

फर्जी जीएसटी मामले में कई राज्यों में तलाशी

नई दिल्ली/कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश में 658 करोड़ रुपये के कथित फर्जी जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट मामले के संबंध में कई राज्यों में तलाशी ली। अधिकारियों ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की जा रही जांच के सिलसिले में झारखंड, पश्चिम बंगाल और मणिपुर में इस मामले से जुड़े व्यक्तियों और कंपनियों के कई परिसरों की तलाशी ली जा रही है। 'इनपुट टैक्स क्रेडिट' (आईटीसी) वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली में एक कानूनी प्रावधान है जो व्यावसायिक संस्थाओं को व्यवसाय से संबंधित खरीद पर भुगतान किए गए जीएसटी पर क्रेडिट का दावा करके अपनी कर देनदारी को कम करने की अनुमति देता है। अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में स्थित ईडी कार्यालय विभिन्न राज्य पुलिस बलों के समन्वय से इस अभियान का संचालन कर रहा है। धन शोधन का यह मामला ईटानगर पुलिस द्वारा दर्ज की गई एक प्राथमिकी से जुड़ा है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि राकेश शर्मा और आशुतोष कुमार झा नामक व्यक्तियों ने बिना किसी वास्तविक वस्तु या सेवा की आपूर्ति किए फर्जी रसीद के जरिए धोखाधड़ी करके इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ उठाया। मामले में सिद्धि विनायक ट्रेड मर्चेंट्स नाम की एक फर्जी कंपनी भी शामिल बताई गई है।

रूस-भारत में एसजे-100 यात्री विमान की बिक्री पर समझौता

- रूस के उद्योग-व्यापार उपमंत्री गेनाडी ने दी जानकारी

मॉस्को, एजेंसी

रूस और भारत के बीच रूसी निर्मित यात्री विमान एसजे-100 की खरीद और स्थानीय उत्पादन पर प्रारंभिक समझौते हो चुके हैं और बातचीत जारी है। यह जानकारी रूस के उद्योग और व्यापार उप मंत्री गेनाडी अब्रामेनकोव ने मंगलवार को दी।

अब्रामेनकोव ने कहा साझेदारों के साथ खरीद की संभावना पर एक प्रारंभिक समझौता हो चुका है, जिसके बाद भारत में इस प्रकार के विमान का स्थानीय उत्पादन किया जाएगा। फिलहाल, बातचीत चल रही है। अक्टूबर के अंत में यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन (यूएसी) और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने एसजे-100 विमान के उत्पादन पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यूएसी के प्रमुख वादिम बदेहा ने बाद में कहा कि भारत ने एसजे-100 विमान की उच्च दक्षता को ध्यान में रखा है। एसजे-100 एक अल्प दूरी का नैरो-बॉडी विमान है जिसे आयातित प्रणालियों को बदलने के कार्यक्रम के तहत विकसित किया जा रहा है। यह विमान वर्तमान में संचालित सुपरजेट प्रकार के विमानों के परिवार में एक और मॉडल बनेगा। एसजे विमान ने रूसी पीडी-8 इंजन के साथ पहली उड़ान 17 मार्च, 2025 को कोम्सोमोल्स्क-ऑन-अमूर शहर में भरी।

रूस का यूक्रेन के बिजली ग्रिड पर ड्रोन से हमला

कीव। रूस ने यूक्रेन के बिजली ग्रिड को निशाना बनाते हुए 300 से अधिक ड्रोन तथा बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलें दागीं। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने मंगलवार को कहा कि मॉस्को की ओर से युद्ध समाप्त करने की कोई इच्छा फिलहाल दिखाई नहीं दे रही है। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को के अनुसार, सोमवार रात हुए इस हमले के कारण राजधानी में 5,600 से अधिक अपार्टमेंट इमारतों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। उन्होंने बताया कि प्रभावित इमारतों में से लगभग 80 प्रतिशत में, हाल ही में 9 जनवरी को हुए बड़े रूसी हमले के बाद बिजली बहाल की गई थी। उस दौरान हजारों लोग कई दिनों तक बिजली गुल रहने से प्रभावित हुए थे। यूक्रेन हाल के वर्षों के सबसे सर्द मौसम का सामना कर रहा है। कीव में तापमान शून्य से 20 डिग्री सेल्सियस तक नीचे गिर गया है। इसी बीच, रूस ने बिजली ग्रिड पर हवाई हमले तेज कर दिए हैं, जिनका उद्देश्य यूक्रेनवासियों को गर्मी प्रदान करने वाले उपकरणों के उपयोग और पेयजल आपूर्ति से वंचित करना तथा 24 फरवरी 2022 को शुरू किए गए आक्रमण के प्रतिरोध को कमजोर करना है।

ट्रंप ने दी फ्रांस की वाइन पर 200% टैरिफ की धमकी

- गाजा शांति योजना पर फ्रांसीसी राष्ट्रपति पर दबाव का प्रयास

वाशिंगटन/पेरिस, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को फ्रांसिसी वाइन और शैंपेन पर 200 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की धमकी दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस कदम को व्यापक रूप से फ्रांसिसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों पर दबाव बनाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, ताकि वे गाजा और अन्य वैश्विक संघर्षों को सुलझाने के उद्देश्य से ट्रंप की प्रस्तावित शांति बोर्ड पहल का समर्थन करें।

ट्रंप ने संकेत दिया कि इन दंडात्मक आयात शुल्क का उपयोग फ्रांस को सहयोग के लिए मजबूर करने हेतु किया जा सकता है। यह बयान उन रिपोर्टों के बाद आया है, जिनमें कहा गया था कि मैक्रों ने इस पहल में शामिल होने के निमंत्रण को स्वीकार करने में अनिच्छा जताई है। प्रस्तावित निकाय शुरू में गाजा युद्ध पर ध्यान केंद्रित करेगा और बाद में अन्य अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों तक विस्तार करेगा। हालांकि यह सवाल भी उठ रहे हैं कि यह निकाय संयुक्त राष्ट्र जैसे मौजूदा संस्थानों के साथ कैसे तालमेल बिठाएगा। ट्रंप से मैक्रों की कथित अनिच्छा के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि क्या उन्होंने ऐसा कहा? वह बहुत जल्द पदच्यूत होने वाले हैं।

झड़पों के बीच आईएस के 120 सदस्य जेल से फरार

रक्का। सीरिया के गृह मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि सरकारी बलों और जेल की रखवाली करने वाले कुर्दों के नेतृत्व वाले बल 'सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज' के बीच हुई झड़प के बीच उत्तर-पूर्वी सीरिया की एक जेल से इस्लामिक स्टेट के 120 सदस्य फरार हो गए। बयान में कहा गया है कि सुरक्षा बलों ने फरार हुए 81 कैदियों को फिर से पकड़ लिया है, जबकि बाकी कैदियों का पता लगाने के लिए गहन सुरक्षा प्रयास जारी हैं। शद्दादेह शहर की एक जेल से कैदियों के भागने की घटना को लेकर एसडीएफ और सरकार ने एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए हैं, जबकि दोनों पक्षों के बीच संघर्ष विराम समझौता टूट चुका है। एसडीएफ ने मंगलवार को ही दमिश्क से जुड़े गुटों पर रक्का शहर के पास अल-अक्तान जेल में पानी की आपूर्ति बंद करने का आरोप लगाया और इसे मानवीय मानकों का घोर उल्लंघन बताया। सीरिया में आईएस से लड़ने वाले अमेरिका समर्थित मुख्य बल एसडीएफ उत्तर-पूर्वी सीरिया में 10 से अधिक जेलों को नियंत्रित करता है, जिनमें लगभग 9,000 आईएस सदस्यों को वर्षों से बिना मुकदमे चलाए रखा गया है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 21 जनवरी, बुधवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तृतीया 22 जनवरी 02.47 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

आज का पंचांग

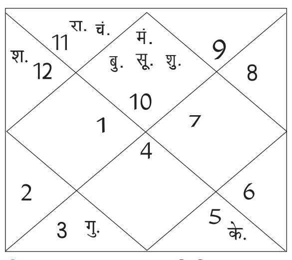

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- धनिष्ठा 13.58 तक तत्पश्चात शतभिषा।

मेष — आज नया काम शुरू करने के लिए दिन बेहद अनुकूल है। आप अपने शौकों को पूरा करने में लगे रहेंगे। संतान के आज्ञाकारी व्यवहार से प्रसन्नता होगी। कार्यक्षेत्र में आपकी आय बढ़ेगी। मित्रों के साथ किसी महत्वपूर्ण कार्य की चर्चा कर सकते हैं।

वृष — आज अटके हुए कार्यों को आप दोबारा शुरू कर सकते हैं। आपकी प्रबंधन क्षमता की प्रशंसा होगी। जीवनसाथी को उपहार दे सकते हैं। पुराने कर्जों से छुटकारा मिल सकता है। आपकी कार्यक्षमता में बढ़ोतरी होगी।

मिथुन — आज यदि नई नौकरी के लिए इंटरव्यू दे रहे हैं, तो सफलता मिलेगी। परिवार के सदस्यों का विशेष ध्यान रखें। पिता की सलाह लेना आपके लिए हितकर होगा। भावनात्मक रूप से थोड़ा कमजोर महसूस करेंगे। व्यापार में दोगुनी वृद्धि हो सकती है।

कर्क — आज आपके कार्यों की लोग सराहना करेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। मानसिक तनाव से बचने के लिए योग करें। अनावश्यक विचारों में अधिक समय बर्बाद न करें। व्यवसाय को लेकर परेशानी हो सकती है।

सिंह — आज मन में नए विचार उत्पन्न होंगे। लोग आपसे अधिक अपेक्षा रखेंगे। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी सामाजिक कार्य के लिए आपकी प्रशंसा हो सकती है। नव विवाहित लोग कहीं घूमने जा सकते हैं।

कन्या — आज आपके सामाजिक यश में वृद्धि होगी। दांपत्य संबंधों में मधुरता रहेगी। करियर को लेकर उत्तम अवसर प्राप्त हो सकते हैं। भविष्य को लेकर योजना बनाएंगे। मेहनत का उत्तम लाभ मिलेगा। सिर में थोड़ा भारीपन हो सकता है।

तुला — आज का दिन आपके लिए अत्यधिक विशेष रहेगा। आयात-निर्यात से बड़ा धन लाभ हो सकता है। दूसरों के सामने अपने हितों को अनदेखा न करें। व्यापार में कुछ तकनीकी समस्या हो सकती है, जिसे आप शाम तक सुलझा लेंगे।

वृश्चिक — आज यात्रा के दौरान थकान हो सकती है। शुगर के रोगी अपनी सेहत का ध्यान रखें। दूसरों पर अधिक ध्यान न दें। रियल एस्टेट से जुड़े लोगों के लिए दिन काफी अच्छा है। अनावश्यक कार्यों को अधिक समय देने के कारण आवश्यक कार्य छूट सकते हैं।

धनु — आज दिन के उत्तरार्ध भाग में रुका हुआ सरकारी काम बन सकता है। परिस्थितियां आपके लिए अत्यधिक अनुकूल रहने वाली हैं। घर में मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं। अपनी प्रतिभा से लोगों को प्रभावित कर सकते हैं।

मकर — आज व्यापार में नए लोगों से थोड़ा संभलकर व्यापार करें। बेरोजगार लोगों को जॉब मिल सकती है, किंतु आप अपने काम से संतुष्ट नहीं रहेंगे। मित्रों पर अधिक विश्वास न करें। यदि कोई स्वास्थ्य समस्या है, तो चिकित्सक से परामर्श ले लें।

कुंभ — आज अचल संपत्ति के झगड़ों का निवारण होगा। कलात्मक विधाओं में आपकी रुचि बढ़ेगी। वैवाहिक जीवन में प्रसन्नता और संतुष्टि रहेगी। बड़ा काम करने का विचार बनेगा। शेयर और लॉटरी आदि से धन लाभ मिलने की संभावना बन रही है।

मीन — आज यात्राओं के दौरान सावधानी रखें। बुरे लोगों की संगत के कारण धन हानि हो सकती है। गुप्त शत्रु आपको नुकसान पहुंचाने का प्रयास करेंगे। दिखावे के कारण आपकी छवि खराब हो सकती है। कोई महत्वपूर्ण कार्य अटक सकता है।

सुडोकू-38

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

6		3			8		7	9
	9		6			3		
2			9					1
		2			5		1	
9		4		7			3	2
1			3			7		
	5			8			6	
7			1			4		3
		1			4		2	

सुडोकू - 37 का हल

1	3	8	5	4	6	9	2	7
4	2	5	9	7	3	1	8	6
6	9	7	1	8	2	3	4	5
9	5	6	8	2	4	7	1	3
3	4	2	6	1	7	8	5	9
7	8	1	3	9	5	2	6	4
8	1	4	7	5	9	6	3	2
2	6	9	4	3	1	5	7	8
5	7	3	2	6	8	4	9	1

> मैंने अपने करियर के दौरान काफी उतार–चढ़ाव देखे हैं और मैं जानती हूं कि सही समय पर उचित मार्गदर्शन से कितना बदलाव आ सकता है। द नेक्स्ट सेट मेरे लिए बेहद व्यक्तिगत है। भारतीय महिला टेनिस में अपार प्रतिभा है और सही मार्गदर्शन से उन्हें आगे बढ़ाया जा सकता है।
> –सानिया मिर्जा

स्टेडियम

बरेली, बुधवार, 21 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

दक्षिण अफ्रीका जाएगी भारतीय महिला टीम

जोहानिसबर्ग। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार को घोषणा की कि भारतीय महिला टीम पांच मैचों की अंतर्राष्ट्रीय टी20 शृंखला खेलने अप्रैल में वहां पहुंचेगी। ये मैच 17 से 27 अप्रैल के बीच डरबन, जोहानिसबर्ग और बेनोनी में खेले जाएंगे। पहला और दूसरा मैच डरबन में 17 और 19 अप्रैल को होगा। इसके बाद तीसरा और चौथा मैच जोहानिसबर्ग में 22 और 25 अप्रैल को और आखिरी मैच बेनोनी में 27 अप्रैल को खेला जायेगा। इंग्लैंड में 12 जून से होने वाले आईसीसी महिला टी20 विश्व से पहले दक्षिण अफ्रीका टीम की यह आखिरी शृंखला होगी।

नॉर्वे शतरंज 2026 में खेलेंगे प्रज्ञानानंदा

स्टावेंजर (नॉर्वे)। भारतीय स्टार आर प्रज्ञानानंदा ने मंगलवार को पुष्टि की कि वह तीसरी बार नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में भाग लेंगे। नई पीढ़ी के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में शामिल प्रज्ञानानंदा ने 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। उन्होंने यहां एक विज्ञप्ति में कहा नॉर्वे शतरंज में वापसी को बेकरार हूं। मुझे 2024 में वहां खेलने में काफी मजा आया। बेहद रोमांचक प्रारूप। नॉर्वे शतरंज के सीओओ बेनेडिक्टे रेस्ट्रे एस ने कहा प्रज्ञानानंदा ने 2024 में यहां शानदार प्रदर्शन किया। उनका फिर स्वागत करना बेहतरीन होगा।

सातवीं बार असम में होगी संतोष ट्रॉफी

नई दिल्ली। 79वीं राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप संतोष ट्रॉफी बुधवार से असम में शुरू होगी जो सातवीं बार इसकी मेजबानी कर रहा है। पहली बार असम में 1959 .60 में संतोष ट्रॉफी खेली गई थी। टूर्नामेंट के क्वालीफाइंग दौर के लिये सभी राज्यों की टीमों को नौ समूहों में बांटा गया है और हर समूह की शीर्ष टीम फाइनल दौर में खेलेगी। मेजबान और पिछले सत्र की उपविजेता असम, पश्चिम बंगाल और केरल सीधे फाइनल दौर में खेलेंगे। नॉकआउट क्वार्टर फाइनल दो और तीन फरवरी को होंगे, जबकि सेमीफाइनल 5 फरवरी को और फाइनल 8 फरवरी को खेला जाएगा।

भारतीय महिला टीम की कोच बनीं अमेलिया

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने मंगलवार को कोस्टा रिका की अमेलिया वाल्वेर्डे को भारतीय सीनियर महिला टीम की मुख्य कोच बनाया। 39 वर्ष की अमेलिया अंताल्या में भारतीय टीम के शिविर में पहुंच गई है। भारतीय टीम मार्च में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप आस्ट्रेलिया 2026 की तैयारी कर रही है। पंद्रह बरस पहले कोचिंग कैरियर की शुरूआत करने वाली अमेलिया 2015 से 2023 तक कोस्टा रिका महिला टीम की कोच रही। उनके कार्यकाल में कोस्टा रिका ने 2015 और 2023 फीफा महिला विश्व कप में भाग लिया। वह 2015 विश्व कप में 28 वर्ष की थी और सबसे युवा मुख्य कोच रहीं। उनके साथ गोलकीपिंग कोच एली अविला और स्ट्रेंथ तथा कंडीशनिंग कोच जोस सांचेज भी टीम से जुड़ेंगे।

ईशान किशन को श्रेयस अय्यर से पहले बल्लेबाजी के लिए भेजा जाएगा : सूर्यकुमार

नागपुर। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मंगलवार को कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज में ईशान किशन को श्रेयस अय्यर से पहले बल्लेबाजी के लिए भेजा जाएगा क्योंकि वह भारत की टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा हैं और चोटिल तिलक वर्मा की तरह ही खब्बू बल्लेबाज हैं। तिलक के पेट का आपरेशन हुआ है और वह पहले तीन मैचों से बाहर हैं। इससे श्रेयस को पहले तीन मैचों के लिये वापसी का मौका मिला है। सूर्यकुमार ने मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा ईशान तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेगा क्योंकि वह हमारी टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा है और उसे टीम में पहले चुना गया तो उसे मौका देना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा पिछले डेढ साल से वह भारत के लिए खेला नहीं है, लेकिन घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा ईशान को टी20 विश्व कप के लिये चुना गया है तो उसे श्रेयस से ऊपर भेजा जाना चाहिए।

न्यूजीलैंड से वनडे का हिसाब चुकता करने उतरेगा भारत

कप्तान सूर्यकुमार के प्रदर्शन पर होगी नजर, मुकाबला शाम 7 बजे से

नागपुर, एजेंसी

पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे कप्तान सूर्यकुमार यादव न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से यहां शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 शृंखला से फॉर्म में वापसी करने के लिए बेताब होंगे जिसमें भारत की नजर वनडे शृंखला में मिली हार का बदला चुकता करके अगले महीने घरेलू धरती पर होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों को पुख्ता अंजाम देने पर होगी।

सूर्यकुमार ने 2024 में टी20 टीम की कप्तानी संभाली थी जिसके बाद भारत का प्रदर्शन अच्छा रहा है और उसकी जीत का प्रतिशत 72 प्रतिशत से अधिक रहा है। इससे कप्तान के बल्लेबाजी में निराशाजनक प्रदर्शन पर ज्यादा गौर नहीं किया गया लेकिन अब ऐसा नहीं है। पिछले दो वर्षों में भारतीय टी20 टीम स्वचालित मोड पर रही है, जिसमें उसे इक्का-दुक्का हार का ही सामना करना पड़ा। आईपीएल के कारण उसके पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो अपनी भूमिकाओं को अच्छी तरह से जानते हैं।

भारतीय टीम पर हालांकि विश्व कप में अपने खिताब का बचाव करने और घरेलू धरती पर खेलने का दबाव होगा और सूर्यकुमार न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला से पहले इन बातों पर जरूर गौर कर रहे होंगे। न्यूजीलैंड की टीम काफी मजबूत है और उसने पिछले एक साल में कई उपलब्धियां हासिल की है जिसमें भारत के खिलाफ टेस्ट शृंखला में क्लीन स्वीप करना और वनडे शृंखला जीतना भी शामिल है। भारतीय धरती पर पहली बार द्विपक्षीय वनडे शृंखला जीतने से निश्चित तौर पर उसके खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा होगा। लेकिन जब टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की बात आती है तो सूर्यकुमार की कप्तानी में भारत एक अलग ही टीम साबित हुई है, जिसने पिछले 25 में से 18 मैच जीते हैं। इसका श्रेय काफी हद तक अभिषेक शर्मा की तूफानी शुरुआत और वरुण चक्रवर्ती की बीच के ओवरों में शानदार गेंदबाजी को जाता है। न्यूजीलैंड ने 2024 टी20 विश्व कप के बाद खेले गए 21 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में से 13 में जीत हासिल की है। आक्रामक सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे, कप्तान मिचेल सैंटनर, तेज गेंदबाज जैकब डफी, बेहतरीन फॉर्म में चल रहे डैरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स की मौजूदगी में न्यूजीलैंड मजबूत प्रतिद्वंद्वी टीम साबित हो सकती है। इसका यह भी मतलब है कि मौजूदा चैंपियन भारत को विश्व कप की तैयारी के लिए बेहतरीन समय मिलेगा। इस पृष्ठभूमि में केवल सूर्यकुमार ही ऐसे हैं, जिनकी खराब फॉर्म मजबूत टीम की कमजोर कड़ी साबित हुआ है।

अभ्यास सत्र के दौरान फुटबाल खेलते न्यूजीलैंड के खिलाड़ी। एजेंसी

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड : मिचेल सैंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन, जिमी नीशम, ईश सोढ़ी, जैक फाउल्स, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी, क्रिस्टियन क्लार्क।

टी20 विश्व कप विवाद

आईसीसी के दबाव में नहीं आएगा बांग्लादेश

ढाका। बांग्लादेश सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरूल ने मंगलवार को दोहराया कि उनकी टीम किसी भी हालत में टी20 विश्व कप के लिये भारत नहीं जायेगी हालांकि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को भागीदारी पर फैसला लेने के लिये 21 जनवरी तक का समय दिया है। बीसीबी अगर 20 टीमों के टूर्नामेंट के लिये भारत टीम नहीं भेजता है तो मौजूदा रैंकिंग के आधार पर स्कॉटलैंड को उतारा जा सकता है।

नजरूल ने पत्रकारों से कहा मुझे जानकारी नहीं है कि हमारी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया गया है। अगर आईसीसी भारतीय क्रिकेट बोर्ड के दबाव में आकर बेतुकी शर्तें रखकर हम पर दबाव बनाने की कोशिश करता है तो हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा पहले भी ऐसा हुआ है कि पाकिस्तान ने कहा कि वे भारत नहीं जाएंगे तो आईसीसी ने वेन्यू बदल दिया।

अब भी पक्का नहीं है कि हम वर्ल्ड कप में जाएंगे या नहीं : लिटन दास

बंगलादेश के टी20 के कप्तान लिटन दास ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए एक पत्रकार को बीच सवाल में ही रोक दिया, जब उसका सवाल टी20 वर्ल्ड कप से पहले चल रहे गतिरोध की ओर जा रहा था। आपको नहीं पता, मुझे नहीं पता, हम एक ही नाव में हैं। वर्ल्ड कप अभी बहुत दूर है। हमें अभी यह भी पक्का नहीं है कि हम वर्ल्ड कप में जाएंगे भी या नहीं।

ए प्लस श्रेणी को हटाकर केंद्रीय अनुबंध को सरल बनाएगा बोर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी

बीसीसीआई खिलाड़ियों के केंद्रीय अनुबंध को सरल बनाते हुए 2018 में शुरू की गई ए प्लस श्रेणी खत्म करने जा रहा है। मौजूदा नीति के तहत ए प्लस श्रेणी के क्रिकेटरों को सालाना सात करोड़ रूपये, ए श्रेणी वालों को पांच करोड़, बी श्रेणी वाले को तीन करोड़ और सी श्रेणी में एक करोड़ रूपये दिये जाते हैं। वर्ष 2025-26 के लिये खिलाड़ियों को ए, बी और सी श्रेणी में रखा जाएगा।

पिछले चक्र में सिर्फ चार खिलाड़ी विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा ए प्लस श्रेणी में थे। इनमें से सिर्फ बुमराह तीनों प्रारूप में खेलते हैं। कोहली और रोहित सिर्फ वनडे खेलते हैं जबकि जडेजा टेस्ट और वनडे खेलते हैं। केंद्रीय अनुबंध को शीर्ष परिषद की अगली बैठक में मंजूरी दी जायेगी। बोर्ड के एक अधिकारी ने हालांकि पीटीआई को बताया कि तीनों प्रारूपों में तेज आक्रमण की अगुवाई करने वाले बुमराह जैसे खिलाड़ी के पारिश्रमिक में कोई कटौती नहीं की जायेगी भले ही वह कार्यभार प्रबंधन के कारण कुछ मैचों से बाहर रहे हों। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल का ए श्रेणी में रहना तय है।

आईपीएल के एआई प्रायोजन के लिए 270 करोड़ रुपये का करार

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 से पहले गूगल के एआई प्लेटफॉर्म जेमिनी के साथ 270 करोड़ रूपये का प्रायोजन करार किया है। जेमिनी की प्रतिद्वंद्वी कंपनी चैट जीपीटी महिला प्रीमियर लीग के प्रायोजकों में से एक है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने पीटीआई को बताया यह करार तीन साल के लिये है और आईपीएल की वैश्विक अपील की बानगी देता है।

चोटिल कमलिनी की जगह वैष्णवी मुंबई इंडियंस में शामिल

वडोदरा। भारतीय स्पिनर वैष्णवी शर्मा को मंगलवार को महिला प्रीमियर लीग के शेष मैचों के लिए चोटिल विकेटकीपर बल्लेबाज जी कमलिनी की जगह मुंबई इंडियंस की टीम में शामिल किया गया। सत्रह वर्षीय कमलिनी ने डब्ल्यूपीएल के इस सत्र में पांच मैचों में से चार में पारी की शुरुआत की जिसमें उन्होंने 97.40 के स्ट्राइक रेट से केवल 75 रन बनाए। डब्ल्यूपीएल ने एक विज्ञप्ति में कहा वैष्णवी शर्मा 30 लाख रुपये में मुंबई इंडियंस में शामिल होंगी।

वैष्णवी 2025 में भारत की अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम की सदस्य थीं। उन्होंने पिछले महीने श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की शृंखला से टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया, जिसे भारत ने 5-0 से जीता था। इस 20 वर्षीय खिलाड़ी ने स्पिन गेंदबाजी से अच्छा प्रभाव डाला और पांच विकेट लिए।

जेमिमा के नाबाद अर्धशतक से दिल्ली जीती

वडोदरा, एजेंसी

- महिला प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हराया

जेमिमा रौड्रिग्स ने मोर्चे से अगुवाई करते हुए नाबाद अर्धशतक लगाकर दिल्ली कैपिटल्स को महिला प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मंगलवार को महत्वपूर्ण जीत दिलाई। धीमी पिच पर पहले बल्लेबाजी के लिये भेजी गई मुंबई इंडियंस ने नेट स्किवर ब्रंट के 45 गेंद में नाबाद 66 रन की सहायता से पांच विकेट पर 154 रन बनाए।

दिल्ली को लिजेले ली (28 गेंद में 46 रन) और शेफाली वर्मा (24 गेंद में 29 रन) ने अच्छी शुरूआत दी लेकिन बीच के ओवरों में टीम ने विकेट गंवा दिए। इसके बाद जेमिमा ने 37 गेंद में 51 रन की अविजित पारी खेलकर दिल्ली को जीत तक पहुंचाया। अनुभवी मरिजाने काप छह गेंद में 10 रन बनाकर नाबाद रही और छक्के के साथ विजयी रन पूरे किए।

दिल्ली कैपिटल्स की यह पांच मैचों में दूसरी जीत है जबकि मुंबई की छह मैचों में चौथी हार है। मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने हार के बाद स्वीकार किया कि टीम को पावरप्ले में गेंदबाजी और बल्लेबाजी में सुधार करना होगा। दिल्ली ने पावरप्ले में शेफाली वर्मा का विकेट गंवाया जो बायें हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा का शिकार हुई। वहीं अमनजोत कौर ने 11वें ओवर में लिजेले ली का विकेट लिया। इससे पहले हीली मैथ्यूज के चोट से उबरने के बाद वापसी करने के बावजूद मुंबई इंडियंस पावरप्ले में अपने प्रदर्शन में सुधार नहीं कर सकी। वेस्टइंडीज की मैथ्यूज और उनकी सलामी जोड़ीदार साजीवन साजना सस्ते में आउट हो गई। दिल्ली कैपिटल्स के लिये मरिजाने काप ने सटीक गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में आठ रन देकर मैथ्यूज का विकेट लिया। अब रन बनाने की जिम्मेदारी स्किवर ब्रंट और कप्तान हरमनप्रीत कौर पर आ गई थी। हरमनप्रीत ने 33 गेंद में 41 रन बनाए।

दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान जेमिमा रौड्रिग्स। एजेंसी

मालासुक ने अंडर 19 विश्व कप इतिहास का सबसे तेज शतक जड़ा

विंडहोक (नामीबिया)। आस्ट्रेलिया के बायें हाथ के बल्लेबाज विल मालासुक ने आईसीसी अंडर 19 विश्व कप के इतिहास का सबसे तेज शतक सिर्फ 51 गेंदों में लगाया जिसकी मदद से आस्ट्रेलिया ने टी20 विश्व कप में मंगलवार को जापान को आठ विकेट से मात दी। विल ने 55 गेंद में 102 रन बनाये और 202 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आस्ट्रेलिया को आसान जीत दिलाई।

मैडिसन कीज।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन

पिछले दो बार के विजेता हैं इटालवी स्टार, महिला सिंगल्स की मौजूदा चैंपियन मैडिसन कीज ने भी दूसरे दौर में बनाई जगह

सिनर के खिताबी हैट्रिक अभियान की सकारात्मक शुरुआत

मेलबर्न, एजेंसी

मौजूदा चैंपियन यानिक सिनर और मैडिसन कीज ने अपने खिताब बचाने के अभियान की सकारात्मक शुरुआत करते हुए मंगलवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। सिनर ने रॉड लेवर एरिना पर सिर्फ तीन गेम गंवाए और एक घंटे से थोड़ा अधिक समय बिताकर खिताबी हैट्रिक पूरा करने के अपने अभियान की शुरुआत की।

विश्व में दूसरे नंबर के खिलाड़ी सिनर जब 6-2, 6-1 से आगे चल रहे थे, तभी ह्यूगो गैस्टन ने अचानक एक अज्ञात चोट के कारण मैच से हटने का फैसला किया। सिनर ने कहा मैंने देखा कि वह दूसरे सेट में बहुत तेज गति से सर्व नहीं कर रहा था लेकिन मैं इस तरह से मैच नहीं जीतना चाहता था। सिनर वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में लगातार तीन बार चैंपियन बनने वाले चौथे खिलाड़ी बनने की राह पर हैं।

नौवीं वरीयता प्राप्त कीज ने पहले दौर में ओलेक्सांद्रा ओलिन्यकोवा को 7-6 (6), 6-1 से हराया। अपने 50वें ग्रैंड स्लैम मैच में खेल रही कीज ने पहले सेट में 4-0 से पिछड़ने के बावजूद वापसी करके यूक्रेन की खिलाड़ी के खिलाफ मुकाबला टाईब्रेकर तक पहुंचाया। पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में खेल रही ओलिन्यकोवा ने टाईब्रेकर में भी 4-0 की बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन वह दो सेट प्वाइंट के मौकों को भुनाने में असफल रही। कीज ने कहा मैच की शुरुआत में थोड़ी नर्वस हो गई थी। मैं जितनी नर्वस थी उसे देखते हुए वापसी करना और जीत हासिल करना शानदार रहा। कीज़ ने ओलिन्यकोवा की प्रशंसा की जिन्होंने मैच के बाद ऑटोग्राफ दिए और कोर्ट पर यूक्रेन का ध्वज लहराया। इस बीच महिला वर्ग में सुबह के सत्र में दो वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को हार का सामना करना पड़ा।

इंडोनेशिया की जेनिस टजेन ने कनाडा की 22वीं वरीयता प्राप्त लेयला फर्नांडीज को 6-2, 7-6 (1) से और चेक गणराज्य की टेरेजा वैलेंटोवा ने ऑस्ट्रेलिया की 30वीं वरीयता प्राप्त माया जॉइंट को 6-4, 6-4 से हराया। पूर्व अमेरकी ओपन चैंपियन स्लोएन स्टीफंस भी पहले दौर में कैरोलिना प्लिस्कोवा से 7-6 (7), 6-2 से हार गई। वर्ष 2017 में अमेरिकी ओपन जीतने वाली स्टीफंस ने इस साल क्वालीफायर के जरिए मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई थी। बाएं हाथ से खेलने वाले खिलाड़ियों के बीच हुए मुकाबले में अमेरिकी खिलाड़ी बेन शेल्टन ने फ्रांस के यूगो हंबर्ट को 6-3, 7-6 (2), 7-6 (5) से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। पुरुष वर्ग में आठवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन पिछले साल में टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचे थे।

पूनाचा व इसारो की जोड़ी पहले दौर में बाहर

मेलबर्न। भारत के निकी पूनाचा और थाईलैंड के उनके जोड़ीदार प्रुच्य इसारो मंगलवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के पहले दौर में बाहर हो गए। पूनाचा और इसारो की वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाली जोड़ी ने पेड्रो मार्टिनेज और जौमे मुनार की स्पेनिश जोड़ी के सामने अच्छी चुनौती पेश की लेकिन आखिर में उन्हें एक घंटे और 51 मिनट में 6-7(3) 5-7 से हार का सामना करना पड़ा। दोनों जोड़ियों के बीच ज्यादा अंतर नहीं था, पर पूनाचा व इसारो तीन में से केवल एक ब्रेक प्वाइंट के मौके को ही भुना पाए और मैच में दो बार अपनी सर्विस गंवा बैठे। युगल स्पर्धा में भारत की उम्मीदें बरकरार हैं। युकी भांबरी स्वीडन के साथी आंद्रे गोरान्सन के साथ चुनौती पेश करेंगे। उन्हें 10वीं वरीयता दी गई है।

सानिया ने 'द नेक्स्ट सेट' लॉन्च किया

हैदराबाद। छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सानिया मिर्जा ने मंगलवार को 'द नेक्स्ट सेट' नामक एक पहल की घोषणा की, जिसका उद्देश्य टेनिस सहित भारत की अग्रणी और उभरती महिला खिलाड़ियों को सलाह और समर्थन देना है।

सानिया ने खेल जगत को वापस कुछ देने के उद्देश्य से यह पहल शुरू की है जिसमें शीर्ष स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली खिलाड़ियों को सहायता प्रदान करना है।

इस कार्यक्रम के तहत मुख्य रूप से एक समर्पित सहायता प्रणाली तक सहजता से पहुंच बनाना होगा जिसमें कोच, फिजियोथेरेपिस्ट आदि शामिल होंगे जो पूरे सत्र में खिलाड़ियों के साथ टूर्नामेंट में यात्रा कर सकते हैं ताकि पूरे सत्र में निरंतर तैयारी और समन्वय सुनिश्चित किया जा सके। इसके अतिरिक्त इस कार्यक्रम के तहत सानिया की अकादमी में उनके नेतृत्व में विशेष टेनिस शिविर और कोचिंग कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा।